{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 15 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 169
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मेटा में 15,000 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी

नई दिल्ली। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा एक बार फिर बड़े स्तर पर छंटनी की तैयारी में है। कंपनी अपने ग्लोबल वर्कफोर्स में से 20 प्रतिशत कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा सकती है। मेटा के पास 31 दिसंबर 2025 तक लगभग 79,000 कर्मचारी थे, इस हिसाब से करीब 15,000 से ज्यादा लोगों की नौकरी जा सकती है। कंपनी यह कदम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बढ़ रहे अरबों डॉलर के खर्च और डेटा सेंटर्स की लागत को मैनेज करने के लिए उठा रही है। मेटा ने अपने सुपरइंटेलिजेंस लैब्स में नई प्रतिभाओं को लाने के लिए भारी निवेश किया है। कंपनी ने हाल ही में अलेक्जेंडर वांग के स्टार्टअप स्केल एआई को 14.5 बिलियन डॉलर में खरीदा है। इसके अलावा, मेटा ने 2028 तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर 600 बिलियन डॉलर खर्च करने का लक्ष्य रखा है। इसी भारी भरकम खर्च की भरपाई करने के लिए कंपनी वर्कफोर्स कम करने पर विचार कर रही है।

महाराष्ट्र में अवैध स्पर्म बैंक का भंडाफोड़

विरार। महाराष्ट्र के विरार में वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्वास्थ्य टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अवैध स्पर्म बैंक रैकेट का पर्दाफाश किया है। जांच में सामने आया कि बिना किसी सरकारी अनुमति या पंजीकरण के दाताओं से शुक्राणु एकत्र कर उनका भंडारण और बिक्री की जा रही थी। नगर निगम को मिली शिकायत के बाद आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने विशेष टीम बनाई। इस टीम का नेतृत्व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भक्ति चौधरी ने किया। 9 मार्च को टीम ने विरार पूर्व स्थित पद्मीबाई टॉवर में संचालित जीवदानी साइंटिफिक कंपनी पर अचानक छापा मारा।

जनरल हसनैन बने बिहार के नए राज्यपाल, 40 साल तक दीं भारतीय सेना में सेवाएं

पटना। सैयद अता हसनैन ने शनिवार को बिहार के नए राज्यपाल की शपथ ली। वे राज्य के 43वें राज्यपाल होंगे। पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह में सीएम नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम मौजूद थे।

सेना से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन भारतीय सेना में अपनी बेहतर सेवाओं और रणनीतिक नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। अपने लंबे सैन्य करियर के दौरान उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां संभाली और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी गहरी समझ है।

कुछ ना कहना

एलपीजी की किल्लत : 92700 मीट्रिक टन गैस लेकर आ रहे शिवालिक और नंदा, 5 दिन बाद कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई शुरू, सरकार बोली- घबराकर बुकिंग न करें

कालाबाजारी रोकने सख्त हुई सरकार

सिलेंडर की लाइन में लगे यूपी-पंजाब में 2-बुजुर्गों की मौत...मप्र में पुलिस बुलाकर सिलेंडर बंटवाए गए; छत्तीसगढ़ में होटल 10 प्रतिशत सरचार्ज वसूल रहे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार सक्रिय है। भारत की राष्टीय ऊर्जा सुरक्षा और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर महत्वपूर्ण गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक तरफ जहां भारी मात्रा में एलपीजी गैस लेकर विशाल टैंकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू बाजार में आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने वालों के खिलाफ एजेंसियों ने सख्त रुख अपना लिया है। वहीं सरकार ने 5 दिन बाद कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर लगी रोक हटा दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कमर्शियल सिलेंडर का वितरण शुरू कर दिया गया है। सरकार ने 9 मार्च को कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पर रोक लगाई थी। वहीं, सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी तेज कर दी गई है।

देश में अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी को लेकर लोग मारामारी कर रहे हैं। गैस सिलेंडर की लाइन में लगे दो बुजुर्ग की मौत हो चुकी है। इसमें उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद में 76 साल के मोहम्मद मुख्तियार और पंजाब के बरनाला के गांव शैहना में 66 साल के भूषण कुमार मित्तल शामिल हैं। दोनों की हार्ट अटैक से मौत हुई। सरकार ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री की जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि अब दिल्ली-एनसीआर की इंडस्ट्रीज, होटल, रेस्टोरेंट और दूसरी संस्थाओं को एक महीने के लिए नेचुरल गैस की जगह बायोमास से बने पेलेट्स, खासकर रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल पेलेट्स के अस्थायी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है। शनिवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि शिवालिक और नंदा नाम के एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं और भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं। लेकिन सरकार की कोशिशों के बावजुद देशभर में रसोई गैस की कमी बनी हुई है। बिहार में गैस सिलेंडर की किल्लत के चलते लकड़ी-कोयले की मांग बढ़ गई है। राजस्थान में होटल लकड़ी पर खाना बना रहे हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार रुपए में बिक रहा है। इसके साथ ही सिलेंडर जब्त करने की कार्रवाई भी हो रही है। इसे रोकने के लिए सरकार मप्र, यूपी, कर्नाटक-तमिलनाडु में गोदामों पर छापेमारी कर रही है।

गैस एजेंसी के बाहर बुजुर्ग की हार्टअटैक से मौत

यूपी के फर्रुखाबाद में सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे मोहम्मद मुख्तियार (76) की तबीयत बिगड़ गई। परिजन अस्पताल लेकर भागे, लेकिन उनकी मौत हो गई। मुख्तियार शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे एजेंसी पहुंचे थे। लाइन में लगे-लगे अचानक गिर पड़े। परिवार को इसकी सूचना दी गई। परिजन उन्हें सुबह 10 बजे आवास विकास स्थित प्राइवेट डॉक्टर उदय राज के पास ले गए। जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ में लकड़ी के चूल्हों पर खाना बन रहा

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, सरगुजा और रायगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर लोगों की भीड़ लगी हुई है। लोग तेज धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सर्वर ठप हो जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई बंद होने से होटलों में 10 प्रतिशत सरचार्ज लिया जा रहा है। वहीं रायगढ़, जगदलपुर सहित कई जिलों के होटलों में लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कुछ जगहों पर मेन्यू में कटौती भी की गई है।

बुकिंग के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा

एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राहकों की शिकायत है कि बुकिंग के बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा है। जयपुर, भरतपुर सहित कई जिलों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी हैं।

छिंदवाड़ा में गैस गौदाम पर पुलिस तैनात

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में गैस सिलेंडर गौदाम पर सुबह से एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। भीड़ और संभावित विवाद की स्थिति को देखते हुए पुलिस की मौजूदगी में गैस सिलेंडर बांटे जा रहे हैं।

सिलेंडर के लिए रात से लाइन

यूपी में रसोई गैस सिलेंडर का संकट बढ़ता जा रहा है। सिद्धार्थनगर में लोग रात से ही सिलेंडर के लिए गैस एजेंसी के बाहर बैठे रहे। शनिवार सुबह अपना नंबर आने का इंतजार करते रहे। लेकिन अभी उन्हें सिलेंडर नहीं मिले हैं। वहीं कन्नौज में गैस एजेंसी में सिलेंडर के लिए लोग पहुंचे और हंगामा किया।

सिलेंडर के लिए भाग-दौड़

मप्र में एलपीजी संकट गहरा रहा है। 5 दिन से 50 हजार से ज्यादा होटल-रेस्टॉरेंट को कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिले हैं। कई होटलों में तो 24 से 48 घंटे की गैस ही बची है। ऐसे में ये बंद होने के कगार पर हैं। हालांकि, वैकल्पिक इंतजाम के तौर पर इंडक्शन, डीजल भट्ठी का उपयोग हो रहा है। इसके साथ घरेलू सिलेंडर ने भी मुश्किलें बढ़ा रखी हैं। भोपाल, इंदौर सहित कई शहरों में बुजुर्ग से बच्चे तक सिलेंडर के लिए भाग-दौड़ कर रहे हैं। कहीं सिलेंडर लेकर घंटों कतार में लगे हैं तो कहीं पुलिस के साये में सिलेंडर बंट रहे हैं।

बिहार में लोगों की लंबी लाइनें लगीं

गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी लाइन लग रही है। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। सिलेंडर की कमी का असर अब बाजार पर भी दिखने लगा है। गैस उपलब्ध नहीं होने की वजह से लकड़ी और कोयले की मांग बढ़ गई है, जिससे इनके दाम भी तेजी से बढ़े हैं। साथ ही इंडक्शन के दाम भी करीब पांच गुना तक बढ़ गए हैं।

पंजाब में सिलेंडर के लिए भगदड़

पंजाब-चंडीगढ़ में गैस संकट बना हुआ है। गैस सप्लाई प्रभावित होने से कई शहरों में घरेलू सिलेंडर मिलना मुश्किल हो गया है और लोगों को घंटों लाइनों में लगना पड़ रहा है। बरनाला में लाइन में खड़े एक बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

कालाबाजारी जोरों पर, मनमाने दाम वसूल रहे जमाखोर

एक तरफ सरकार सप्लाई को दुरुस्त बता रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीन पर हालात अलग हैं। इस संकट का फायदा उठाकर जमाखोरों ने सिलेंडरों की कालाबाजारी शुरू कर दी है। कई इलाकों में घरेलू सिलेंडर 4,000 तक में बेचे जा रहे हैं। जॉइंट सेक्रेटरी ने बताया कि एलपीजी का प्रोडक्शन 40 प्रतिशत बढ़ाया गया है, फिर भी एजेंसियों के बाहर कतारें कम नहीं हो रही हैं। आपूर्ति तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ, घरेलू बाजार में गैस और आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम किल्लत पैदा करने वाले तत्वों पर भी कड़ा प्रहार किया जा रहा है। बाजार में कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कई संयुक्त टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार रेड कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में व्यापक कार्रवाई हुई है। राज्य में कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए बड़े पैमाने पर 1400 स्थानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान अनियमितताओं में संलिप्त पाए गए 19 लोगों के खिलाफ मामले भी दायर किए गए हैं। अन्य राज्यों में भी चौकसी है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी कई जगहों पर संयुक्त टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है।

देश के लगभग 1 लाख रिटेल आउटलेट्स में ईंधन आपूर्ति सामान्य रूप से जारी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि देश भर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि घबराकर ईंधन जमा करने की कोशिश न करें और पेट्रोल या डीजल को ढीले या असुरक्षित कंटेनरों में भरकर न रखें, क्योंकि इससे सुरक्षा का बड़ा खतरा हो सकता है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त ईंधन का स्टॉक मौजूद है और कहीं भी कमी नहीं है। मंत्रालय ने कहा, देश भर के रिटेल आउटलेट्स पर पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे ईंधन को ढीले या अनुपयुक्त कंटेनरों में न लें और न ही स्टोर करें, क्योंकि इससे गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा हो सकता है।

मंत्रालय के अनुसार, तमिलनाडु के एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल को ढीले कंटेनर में भरते हुए देखा गया था, जो कि असुरक्षित और अनुचित है। इस घटना के बाद संबंधित पेट्रोल पंप को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की गई है। साथ ही अधिकारियों ने सभी पेट्रोल पंपों और डीलरों को ईंधन वितरण के दौरान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले सरकार ने लोगों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पैनिक बाइंग से बचने की अपील की थी, और कहा था कि देश में इन ईंधनों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। तेल विपणन कंपनियों के अनुसार, देश के लगभग 1 लाख रिटेल आउटलेट्स में कहीं भी ईंधन खत्म होने की कोई घटना सामने नहीं आई है और आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है।

पंजाब में अब छोटे भाई नहीं...2027 में हम सरकार बनाएंगे

मोगा,। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पंजाब के मोगा जिले में रैली को संबोधित किया। बात दें कि पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखकर बीजेपी के चाणक्य शाह की ये रैली काफी अहम मानी जा रही है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, मैं पंजाब की जनता से अपील करने आया हूं कि हम जब भी आए, छोटे भाई के रूप में आपके सामने आए। हमारी सरकार कभी पंजाब में बननी ही नहीं थी, लेकिन आज मैं कहकर जाता हूं कि 2027 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पंजाब में अपनी सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ने जा रही है। शाह ने रैली में यह बयान देकर पंजाब विधानसभा चुनाव में अकाली दल के साथ गठबंधन की अटकलों पर विराम भी लगा दिया।

रैली को संबोधित कर शाह ने कहा, मैं आज पूरी पंजाब की जनता से, माताओं-बहनों और बुजुर्गों से आशीर्वाद मांगने आया हूं। आप हमें आशीर्वाद दे, हमारी ताकत बढ़ाइए... अगर पंजाब को कोई नश मुक्त कर सकता है, तब केवल और केवल नरेन्द्र मोदी और भाजपा कर सकती है। हमारी सरकार ने ही कश्मीर से धारा 370 को हटाने का काम किया, आज देश के अंदर नक्सलवाद समाप्त होने के कगार पर है। इसलिए पंजाब को नशे से मुक्त कराने और युवाओं को रोजगार के लिए यहां भाजपा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में होनी चाहिए।

गृह मंत्री शाह ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी किस मुंह से बात कर रहे हैं। सच्चाई ये हैं कि सबसे ज्यादा एमएसपी पर खरीद करने का काम मोदी सरकार ने किया। पूरे पंजाब के किसानों को सबसे ज्यादा रबी और खरीफ के गेहूं और धान दोनों.......सबसे ज्यादा अगर किसी ने खरीदा हैं, तब मोदी जी की भाजपा सरकार ने खरीदा है। इसके साथ साथ दो ही दिन अंदर ही ऑनलाइन पेमेंट किसानों के पैसे उनके पास पहुंच जाते हैं। भ्रष्टाचार हमारी सरकार ने बंद कर दिया। राहुल बाबा सुन लो, जब आपकी सरकार थी, तब किसानों को बजट सिर्फ 22 हजार करोड़ देते थे। लेकिन मोदी जी ने किसानों का बजट 22 हजार करोड़ से बढ़ाकर 1 लाख 40 हजार करोड़ किया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने वादा किया कि सत्ता में आए, तब हम धर्मांतरण विरोधी कानून लाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट के जज बोले-

एआई वकील के दिमाग की जगह नहीं ले सकता

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा कि एआई वकील के प्रशिक्षित दिमाग और जज की नैतिक जिम्मेदारी की जगह नहीं ले सकता। उन्होंने आगे कहा कि अगर समझदारी से इस्तेमाल किया जाए, तो एआई समय बचा सकता है और कानूनी काम के कुछ पहलुओं को ज्यादा आसान बना सकता है। जस्टिस विक्रम तेलंगाना में एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। जस्टिस नाथ ने आगे कहा कि टेक्नोलॉजी किसी नोट का ड्राफ्टा बनाने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि एआई के गलत इस्तेमाल की वजह से न्यायिक व्यवस्था को इस हद तक नहीं जाना चाहिए कि वह इससे पूरी तरह से दूरी बना ले। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि एआई महज एक टूल है, और एक टूल को टूल ही रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जज, सतीश चंद्र शर्मा और तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य जज, जस्टिस अपारेष कुमार सिंह ने भी बात रखी। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में भी एआई से बनी गलत सामग्री और नकली साइटेशन के इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई गई है। गलत कानूनी संदर्भ (साइटेशन) सिर्फ तकनीकी गलती नहीं है, इससे न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। एआई के गलत इस्तेमाल के कारण इसे पूरी तरह से छोड़ देना भी सही नहीं है। इसका समाधान है जानकारी के साथ इस्तेमाल, नैतिक अनुशासन और पेशेवर मानकों का पालन। लोगों को एआई का उपयोग सावधानी और इसकी सीमाओं को समझकर करना चाहिए।

सिलचर में कांग्रेस पर हमलावर हुए पीएम मोदी...खुद हराने की ऐतिहासिक सेंचुरी बनाने वाली

-कांग्रेस का सिर्फ एक ही काम मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दूसरे दिन शनिवार को सिलचर में कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम के युवाओं को खूब गुमराह किया। उन्हें हिंसा और आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। लेकिन आज यह राज्य सुनहरे अवसरों का सागर है। पीएम मोदी ने कहा कि असम सरकार ने सरकारी नौकरियों के लिए रास्ते खोले, युवाओं को स्कॉलरशिप दी। बीजेपी के शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थय सेवा बड़ी जिम्मेदारी रही हैं। असम ने पहले इस बारे में बहुत कुछ झेला है। लेकिन आज असम इन सब सेवाओं का बड़ा हब बनकर सामने आ रहा है। कांग्रेस ने असम को फूट डालो, राज करो नीति में रखा। आज असम खुला आसमान है। असम भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर का अहम हिस्सा बन रहा है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को भुला दिया था, लेकिन बीजेपी की डबल इंजन की सरकार ने असम को सीधे दिल्ली से कनेक्ट किया हैं, जिसकी हर जगह चर्चा है। नॉर्थ ईस्ट आज दक्षिण एशिया जोड़ने वाला सेतु बन रहा है।

1 अप्रैल से महंगा हो जाएगा फास्टैग एनुअल पास

-3,000 की जगह 3,075 देने होंगे; 52 लाख से ज्यादा यूजर्स पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अगले महीने यानी 1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर सफर करना थोड़ा महंगा हो जाएगा। सडक़ परिवहन मंत्रालय ने फास्टैग एनुअल पास की कीमतों में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। अब प्राइवेट गाड़ी मालिकों को सालाना पास के लिए 3,000 रुपए की जगह 3,075 रुपए चुकाने होंगे। यह पास कार यूजर्स को देशभर के 200 टोल प्लाजा पर बिना रुके सफर करने की सुविधा देता है। सडक़ परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, जब फास्टैग एनुअल पास की शुरुआत की गई थी, तभी इसके नोटिफिकेशन में हर साल कीमतों की समीक्षा और बदलाव का प्रावधान रखा गया था। यह बढ़ोतरी उसी सालाना रिवीजन प्रक्रिया का हिस्सा है। देश भर में हाईवे टोल की दरों में बदलाव के लिए जो फॉर्मूला तय है, उसी के आधार पर इस बार 2.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

सरकार ने 15 अगस्त से इस खास एनुअल पास की शुरुआत की थी, जिसे उम्मीद से कहीं ज्यादा बेहतर रिस्पॉन्स मिला है। अब तक 52 लाख से ज्यादा हाईवे कार यूजर्स इस स्कीम से जुड़ चुके हैं। इस पास की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे एक साल में कितनी भी बार रिचार्ज कराया जा सकता है और यह लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों के लिए काफी किफायती साबित होता है।

31 मार्च तक पुराने रेट पर खरीदने का मौका

अगर आप अक्सर हाईवे पर सफर करते हैं और इस बढ़ोतरी से बचना चाहते हैं, तो आपके पास अभी मौका है। अधिकारियों ने बताया कि जो यूजर्स 31 मार्च तक अपना पास रिचार्ज करा लेंगे या नया पास खरीदेंगे, उन्हें यह पुराने रेट यानी 3,000 रुपए में ही मिल जाएगा। 1 अप्रैल की सुबह से सिस्टम में नई दरें अपडेट कर दी जाएंगी।

सरकार ने सोनम वांगचुक पर लगा एनएसए हटाया

नई दिल्ली। केंद्र ने शनिवार को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट हटा दिया। सरकार ने कहा कि यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया। गृह मंत्रालय के अनुसार, सोनम ने एनएसए एक्ट के तहत अपनी हिरासत की अवधि का लगभग आधा हिस्सा पूरा कर लिया है। इसके बाद सुबह करीब 10 बजे सोनम की पत्नी गीतांजलि जोधपुर जेल पहुंचीं। इसके बाद कागजी कार्रवाई पूरी की गई। फिर दोपहर सवा एक बजे पत्नी के साथ एक निजी गाड़ी से जेल से निकले।

दरअसल, सोनम के अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा हुई थी। दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्टीय सुरक्षा अधिनियम के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था। 170 दिन से वे जोधपुर जेल में हैं। अब उनकी रिहाई होगी। एनएसए सरकार को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद रखा जा सकता है।

जिला अस्पताल में सेहत से खिलवाड़?

मुर्दा घर के पास में खुले में फेंकी जा रही गंदगी

परिसर में फैल रही दुर्गंध से मरीज व परिजन परेशान, नपा नही उठा रही अस्पताल का कचरा,जिम्मेदार बोले शीघ्र बनाई जाएगी व्यवस्था

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का दावा करने वाला जिला अस्पताल प्रबंधन लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है।यह बात हम नही कह रहे बल्कि यह बात, अस्पताल परिसर के हालात बता रहे है।क्यो की अस्पताल प्रबंधन के उदासीन रवैए के चलते यहां रोजाना निकलने वाले अस्पताल के कचरे का निस्तारण नहीं हो रहा है। उचित प्रबंध न होने से अस्पताल परिसर के पीछे मुर्दा घर के पास ही इन दिनों खुले में गंदगी बिखरी पड़ी है।जिसे उठवाने की जहमत भी नपा प्रबंधन द्वारा नहीं की जा रही है।वही 3 दिन बीत जाने के बावजूद भी इसके उठाव के लिए अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोई कार्य नही किए गए है।मुर्दा घर के समीप ही नाली का मलमा, चाय, नास्ता की प्लेट, डिस्पोजल, पाउच, खराब अनाज, सब्जी, दाल रोटी सहित अस्पताल व आसपास का कचरा एकत्र होने से पूरे अस्पताल परिसर में दम घोंटू दुर्गंध फैल रही है।जिससे मरीजों व उनके परिजनों का यहां से निकलना मुश्किल हो रहा है।

नपा की जिम्मेदारी है कचरा उठाने की

प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल परिसर में सफाई कर्मचारियों द्वारा रोजाना साफ सफाई की जाती है।जहां से निकलने वाले कचरे और अस्पताल के अंदर मरीजो और उनके परिजनों द्वारा फेंकी जाने वाली खाने पीने की वस्तुओं, व अनाज आदि को वार्ड से निकालकर, अस्पताल के पीछे बने मुर्दा घर के पास एकत्र किया जाता है।जहां से रोजाना उक्त गंदगी का उठाव होना चाहिए, लेकिन ऐसा नही हो रहा है।बताया गया कि पहले नपा द्वारा यहां कचरा एकत्र करने के लिए ट्रेक्टर ट्राली या कोई कचरा वाहन, या रिक्शा आदि की व्यवस्था बनाई गई थी।ताकि परिसर में गंदगी ना फैले और आसानी से कचरे को रोजाना उठाकर ले जाया जा सके।लेकिन पिछले कुछ दिनों से नपा द्वारा कचरा संग्रहण के लिए वाहन भी नही दिया जा रहा है।वही रोजाना एकत्र हो रहे कचरे को भी नही उठाया जा रहा है।जबकि यहां से गन्दगी उठाने की जिम्मेदारी नपा की है।उधर अस्पताल से रोजाना निकलने वाले कचरे को कर्मचारियों द्वारा रोजाना पीएम कक्ष के पास लाकर फेंका जा रहा है। जिसकी दुर्गंध से लोग काफी परेशान हैं।

बाहरी परिसर पर नहीं है ध्यान

बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से अस्पताल के पीछे मुर्दा घर के पास गंदगी व कचरा फेका जा रहा है।जिसका रोजाना उठाव नही हो रहा है।वही नपा के साथ साथ अस्पताल प्रबंधन का भी इस ओर कोई ध्यान नहीं है। पूरा परिसर दुर्गंध से सराबोर हो गया है।जिससे संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है। अस्पताल प्रबंधन कमरों के अंदर की नियमित सफाई करवाता है। लेकिन बाहरी परिसर में किसी का ध्यान नहीं है।

दुर्गंध मार रही गंदगी

जिला अस्पताल में शव घर के पास कचरे का ढेर पड़ा है। हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी स्थिति में ऐसी गंदगी को खुले में न फेंकने के सख्त निर्देश हैं। वही निस्तारण के नियम भी तय किए गए हैं।इसके बावजूद अस्पताल में इसका पालन नहीं हो पा रहा है।कचरे व गंदगी का उठाव ना होने से अस्पताल से निकलने वाला गीला कचरा व अनाज दुर्गंध मार रहा है।जिससे अस्पताल में आमजन को काफी तकलीफ उठानी पड़ रही है।

लोग अपने साथ ले जा रहे बैक्टीरिया

जिला अस्पताल के पीछे की ओर पोस्टमार्टम कक्ष के पास इन दिनों कचरे का ढेर लग गया है। जो सड़ रहा है। इस वेस्टेज से खतरनाक बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है।आम रोगी तो समझ भी नहीं पाता कि वह बीमारी से मुक्ति के लिए आया और खतरनाक बीमारी के बैक्टीरिया ले जा रहा है। वही बदबू के चलते लोगो का इस मार्ग से गुजरना मुश्किल हो रहा है।

आज कल में हो जाएगा उठाव- जैन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि वे 3-4 दिनों के लिए बाहर गए थे, कचरा व गंदगी जमा रहने का यह मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है।नगर पालिका से बोलकर इसे 24 घण्टे के भीतर उठवा लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि मुर्दा घर के आसपास या अस्पताल परिसर में कही भी कचरा डंप ना हो लेकिन इसके लिए हमे नपा के सहयोग की जरूरत होती है।इसके पहले नपा द्वारा यहां एक ट्रैक्टर ट्राली की व्यवस्था की गई थी, जिसमे कर्मचारी कचरा एकत्र करते थे, लेकिन नपा द्वारा वह ट्राली खराब होने की बात कही जा रही है।हमने इसके पूर्व भी मुख्य नगरपालिका अधिकारी को लेटर लिखकर ट्राली की मांग की थी।पर वहां से ट्राली नही आ पाई, एक बार फिर से नपा को पत्र लिखकर ध्यानाकर्षण कराया जाएगा ।एक दो दिन के भीतर व्यवस्था दुरस्त कर ली जाएगी।

स्कूल चले हम अभियान शुरू- 31 मार्च तक 100प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य

01 अप्रैल से नया शिक्षा सत्र, कक्षा 01 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

प्रचार-प्रसार, बाल सभा और प्रवेशोत्सव जैसे कार्यक्रम होंगे आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शालाओं में 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूल चले हम अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल तथा मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिला एवं विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार पिछले शैक्षणिक सत्र में कक्षा 2 से 7 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्तमान सत्र में कक्षा 2 से 8 में तथा कक्षा 8 से 11 के विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 में 100 प्रतिशत दर्ज कर उनका पंजीयन एजुकेशन पोर्टल 3.0 में किया जाना है। यह कार्य 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही 1 मार्च 2026 से कक्षा 1 में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, ताकि प्रवेश योग्य नवीन छात्र-छात्राओं को नए सत्र की शुरुआत से ही शैक्षणिक गतिविधियों का लाभ मिल सके।

अभियान के तहत जिला, विकासखंड एवं स्थानीय स्तर पर नए शिक्षा सत्र के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।

इसके अलावा 1 अप्रैल को सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में बाल सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पालकों को बच्चों के नामांकन, उपलब्धि स्तर और शाला की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही फरवरी के अंतिम सप्ताह से 22 मार्च के बीच शाला प्रबंधन समिति एवं पालकों की बैठक आयोजित कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और कक्षा 1 में प्रवेश योग्य बच्चों के नामांकन पर विशेष चर्चा की जाएगी।

नए शिक्षा सत्र के पहले दिन 1 अप्रैल को सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया जाएगा और विशेष भोज का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही भविष्य से भेंट सहित अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

शिक्षा विभाग ने जिले और विकासखंड स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्कूल चले हम अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए और शिक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाई जाए।

नेशनल लोक अदालत में 1752 प्रकरणों का निराकरण, 5.34 करोड़ रुपये के अवार्ड पारित

जिले भर में 20 न्यायिक खंडपीठों का गठन, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में पक्षकारों व अधिवक्ताओं की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार 14 मार्च 2026 को वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्राणेश कुमार प्राण ने नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं और जिला न्यायालय परिसर में आयोजित लोक अदालत की विभिन्न खंडपीठों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। साथ ही जिला आयुष विभाग एवं शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें पक्षकारों, अधिवक्ताओं और कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयों का वितरण किया गया।

नेशनल लोक अदालत के लिए जिला न्यायालय बालाघाट में 9 खंडपीठ, सिविल न्यायालय बैहर में 3, सिविल न्यायालय कटंगी में 1, सिविल न्यायालय लांजी में 1 तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी में 6 खंडपीठों का गठन किया गया। इस प्रकार पूरे जिले में कुल 20 न्यायिक खंडपीठों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मामलों का निराकरण किया गया।

लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के मामले, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा (एमएसीटी), वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, जल कर व विद्युत चोरी तथा दीवानी मामलों सहित कई प्रकार के प्रकरण रखे गए। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन के अंतर्गत बैंक रिकवरी, बिजली व पानी के बिल, वैवाहिक और अन्य शमनीय मामलों का भी निराकरण किया गया।

आंकड़ों के अनुसार प्री-लिटिगेशन के 1556 प्रकरणों में से 1392 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 2 करोड़ 64 लाख 97 हजार 817 रुपये की राशि के अवार्ड पारित किए गए। वहीं न्यायालयों में लंबित 514 प्रकरणों में से 360 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 2 करोड़ 69 लाख 9 हजार 810 रुपये के अवार्ड पारित किए गए। इस प्रकार कुल 2070 प्रकरणों में से 1752 प्रकरणों का निराकरण कर कुल 5 करोड़ 34 लाख 7 हजार 627 रुपये के अवार्ड पारित किए गए।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश दीप नारायण सिंह, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री मनीष कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती तारा मार्को, श्रीमती शिखा शर्मा, शुभम जैन, श्रीमती शिनी जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार सहित अधिवक्ता, बैंक, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारी तथा पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन में सहयोग के लिए न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग, समाजसेवियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी

अवैध रेत खनन रोकने प्रशासन सख्त, मार्ग अवरुद्ध किया, रेत से भरा ट्रैक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 14 मार्च 2026 को तहसील वारासिवनी अंतर्गत ग्राम सरण्डी में स्वीकृत रेत खदान क्षेत्र की ओर जाने वाले मार्ग को जेसीबी से गड्ढा खोदकर अवरुद्ध कर दिया गया। यह कार्रवाई इसलिए की गई ताकि रेत समूह खदानों के समर्पण के बाद स्वीकृत क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध खनन या परिवहन की गतिविधि न हो सके। वहीं तहसील किरनापुर अंतर्गत ग्राम बटरमारा में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान एक सोनालिका ट्रैक्टर क्रमांक MP50-ZB- 6444 को ट्रॉली सहित रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक धनलाल पिता सावनलाल सिंघनधूपे निवासी कारियादंड से रेत परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज और रॉयल्टी मांगी गई, लेकिन वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि वैध दस्तावेज और रॉयल्टी न होने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली को विधि अनुसार जब्त कर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है। मामले में मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

किराये पर देना है
दुकान/ऑफिस
800sq.ft
किराए से देना है
स्टेट बैंक के पास
मेन रोड, बालाघाट
संपर्क करें-8516809720

आवश्यकता है
ऑफिस एकाउंट/
ऑडिट कार्य हेतु
10वीं, 12वीं, बी.काम.
प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण
युवक/युवती की
आवश्यकता है
मिलने का समय शाम
5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल
मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं तनुज कुमार लानगे पिता युगल किशोर लानगे उम्र ४० वर्ष ग्राम घोटी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हूं। मेरे सभी दस्तावेज अंकसूची, आधार कार्ड, समग्र आईडी व पेन कार्ड में मेरा नाम Tanuj Kumar Lange हैं, परंतु मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में मेरा नाम Tanuj Kumar Lanage दर्ज हो गया है। इस तरह से दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति के है।

अत: आम जनता सूचना दर्ज करें।

प्रकाशक
तनुज कुमार लानगे
ग्राम घोटी तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट म.प्र.

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा बुढ़ी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से ऋणी श्रीमती सविता सिंह पति लूलकरण सिंह, टीनासिंह, शशांक सिंह पिता लूलकरण सिंह निवासी ग्राम कुम्हारी तह: व जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के द्वारा अपनी भूमि को बंधक कर संपत्ति विरूद्ध ऋण राशि ७५४००० सात लाख चौवन हजार रूपये का ऋण प्राप्त किया जा रहा है और लिये जा रहे ऋण में संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम कुम्हारी, प.ह.नं. १२ रा.नि.मं.व तह:बालाघाट जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं.३५१/७/६ रकबा ०.०१२ हे.परिवर्तित भूमि एवं इस पर स्थित मकान जिसकी चतुर्सीमा के पूर्व में रोड, पश्चिम में अजमील की भूमि, उत्तर में विक्रेता की भूमि व दक्षिण में बलीराम की जमीन स्थित है को मेरी पक्षकार बैंक में साधारण बंधक द्वारा बंधक किया जा रहा है। अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था या कार्यालय को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिनो के अंदर प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है
वारासिवनी-दिनांक १२/०३/२०२६

प्रेषक-
मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता वारासिवनी

कार्यालय ग्राम पंचायत मानेगाँव

जनपद पंचायत बालाघाट, विकास खण्ड बालाघाट, जि. बालाघाट (म.प्र.)

निलामी-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मानेगांव की साप्ताहिक मवेशी बाजार एवं सायकल स्टैण्ड की निलामी वर्ष 2026-2027 (अवधि 01 वर्ष) 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक।

निलामी दिनांक- 20/03/2026 दिन शुक्रबार
समय - 12:00 बजे दिन
स्थान - ग्राम पंचायत भवन मानेगांव

शर्तें:-

1.बोली कर्ता को बोली बोलने से पूर्व अमानत राशि जमा करना अनिवार्य है।

2.निलामी से संबधित सभी शर्ते कार्यालीन समय पर देखी जा सकती है।

3.बोली कर्ता को परिचय पत्र, राशन कार्ड लाना अनिवार्य है।

नोट -

दिनांक 20/03/2026 को पर्याप्त राशि (सरकारी बोली) बोली कर्ता के द्वारा नहीं आने पर अगामी द्वितीय तिथि 21/03/2026 को तथा तृतीय तिथि 24/03/2026 को ही जावेगी।

सरपंच — ग्राम पंचायत मानेगांव
सचिव — ग्राम पंचायत मानेगांव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मानेगांव बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत हट्टा

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म प्र)

आम सूचना
(नीलामी 14/03/2026)

आम जनता को सूचित किया जाता है कि की ग्राम पंचायत की स्थावर संपति साप्ताहिक बैठकी / मवेशी बाजार (निर्धारित दिन - शुक्रवार) , सायकल स्टेंड (निर्धारित दिन - शुक्रवार) दैनिक गुजरी (हाट बाजार छोड़कर प्रतिदिन) के फीस संग्रहण / पट्टा की नीलामी वर्ष 2026 - 27 के लिए 23/03/2026 दिन सोमवार को समय प्रात: 10:30 बजे से ग्राम पंचायत हट्टा मे निर्धारित शर्तों के आधार पर किया जावेगा । नीलामी की शर्ते कार्यालीन समय मे देखी जा सकती है। ठेके लेने वाले इच्छुक ठेकेदार नीलामी समय पर उपस्थित होकर व निर्धारित अमानत राशि 11:30 जमा के बोली बोल सकते है । किन्ही कारणवश नीलामी स्थगित होने पर आगामी तिथि की सूचना ग्राम पंचायत भवन के सूचना पटल पर चस्पा कर / मुनादी कर की जावेगी

आवश्यक शर्ते -

1. नीलामी बोली लगाने के पूर्व प्ररक्षित कीमत के दस प्रतिशत राशि जमा करनी होगी ।
2. बोलीकर्ता द्वारा बोली पूर्व जमा की गयी अमानत राशि बोली समाप्ति के पश्चात तक बोलीकर्ता को वापस नहीं की जावेगी
3. नीलामी के उपरांत सर्वाधिक बोलीकर्ता को पूर्ण राशि निर्धारित तीन किश्तों के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा ।
4. बोलीकर्ता को पंचायत द्वारा निर्धारित प्रारूप मे आवेदन , आधार कार्ड , फोटो मोबाईल नंबर , वोटर आई डी की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा ।

श्री उमेश सोनेकर — सरपंच
श्री वीरेंद्र बिसेन — उपसरपंच
श्री राजेन्द्र पिछोड़े — सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत हट्टा बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

बैहर के अरण्य भारती महाविद्यालय में परीक्षा में नकल का मामला

संयुक्त जांच में कई तथ्य आए सामने

छात्र-छात्राओं के आपस में चर्चा कर प्रश्न हल करने की पुष्टि, परीक्षा समय की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग नहीं मिली, साक्ष्य मिटाने का संदेह, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग को कार्यवाही के लिए भेजा गया प्रस्ताव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय, बैहर में परीक्षा के दौरान नकल किए जाने की शिकायत के बाद कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर कराई गई संयुक्त जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ने मामले की जांच कर संयुक्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए सहायक परियोजना प्रशासक एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना बैहर श्रीमती विमला सरयाम तथा थाना बैहर के सहायक उपनिरीक्षक कैलाश पटैल को निर्देशित किया था। दोनों अधिकारियों द्वारा 12 मार्च 2026 को संयुक्त रूप से महाविद्यालय पहुंचकर जांच की गई। जांच के दौरान महाविद्यालय में उपस्थित बीए एवं बीएससी प्रथम वर्ष की छात्राओं से पूछताछ की गई। छात्राओं ने बताया कि महाविद्यालय की नियमित परीक्षाओं का टाइम-टेबल अभी प्राप्त नहीं हुआ है और संभवत: अप्रैल 2026 में परीक्षा आयोजित हो सकती है। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री चौहान एवं प्राध्यापक डॉ. बाबू शशिकांत मौर्य ने जांच दल को बताया कि भोज विश्वविद्यालय भोपाल की परीक्षाएं 27 जनवरी 2026 से संचालित हो रही हैं। 6 मार्च 2026 को संस्कृत विषय की परीक्षा में 23 में से 11 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। जांच के दौरान मीडिया में प्रसारित नकल संबंधी वीडियो की भी पड़ताल की गई। इसमें पाया गया कि परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राएं आपस में चर्चा कर प्रश्न हल कर रहे थे। वहीं प्राचार्य कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करने पर 5 और 6 मार्च 2026 को परीक्षा समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक की रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं पाई गई। जांच में यह भी आशंका व्यक्त की गई कि उक्त अवधि की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग जानबूझकर हटाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं को एक-दूसरे से पूछकर प्रश्न हल करने की अनुमति दी गई। इस संबंध में प्रभारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. बाबू शशिकांत मौर्य, प्रभारी प्राचार्य श्री चौहान तथा परीविक्षक श्री नंदकिशोर कावरे की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। मामले में प्राप्त तथ्यों के आधार पर कलेक्टर बालाघाट के माध्यम से अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र प्रेषित किया गया है।

मोहगांव के जंगल में मिले दो नर भालू के शव, आपसी संघर्ष बताई जा रही मौत की वजह

वन परिक्षेत्र उत्तर सामान्य लामता के मोहगांव बीट की घटना, जाच में जुटी वन विभाग की टीम

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वन परिक्षेत्र उत्तर लामता सामान्य के अंतर्गत मोहगांव बीट कक्ष क्रमांक 1208/9 के जंगल में शनिवार को दो नर भालू उम्र करीब तीन माह मृत हालत में पाए गए। दोनों भालू की मौत आपसी संघर्ष से होना सामने आई है। वन विभाग ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। पशु चिकित्सक टीम से पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

वनकर्मी जंगल का कर रहे थे गश्त, दिखायी दिए भालू के शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह के समय जंगल में वनकर्मी गश्त कर रहे थे ।तभी उन्हें मोहगांव बीट में दो भालू मृत अवस्था मे दिखाई दिए। जिसकी सूचना उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। जहां वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर पहुंची टीम ने मामले की जांच पड़ताल की और शव का पोस्टमार्टम कराकर विधि विधान से दोनो भालू के शवो को नष्ट करने की कार्यवाही की गई है। उधर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

फिलहाल आपसी संघर्ष बताई जा रही मौत की वजह

हालांकि जंगल के भीतर दोनों भालूओ की मौत कैसे हुई, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। जहां लैब रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही तय हो पाएगा कि भालूओ की मौत आखिर कैसे हुई है फिर भी प्रथम दृष्टिया यह मामला आपसी संघर्ष बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, वन परिक्षेत्र उत्तर लामता सामान्य के अधिकांश जंगल कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के कारीडोर व पेंच की सीमा से लगा है। जिससे यहां के जंगल में बाघ, तेंदुआ, बायसन, भालू, हिरण, चीतल के अलावा अन्य वन्य प्राणी बहुतायत में हैं। इन वन्य प्राणियों के कई बार सड़क पर भी राहगीरों को दर्शन हो जाते है। कई बार ये वन्य प्राणी एक दूसरे के क्षेत्र में विचलन करते हैं और कई बार उनके बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो जाती है। अंदेशा लगाया जा रहा है कि दोनों भालू के बीच आपसी संघर्ष हुआ होगा जिसमें दोनों की मौत हो गई होगी।

हर एंगल से की जा रही मामले की जांच

उधर मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया। पशु चिकित्सक टीम द्वारा पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि, मौत की असली वजह की पुष्टि के लिए विसरा को फॉरेंसिक लैब भेजा गया है ।बताया गया कि कान्हा और पेंच नेशनल पार्क के कॉरिडोर से लगे इस क्षेत्र में बाघ और तेंदुए जैसे हिंसक जीवों की मौजूदगी के बीच, इन दो मासूमों की मौत ने जंगल की खामोशी को और गहरा कर दिया है। विभाग ने अब पूरे क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है ताकि अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके ।वही मामले की हर एंगल से जाच शुरू कर दी गई है।

फारेंसिक लैब जांच रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है, जांच जारी है- रंगारे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र रंगारे ने बताया कि सुबह के समय मोहगांव बीट में वनकर्मी गश्त कर रहा था। इसी दौरान उसने दो भालू को मृत हालत देखा गया। प्रथम दृष्टया दोनों भालू की मौत आपसी संघर्ष से होने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम के बाद बिसरा ले लिया गया है जिसे फारेंसिक लैब जांच करने के लिए भेजा जाएगा। वहां से रिपोर्ट आने के बाद और स्पष्ट हो जाएगा कि दोनों भालू की किन कारणों से मौत हुई है ।भालू की मौत के बाद से सभी बीट के वनकर्मियों को अपने क्षेत्र में गश्ती करने के निर्देश दिए गए है।

गैस सिलेंडर नहीं मिलने से दीनदयाल रसोई में नहीं बना भोजन

भोजन की आस लेकर पहुंचे गरीबों को लौटना पड़ा खाली हाथ, सीएमओ बोले कल से व्यवस्था होगी सुचारू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में इन दिनों गैस की किल्लत का असर अब दीनदयाल रसोई योजना पर भी देखने को मिला है। शनिवार को गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण दीनदयाल रसोई में भोजन नहीं बन पाया, जिससे रोजाना भोजन करने आने वाले गरीब लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि नगर पालिका द्वारा संचालित दीनदयाल रसोई योजना में प्रतिदिन लगभग 150 से 200 जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन शनिवार को गैस सिलेंडर नहीं होने के कारण रसोई में अन्न का एक दाना भी नहीं बन सका। भोजन की आस लेकर पहुंचे कई गरीब लोग जब रसोई पहुंचे तो उन्हें बिना भोजन किए ही वापस लौटना पड़ा, जिससे योजना की व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

शहर के बूढ़ी रोड में संचालित दीनदयाल रसोई योजना शनिवार को अव्यवस्था का शिकार हो गई। गरीब और जरूरतमंद लोगों को मात्र पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराने वाली इस योजना में गैस सिलेंडर खत्म हो जाने के कारण पूरे दिन भोजन नहीं बन सका। इससे रोजाना यहां भोजन करने आने वाले कई गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों को निराश होकर खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। इस घटना के बाद योजना की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। बताया जाता है कि दीनदयाल रसोई योजना का संचालन नगर पालिका द्वारा किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को कम कीमत पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। इस रसोई में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मजदूर, रिक्शा चालक, राहगीर और आर्थिक रूप से कमजोर लोग भोजन करते हैं। सामान्य दिनों में यहां लगभग 150 से 200 लोगों को प्रतिदिन भोजन कराया जाता है। लेकिन शनिवार को गैस सिलेंडर खत्म हो जाने के कारण रसोई में चूल्हा ही नहीं जल सका और भोजन बनाने की पूरी प्रक्रिया ठप हो गई। शनिवार को रसोई में भोजन तैयार करने के लिए कामगार समय पर पहुंच गए थे और अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के साथ भोजन बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी थी, लेकिन जब उन्हें पता चला कि गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं है तो वे भी असहाय होकर बैठे रह गए। वहीं दूसरी ओर रोज की तरह भोजन की आस लेकर कई गरीब और जरूरतमंद लोग रसोई केंद्र पहुंचे, लेकिन भोजन नहीं बनने की जानकारी मिलने पर उन्हें बिना भोजन किए ही वापस लौटना पड़ा। इस स्थिति से कई लोगों को निराशा का सामना करना पड़ा और कुछ लोगों ने व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी जताई। इस घटना ने दीनदयाल रसोई योजना की व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो प्रतिदिन इस रसोई पर निर्भर रहते हैं और यहां मिलने वाला सस्ता भोजन उनके लिए काफी सहारा साबित होता है। ऐसे में एक दिन भी रसोई बंद रहने से कई जरूरतमंद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जानकारी एक दिन पहले ही नपा. को दे दी थी - अंकित

रसोई का काम देख रहे युवा अंकित ने बताया कि गैस सिलेंडर खत्म होने की जानकारी उन्होंने एक दिन पहले ही नगरपालिका को दे दी थी, ताकि समय रहते सिलेंडर की व्यवस्था की जा सके और भोजन व्यवस्था प्रभावित न हो। लेकिन इसके बावजूद इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यदि समय रहते गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिया जाता तो शनिवार को गरीब लोगों को इस तरह बिना भोजन किए वापस नहीं लौटना पड़ता।

अचानक गैस सिलेंडर खत्म हो गया था - बी.डी. कतरोलिया

इस मामले में मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया ने बताया कि अचानक गैस सिलेंडर खत्म हो जाने के कारण भोजन नहीं बन पाया। उन्होंने कहा कि अब गैस सिलेंडर की व्यवस्था कर दी गई है और रविवार से दीनदयाल रसोई में भोजन की व्यवस्था फिर से सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी, ताकि जरूरतमंद लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रसोइया की बेटी बनी असिस्टेंट प्रोफेसर

आर्थिक समस्याओं के बाबजूद किया लक्ष्य हासिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसी ने कहा है कि खुद ही को कर बुलंद इतना, कि ,खुदा खुद पूछे की बात तेरी रजा क्या है,इस बात को चरितार्थ किया उकवा की बेटी दीपशिखा नरेंद्र मर्सकोले ने,जिसने बहुत ही छोटी आयु में अपने पिता नरेंद्र मर्सकोले को खोया,अचानक पिता के जाने के बाद घर की तीन तीन बेटियों की जिम्मेदारी एकाएक मां के कंधों पर आ गई, और मां न ज्यादा पढ़ी लिखी थी,न कोई जमा पूंजी ,न कोई व्यवसाय था,परन्तु दीपशिखा की मां रंजना ने मेहनत मजदूरी करके अपनी तीनों बेटियों को अच्छी शिक्षा दिला कर अपने पति के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया , और जहां जैसा काम मिलता उसे कर अपने तीनों बेटियों की जरूरतों को पूरी करती रही,बाद में दीपशिखा की मां ने छात्रावास में अंशकालीन रसोइया की रूप में खाना बनाने का कार्य प्रारंभ किया ,जिसमें बहुत सीमित मानदेय मिलता है,इस अल्प मानदेय में उसने अपने बेटी के हौसले को बरकरार रखा और अति विषम परिस्थितियों के बाबजूद बेटी ने भी शहर में रहकर अपनी पढ़ाई निरन्तर जारी रखी,दीपशिखा ने अपनी हायर सेकेंडरी तक की शिक्षा उकवा के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय से पूरी कर बालाघाट के जटाशंकर महाविधालय से बीएससी कंप्यूटर साइंस एवं एमए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय से पूर्ण कर मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्रध्यापक परीक्षा में अव्वल स्थान प्राप्त किया। जिनका पहले ही प्रयास में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ,दीपशिखा ने बताया कि जब वह शहर में रहकर अध्ययन कर रही थी,तब एक ही सोच थी कि विधवा मां ने पूरी जवानी हमारे भविष्य को संवारने में लगा दी है,अब मा को आराम देना है, और दिवंगत पिता के साथ साथ मां के अधूरे सपने को पूरा करना है, और दिन रात मेहनत कर लक्ष्य प्राप्ति में अपना सर्वश्य लगा दिया,जब कालेज के सारे बच्चे दिवाली एवं अन्य त्योहारों में अपने घर जाते थे,तब दीपिका अकेले रूम में रहकर पढ़ाई करती थी,क्योंकि उस समय घर आने के लिय भी पास में पर्याप्त पैसे नहीं होते थे, और घर आने जाने में पैसे खर्च न हो इस बात को सोच कर दीपशिखा अकेल अपने कमरे में अध्ययन करती थी,जब कभी कोचिंग या अन्य किताबों की आवश्यकता होती थी,तो नानी और मौसी मदद किया करते थे,नानी और मौसी ने हमेशा हौसला और हिम्मत दिया और समय समय पर मदद भी की पर स्वाभिमानी दीपशिखा कभी भी अपने कारण किसी को कष्ट न हो ये सोचकर हर कार्य को करती थी , और अंतत: ईश्वर ने सभी की प्रार्थना और दीपशिखा के अथक मेहनत का प्रतिफल दिया , और पहले ही प्रयास में वह असिस्टेंस प्रोफेसर बनी,जो उकवा क्षेत्र से पहली महिला प्राध्यापक बनी है,जो पूरे उकवा क्षेत्र के लिय अत्यंत गौरव की बात है। दीपसिखा की मां ने कहा कि भले ही मेरी बेटी आज कॉलेज में सहायक प्रध्यापक बन गई है,पर मै निरन्तर रसोइया का कार्य कर बच्चों के मध्य अपनी सेवा दूंगी,क्योंकि इस रसोइया कार्य में भले ही बहुत थोड़ा मिलता था,परन्तु यह थोड़ा ही मेरे विपरीत समय में बहुत काम आया , और मैने जैसे भी करके अपनी बेटी का सहयोग किया, और आज मुझे अत्यंत खुशी है,की मेरी बेटी ने आर्थिक विषमताओं को चीर कर अपने लक्ष्य को हासिल कर हमारे परिवार के साथ गांव को गौरवान्वित किया,साथ ही मेरे पति के सपनों को पूरा किया, दीप शिखा की मां ने कहा कि गांव में आज भी लोग बेटी होने पर दुखी होते है,पर आज मेरी बेटी ऐसे लोगों के लिय एक उदाहरण बनी है,की बेटी भी बेटों से ज्यादा नाम कमा सकती है,एक मा के लिय इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता जब लोग बेटी के नाम से मेरा परिचय दे,दीपशिखा की इस सफलता पर आज उकवा के सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक,सरपंच रामबती उईके,उपसरपंच शिवशंकर तिवारी, सचिव भजन वल्के,समस्त पंच ग्राम पंचायत उकवा,प्राचार्य सुनिता बोरकर तथा समस्त शिक्षक स्टाफ,श्रमजीवी पत्रकार संघ उकवा के समस्त पदाधिकारियों ,जनपद सदस्य रीता ,जनपद सदस्य धारासिंह मर्सकोले,चाचा सुरेंद्र मर्सकोले,सर्वधर्म सेवा समिति उकवा,जय बड़ा देव एकता समिति के सभी पदाधिकारियों एवं समस्त सदस्यों, सामाजिक जनों एवं अनेक ग्रामीणों ने बेटी को अपनी शुभकामनाएं प्रदान कर उज्वल भविष्य की कामना की है,निश्चित ही दीपशिखा जैसे बेटियां आज भी पुत्र लोभी समाज के लिय एक मिशाल है।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

डायल 112 पर तैनात प्रधान आरक्षक की सतर्कता से पकड़ा गया आरोपी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना कोतवाली क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। यह सफलता डायल 112 में ड्यूटी पर तैनात प्रधान आरक्षक राजा बाबू शुक्ला की सतर्कता और तत्परता के कारण मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुभम लिल्हारे निवासी ग्राम गोंगलई ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी मोटरसाइकिल हीरो डीलक्स वाहन क्रमांक MP-50, MM-8698 से मोती गार्डन बालाघाट गया था। उसने अपनी मोटरसाइकिल मोती गार्डन के गेट के सामने खड़ी कर अंदर चला गया। करीब शाम 7:30 बजे वापस लौटने पर मोटरसाइकिल वहां नहीं मिली। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोटरसाइकिल चोरी कर ले जाने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। इस पर थाना कोतवाली बालाघाट में अपराध दर्ज कर धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई। इसी दौरान 13 मार्च को डायल 112 पर तैनात प्रधान आरक्षक राजा बाबू शुक्ला गश्त पर थे। जब वे मोती नगर चौक के पास पहुंचे तो उन्होंने एक मोटरसाइकिल चालक को बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाते देखा। संदेह होने पर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ करने का प्रयास किया, लेकिन चालक अचानक वाहन छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम योगेश कुथे पिता पीतमलाल, उम्र 18 वर्ष, निवासी ग्राम टेमनी थाना लांजी बताया। पूछताछ में उसने मोती गार्डन के सामने से उक्त मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल विधिवत जब्त कर ली है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। साथ ही पुलिस आरोपी से अन्य मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

आस-पास की खबरें

हाई स्कूल मार्ग पर अवैध पार्किंग से हो रही अव्यवस्था, प्रशासन करे कार्यवाही - देवेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद सदस्य देवेश (विक्की) गौतम ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड से सांदीपनी उत्कृष्ट विद्यालय (हाई स्कूल मार्ग) में इन दिनों यातायात

व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़क के दोनों ओर बेतरतीब ढंग से खड़े दुपहिया, चौपहिया वाहनों और बसों के जमावड़े ने इस मार्ग को दुर्घटना जोन में तब्दील कर दिया है। इस अव्यवस्था के कारण क्षेत्र के करीब आधा सैकड़ा से अधिक गांवों से आने वाले ग्रामीणों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। श्री गौतम ने कहा कि सड़क के दोनों किनारों पर वाहनों की लंबी कतारों के कारण पैदल चलना भी दूभर हो गया है। विद्यालय के समीप पार्किंग होने से स्कूली ब'चों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। साथ ही यह भी कहा कि बसों और भारी वाहनों की वजह से सड़क संकरी हो जाती है, जिससे आये-दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। विशेषकर बाजार के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, यदि प्रशासन ने समय रहते सख्त कदम नहीं उठाये तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि बस स्टैण्ड से सांदीपनी स्कूल (हाई स्कूल) मार्ग में जो दुपहिया व चौपहिया वाहन अव्यवस्थित तरीके से खड़े रहते है उन्हे मुख्य मार्ग से हटाकर अन्यंत्र निर्धारित स्थान पर शिफ्ट किया जाये।

चिचगांव माध्य. स्कूल के ओनीर बुरले का राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति के लिए हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केंद भोपाल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रीय मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 के परिणाम घोषित हो गये है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में शासकीय माध्यमिक

शाला चिचगांव के छात्र ओनीर बुरले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले की प्रावीण्य सूची में 67 वां स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। चर्चा में शासकीय माध्यमिक स्कूल चिचगांव के प्रधानपाठकदेवेन्द्र हनवत ने बताया कि इस कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद अब ओनीर छात्रवृत्ति के लिए पात्र हो गये हैं। इस योजना के तहत चयनित छात्र को कक्षा 9 वीं से लेकर 12 वीं तक पढ़ाई करने पर प्रतिवर्ष 12 हजार रूपये की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी । जिससे उन्हें आगे की शिक्षा में आर्थिक संबल प्राप्त होगा। छात्र ओनीर बुरले की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर शाला परिवार में हर्ष व्याप्त है और सभी ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। स्कूल के प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत, शिक्षक लिंबाजी चौधरी, टीकमलाल डहवाल, झुमेंद्र गौतम, कैलाश रंगारे, देवेन्द्र पारधी एवं आनन्द पंचेश्वर ने ओनीर बुरले, उनके पिता योगेश बुरले एवं समस्त परिवार को हार्दिक बधाई दी है और सभी ने ओनीर के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए उसे निरंतर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया है।

मानुपर-बोरी मार्ग के सर्राटी पुल का एप्रोज कार्य अधर में, बारिश से पहले निर्माण की उठी मांग

राशि स्वीकृति के बाद भी काम शुरू न होने पर ग्रामीणों में रोष, वैकल्पिक व्यवस्था के भी टूटने का खतरा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के तहसील कार्यालय के समीप लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग पर स्थित सर्राटी नदी का पुल एक बार फिर चर्चा में है। लगभग तीन से चार वर्ष पूर्व बाढ़ की भेंट चढ़े इस पुल के एप्रोज (पहुंच मार्ग) निर्माण के लिए राशि तो स्वीकृत हो गई है, लेकिन धरातल पर काम शुरू न होने से क्षेत्र की जनता में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि आगामी मानसून सत्र (बरसात के पूर्व) इस कार्य को पूर्ण किया जाये। अन्यथा दर्जनों गांवों का संपर्क मुख्यालय से पूरी तरह टूट सकता है। जिससे दर्जनों ग्रामों से नगर मुख्यालय आना-जाना आने वाले विद्यार्थी एवं ग्रामीणों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं पुल क्षतिग्रस्त वाले स्थान पर एप्रोज कार्य के लिए लाखों रूपयों की राशि स्वीकृति हो चुकी है किन्तु अब तक निर्माण कार्य शुरू नही होने से राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग के बीच तहसील कार्यालय के आगे सर्राटी नदी पर विगत वर्ष पूर्व सड़क निर्माण के साथ ही पुल का भी निर्माण करवाया गया था। जिसके बाद इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन, पढ़ाई करने वाले बच्वें सहित राहगीर आवागमन करते है। किन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण तीन से चार साल पहले हुई भारी बारिश के कारण सर्राटी नदी का यह महत्वपूर्ण पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद से ही दर्जनों गांवों के ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं और राहगीरों को आवागमन में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लंबे समय तक जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की उपेक्षा के बाद वर्ष 2024 में जिला पंचायत सभापति डुलेंद्र ठाकरे और स्थानीय सरपंचों के नेतृत्व में जनसहयोग से पुल की मरम्मत कर एक वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया था। वहीं जनसहयोग से 31 दिसंबर को किया गया मरम्मत कार्य केवल एक अस्थायी समाधान था। वर्तमान में यह कच्चा निर्माण कमजोर होने लगा है और बारिश के पूर्व पक्का निर्माण कार्य नही किया गया तो सर्राटी नदी में अधिक पानी बहने पर धीरे-धीरे पानी के बहाव में मिट्टी कटकर बह जायेगी जिसके बाद आवागमन पूरी तरह से बाधित हो सकता है। साथ ही इस मार्ग से भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है और छोटे वाहनों के लिए भी खतरा बना हुआ है। उसके बाद भी चौपहिया वाहन इस क्षतिग्रस्त पुल के ऊपर से गुजर रहे है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। समय रहते पक्का निर्माण नहीं किया गया तो पहली ही बारिश में यह अस्थाई रास्ता भी बह जायेगा। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

विधायक के प्रयासों से मिली है स्वीकृति

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के विशेष प्रयासों से क्षतिग्रस्त पुल के एप्रोज निर्माण हेतु आवश्यक बजट स्वीकृत करवाया जा चुका है। राशि स्वीकृत होने के बाद क्षेत्रवासियों को उम्मीद जगी थी कि समस्या का स्थाई समाधान होगा, लेकिन प्रशासनिक लेट-लतीफी के कारण अब तक निर्माण कार्य धरातल पर प्रारंभ नहीं हो पाया है। जिससे आम जनमानस को यह केवल कागजी कार्यवाही में उलझा हुआ प्रतीत हो रहा है। एप्रोज निर्माण का कार्य तत्काल शुरू करवाने की मांग उठ रही है ताकि बरसात के पूर्व यह कार्य पुर्ण हो सके और आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। लेकिन राशि स्वीकृत होने के बाद भी एप्रोज कार्य शुरू नही होने से इस मार्ग से आवागमन करने वाले दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

राशि स्वीकृत होने के बाद भी नही हुआ कार्य प्रारंभ - बड्डू

बड्डू पटेल ने बताया कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बना पुल 3 से 4 वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका है जिसके कारण आने-जाने में परेशानी होती है। पिछले वर्ष जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे जी ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पुल का मरम्मत कार्य करवाया था, जिसके बाद

लोग आवागमन कर रहे है लेकिन यह स्थाई समाधान नही है। श्री पटेल ने बताया कि पुल का एप्रोज कार्य के लिए राशि स्वीकृत होने की जानकारी है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नही हुआ है, जबकि बरसात के पूर्व निर्माण कार्य होना चाहिए।

आवागमन में हो रही परेशानी - रमेश

रमेश ठाकरे ने बताया कि पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद से पक्का मरम्मत कार्य नही किया गया है, वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मिट्टी डाल दी गई है। जिसके ऊपर से लोग आवागमन कर रहे है, लेकिन बरसात के

दिनों में मिट्टी बह जायेगी फिर समस्या जस की तस हो जायेगी। जिससे आने-जाने वालों को अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय पहुंचना पड़ेगा जिससे सबसे अधिक परेशानी पढ़ाई करने वाले ब'चों को होगी। इसलिए प्रशासन से मांग है कि इस समस्या की ओर ध्यान दे और पुल का नवीन निर्माण गुणवत्तापूर्ण करवाये।

एप्रोज का कार्य करवाये प्रशासन - दिलीप

पूर्व सरपंच दिलीप सोनवाने ने बताया कि दो वर्ष पूर्व हुई भारी बारिश के चलते सर्राटी नदी में बाढ़ आने पर सर्राटी नदी के ऊपर बना पुल बहकर क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके कारण इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया था। जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, पिछले वर्ष जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे भैय्या के द्वारा मिट्टी डलवाकर मरम्मत कार्य करवाया गया है। श्री सोनवाने ने बताया

कि क्षतिग्रस्त वाले हिस्से का यानि एप्रोज कार्य के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ है। जिसके कारण 3 किमी की अधिक दुरी तय कर लोगों को आवागमन करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि जल्द एप्रोज निर्माण कार्य शुरू नही हुआ तो जून में मानसून आने के बाद नदी-नालों पर काम करना असंभव होगा और स्थिति फिर से पहले जैसी दयनीय हो जायेगी। इसलिए प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग है कि स्वीकृत हो चुके इस कार्य को जल्द शुरू करवाये ताकि बारिश के दिनों में ग्रामीणों और विद्यार्थियों को आवागमन में किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

एनएसएस विशेष शिविर में महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण संरक्षण पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में ग्राम पंचायत घुबड़गोदी में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन शनिवार 14 मार्च 2026 को महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा योग अभ्यास, प्रभात फेरी और ग्राम भ्रमण से की गई। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए सकारात्मक संदेश दिया।

इसके बाद ग्राम पंचायत भवन में दोपहर 1 बजे बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री छवि पंत (तहसीलदार खैरलांजी) रहीं। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती अरुणा गजभिए (समाजसेवी), श्रीमती सुनीता बाहेटवार (जिला पंचायत सदस्य), श्रीमती शीला बोरकर (करियर काउंसलर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मां मेंढकी), श्रीमती ज्योति तिलासे (जभास) तथा श्रीमती संतोषी सुनील रावत (सरपंच) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री के.एल. हिवारे ने की। अतिथियों ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एनएसएस के स्वयंसेवक विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पांडेय, वीरेंद्र पटले, संयोजक विक्रांत रंधावा, शालिनी मेश्राम सहित स्वयंसेवक विद्यार्थी और ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग खैरलांजी का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

ब्लॉक मरार माली समाज की आवश्यक बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के शांतिनगर निवासी मरार माली समाज के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर के निवास स्थान में 15 मार्च को दोपहर 12 बजे से ग्राम अध्यक्ष एवं ब्लॉक समिति की आवश्यक बैठक आहुत की गई है। चर्चा में ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माते ने बताया कि जिला मरार माली समाज बालाघाट के तत्वाधान में आगामी 26 मार्च को चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सभी ग्राम अध्यक्ष-मरार माली समाज एवं ब्लाक समिति को दी गई है। इसलिए 15 मार्च को दोपहर 12 बजे से मरार माली समाज के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर के निवास स्थान में ब्लाक मरार माली समाज की आवश्यक बैठक आहुत की गई है। साथ ही यह भी बताया कि आयोजित बैठक में आगामी 26 मार्च को जिला मुख्यालय में आयोजित चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती मनाने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर मरार माली समाज के सभी जिला प्रतिनिधिगणों, समस्त ब्लाक कार्यकारिणी, सर्किल कार्यकारिणी एवं ग्राम अध्यक्षों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माते ने की है।

162 केन्द्रों में 2695 नवसाक्षरों ने दी परीक्षा

उल्लास नवभारत साक्षर परीक्षा में साक्षर बनने के लिए लक्ष्य से अधिक नवसाक्षर हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सरकार के द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन योजना प्रारंभ की गई है । इस योजना के माध्यम से ग्राम के निरक्षरों को अक्षर साथी के द्वारा साक्षर बनाने के लिए पाठशाला आयोजित की जाती है ताकि सभी साक्षर बन सके। शासन के निर्देशानुसार लालबर्रा विकासखण्ड में 14 मार्च को 162 केन्द्रों में उल्लास नवभारत साक्षर परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 2695 नवसाक्षरों ने प्रात: 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक केन्द्रों में पहुंचकर पेपर हल किये। इस दौरान परीक्षा केन्द्र में शिक्षकों के द्वारा नवसाक्षरों का तिलकवंदन कर स्वागत किया गया, जिसके बाद उनकी परीक्षा संपन्न करवाई गई। वहीं इस आयोजित उल्लास नवभारत साक्षर परीक्षा में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और उत्साह के साथ पेपर (पर्चा) हल किये है। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं की प्रतिशत अधिक है जिन्होने साक्षर बनने के लिए पेपर दिये है। वहीं उल्लास नवभारत साक्षर परीक्षा में 2622 नवसाक्षरों को शामिल करने का लक्ष्य लालबर्रा विकासखण्ड को मिला था परन्तु इस परीक्षा में 2695 नवसाक्षर शामिल हुए, लक्ष्य के अनुरूप 73 नवसाक्षर अधिक शामिल हुए है।

पुरूष, महिला, वृध्द व अन्य उम्र के असाक्षरों ने दिये साक्षर बनने पेपर

आपकों बता दे कि सरकार की मंशा है कि देश का प्रत्येक व्यक्ति पढ़ना-लिखना सीखने के साथ ही साक्षर बन सके। इसी मंशा से उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन योजना प्रारंभ की गई है और प्रत्येक ग्रामों में अक्षर साथी की नियुक्ति कर ग्राम के निरक्षरों का चयन कर उनसे समय लेकर उनकी कक्षाएं लगाकर उन्हे लिखना-पढ़ना सिखाया जाता है ताकि वे लिखना-पढ़ना सीखने के साथ ही हस्ताक्षर कर सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अप्रैल 2022 से 2027 तक संपूर्ण मध्यप्रदेश में मिशन मोड पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत असाक्षरों को साक्षर बनाने का कार्य किया जा रहा है। लालबर्रा विकासखण्ड में भी अक्षर साथी के द्वारा अपने-अपने ग्रामों के निरक्षरों को साक्षर बनाने का कार्य किया जा रहा है और वर्ष 2026-27 में जो लक्ष्य मिला था उन्हे साक्षर बनाने का कार्य किया गया है। जिनकी परीक्षा 14 मार्च को संपन्न हुई है। जिसमें पुरूष, महिला वृध्द व अन्य उम्र के निरक्षरों के साक्षर बनने पेपर दिये है।

निरक्षरों को साक्षर बनाना मुख्य उद्देश्य - श्रीराम

दूरभाष पर चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन योजना के तहत लालबर्रा विकासखण्ड में 162 परीक्षा केन्द्रों में उल्लास नवभारत साक्षर परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रात: 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक 2695 नवसाक्षरों ने पहुंचकर पेपर दिये है और परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद उन्हे साक्षर होने का प्रमाण पत्र शासन के द्वारा प्रदान किया जायेगा। श्री तुरकर ने बताया कि परीक्षा आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य है कि निरक्षरों को साक्षर बनाना है, इसी मंशा के तहत सरकार के द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन प्रारंभ की गई है और हर ग्रामों में अक्षर साथी की

नियुक्ति कर निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए पढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही यह परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

बहुजन समाज पार्टी का जयंती समारोह एवं विचार संगोष्ठी आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सरस्वती मैदान में बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में 15 मार्च को प्रात: 11 बजे से सामाजिक परिवर्तन के महानायक बामसेफ, डीएस 4 बसपा के संस्थापक बहुजन नायक साहब कांशीराम जी के 92 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। चर्चा में बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि सामाजिक परिवर्तन के महानायक बामसेफ, डीएस 4 बसपा के संस्थापक बहुजन नायक साहब कांशीराम जी के 92 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन 15 मार्च को प्रात: 11 बजे से लालबर्रा के माँ सरस्वती मैदान में आयोजित किया गया है। उक्त कार्यक्रम बसपा के मुख्य जोन प्रभारी कमलेश बौध्द जी के मुख्य आतिथ्य, बसपा जिलाध्यक्ष इंजी महेन्द्र जी की अध्यक्षता एवं मुख्य जोन प्रभारी सचिन फूलचंद जी के विशिष्ट आतिथ्य, बसपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी बालकिशन चौधरी, बालाघाट जोन प्रभारी उमाकांत बंदेवार, ज्ञानेश्वर गजभिये, अजाब शास्त्री, जबलपुर जोन प्रभारी रामजी सतनामी, शिवकुमार वर्मा के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर विचार संगोष्ठी के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील पूर्व जिला प्रभारी दुर्गेश बिसेन, दीपक मेश्राम, मंडला पूर्व जिला प्रभारी इंदरसिंह उइके, उत्तम जाटव, डोमनलाल अहिरवार, तामसिंह परते, अंसर अहमद, रमेश नागले, राकेश चौकीदार, राकेश चौधरी, मानकलाल गोंटिया, लालसिंह गौतम, प्रेमनारायण जाटव, मानिक वानखेड़े, श्रीमती पमिता दिलावर, सीताराम कटारे, राजेन्द्र साहू, लालसिंह नंदोरे, लखन अहिरवार, आरके चौधरी, प्रतापसिंह आर्मो, ठाकुर त्रिविक्रम इड़पाची, गिरवर टेटवाल, जीआर पटेल, अशोक गजभिये, विधानसभा प्रभारी खेमलाल हरिनखेड़े सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

वारासिवनी में नेशनल लोक अदालत सम्पन्न

6 खंडपीठ में कुल 149 प्रकरणों का निराकरण कर 2425416 रूपये की राशि वसूली गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण व न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सतीश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को तहसील न्यायालय वारासिवनी में श्रीमती कविता इवनाती विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति, वारासिवनी के नेतृत्व में वर्ष २०२६ की प्रथम नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ कार्यक्रम प्रातः१०.३० बजे व्यवहार न्यायालय वारासिवनी के समस्त न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं अन्य कर्मचारीगण साथ ही पक्षकारों की उपस्थिति में विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी श्रीमती कविता इवनाती के करकमलों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर पुष्प सुमन एवं प्रसाद अर्पित कर उद्घाटन किया गया।

उक्त नेशनल लोक अदालत में, व्यवहार न्यायालय में कुल ६ खण्डपीठों का गठन किया

खण्डपीठ क्रमांक १५ के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमती कविता इवनाती की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के ६ मामलों का निराकरण किया जाकर २१३०००० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। हिन्दू विवाह से संबंधित ७ मामलों का निराकरण किया गया एवं अन्य सिविल अपील संबंधी २ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल १५ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल २१३०००० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता नारायण प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे। खण्डपीठ क्रमांक १६ के पीठासीन अधिकारी कमलेश मीणा प्रथम ज़िला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, वारासिवनी की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति से संबंधित ६ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर २५७५००० रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। परक्राम्य लिखत अधिनियम के अपील प्रकरणों में १६ प्रकरण निराकरण किया जाकर ४११२८२ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। हिन्दू विवाह से संबंधित २ मामलों का निराकरण किया गया। सिविल निष्पादनवाद का २ प्रकरण निराकरण किया जाकर १५२६५६० रू. की समझौता राशि प्राप्त की गई। स प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल २६ मामलों का निराकरण किया जाकर ४५१२८४२ रूपये समझौता राशि के रूप में प्राप्त किये गए। खण्डपीठ क्रमांक १७ के पीठासीन अधिकारी श्रीमती दिव्या सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खण्डपीठ में आपराधिक शमनीय प्रकृति के प्रकरणों में ८ प्रकरण निराकृत हुये एवं चेक बाउंस के प्रकरणों में १ प्रकरण का निराकरण किया गया, जाकर १०००००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। अन्य सिविल प्रकृति का १ प्रकरण निराकृत किया गया एवं विविध निष्पादनवाद की प्रकृति के ४ प्रकरण निराकृत हुए एवं ६०१४०८ की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल १४ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ७०१४०८ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक १८ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषभ डॉनल सिंह के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति का ५ प्रकरण निराकृत किये गए, एवं परक्रमाम्य लिखत अधिनियम के ३ प्रकरण निराकृत हुए एवं ७४३९१६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त हुई एवं अन्य सिविल प्रकृति के २ मामले निराकृत किये गए। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल १० प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल ७४३९१६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक १९ के पीठासीन अधिकारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सुश्री नेहा बाथरी के न्यायालय में आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के १ प्रकरण का निराकरण किया गया, एवं धारा १३८ के १ मामले का निराकरण किया जाकर १००००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। धारा १२५ के २२ मामले एवं घरेलू हिंसा से संबंधित २ प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं विविध निष्पादनवाद की प्रकृति का १ प्रकरण निराकृत किया गया एवं अन्य सिविल प्रकृति का १ मामला निराकृत किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल २८ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर १११००० रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक २० के पीठासीन अधिकारी, न्याायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांश यादव के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के १६ प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं धारा १३८ से संबंधित १ प्रकरण का निराकरण किया जाकर ५००००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। अन्य सिविल प्रकृति का १ मामला निराकृत हुआ। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल १८ प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं कुल ५००००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त हुई। कुल ६ खण्डपीठों में कुल १११ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ८६९९१६६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार प्री लिटिगेशन के प्रकरणों में बैंक के ऋण संबंधी मामलों में २६ निराकरण किया जाकर ६८१५०० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। प्रिलिटिगेशन प्रकरण में विद्युत अ़धिनियम के ८५ प्रकरण निराकृत हुये एवं कुल ९११००० रू. की समझौता राशि की वसूली की गई। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में नगर पालिका द्वारा जलकर, सम्पत्तिकर एवं नजूल के कुल ३८ प्रकरणों में समझौता होकर ८३२९१६ रूपये की समझौता राशि लोक अदालत के माध्यम से प्राप्त की गई, इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल प्रकरणों में रूपये वसूल किये गए। इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल १४९ प्रकरणों में २४२५४१६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। उक्त नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में समस्त न्यायालयीन कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, म.प्र. विद्युत मण्डल, नगर पालिका, समस्त बैंक के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण का योगदान रहा। नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में तहसील विधिक सेवा समिति, वारासिवनी के कर्मचारीगण का विशेष सहयोग रहा।

डोंगरगांव लोहारा की बैलजोड़ी ने मारी बाजी, जीती इलेक्ट्रिक स्कूटी

कौलीवाड़ा में बैलजोड़ी हीरा पट प्रतियोगिता संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौलीवाड़ा के पट मैदान में सार्वजनिक पट समिति के तत्वाधान में दो दिवसीय बैलजोड़ी हीरापट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिन कुछ बैल जोड़ियो के द्वारा सेकण्ड दौड़ का प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद दूसरे दिन भी सिंगल दौड़ आयोजित की गई इस प्रकार कुल ७९ बैल जोड़ियों के द्वारा भाग लिया गया। जिनके द्वारा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया वहीं दोपहर में फाईनल दौड़ प्रारंभ की गई। इस फाईनल दौड़ में ६० बेल जोड़ियों के द्वारा भाग लिया गया जिनके मध्य ३० दौड़े करवायी गई। कौलीवाड़ा में आयोजित भव्य हीरा पट बैलजोड़ी प्रतियोगिता उत्साह और रोमांच के साथ संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई नामी एवं प्रसिद्ध बैलजोड़ियों ने हिस्सा लिया। लेकिन डोंगरगांव ,लोहारा की बैलजोड़ी ने अपने बेहतरीन तालमेल और रफ्तार से सबको पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। तो वहीं अन्य बेल जोडियों के द्वारा भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जाता रहा। जिसमें समिति के द्वारा निर्धारित इनामी उपहार से ३० विजेताओं को सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली डोंगरगांव ,लोहार की बैल जोड़ी को इलेक्ट्रिक स्कूटी ,द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली मोहाड़ी ,कटंगझरी की बैल जोड़ी को नगद २५००० रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बिठली गोपालपुर बैल जोड़ी को नगद २००००रुपए, चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली कोलीवाडा बैल जोड़ी को १५००० रूपये का इनाम इसी प्रकार अन्य २६ स्थान प्राप्त करने वाली बैल जोडियों ने इनाम जीता। यह प्रतियोगिता के समापन पर विजेता बैलजोड़ी के मालिकों को अतिथियों के द्वारा इलेक्ट्रिक स्कूटी व अन्य इनाम का वितरण कर पुरस्कृत किया गया। इस बैलेंजोड़ी पट प्रतियोगिता में बैलों की रफ्तार देखने लायक थी। जिसे देखने के लिए भारी संख्या में ग्रामीण जुटे। जहां फाइनल दौड़ के दौरान भीड़ का उत्साह दोगुना देखने को मिला जिन्होंने अनुशासन सीखने का काम आयोजन समिति के द्वारा किया जाता रहा। परंतु बैल जोड़ियों की रफ्तार के आगे लोगों का उत्साह भी बढ़ता ही रहा। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में इलेक्ट्रिक स्कूटी मिलने से पशुपालकों में खासा उत्साह देखा गया। हालांकि इस पूरे आयोजन के दौरान आयोजन समिति ने पूरी प्रतियोगिता को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने बताया कि ग्राम कौलीवाड़ा में बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता हर वर्ष कराई जाती है। इस आयोजन को लेकर ग्रामीण सहित क्षेत्र वीसियों में काफी उत्साह बना रहता है। इस वर्ष भी यह उत्साह पट मैदान में देखने को मिला और सबसे ज्यादा उत्साह जोड़ी मालिकों में था। क्योंकि आयोजन समिति के द्वारा इस वर्ष इलेक्ट्रिक स्कूटी प्रथम इनाम रखी गई थी जो अभी तक हमारे क्षेत्र का एक बड़ा पुरस्कार रहा है। वहीं क्षेत्र की जानी मानी बैल जोड़ियो के द्वारा प्रतियोगिता में भाग लिया गया जो मुख्य रूप से आकर्षण का केंद्र है। यह पट प्रतियोगिता ग्रामीण क्षेत्र का खेल है इसे किसानी के बाद ग्रामीण क्षेत्र में किसान लोग आयोजित करते हैं जिसे उत्सव के रूप में मनाया जाता है। हमारे यहां यह ४७ वां वर्ष था पिछले ४७ वर्षों से हम यह आयोजन करते आ रहे हैं लगातार आयोजन भव्य होता जा रहा है। इस प्रकार के आयोजन से विभिन्न प्रकार की नस्लों के बैल ग्रामीणों को देखने मिलते हैं। वहीं इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य पशुपालन को बढ़ावा देना होता है की हर किसान अपने घरों में पशुपालन कर आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुनील राणा, डोंगरमाली ब्लॉक अध्यक्ष जीतू राजपूत, गुड्डू सोनी ,समिति अध्यक्ष रेखचंद रहाँगडाले सहित सार्वजनिक पट समिति पदाधिकारी सदस्य एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा का हुआ आयोजन

वारासिवनी विकासखंड के २००० असाक्षर ने परीक्षा में लिया भाग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नवभारत साक्षरता परीक्षा का प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी १४ मार्च को आयोजन किया गया। यह परीक्षा वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं को परीक्षा केंद्र बनाया गया जहां पर साक्षर परीक्षा का आयोजित की गई। यह परीक्षा में २००० असाक्षर ने उपस्थित होकर नवभारत साक्षरता परीक्षा का पेपर हल किया। इस दौरान जिला और विकासखंड के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा उड़न दस्ते के रूप में प्रत्येक परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर मॉनिटरिंग की गई। जिसमें सुबह १० बजे से शाम ५ तक महिलाओं ने प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पेपर हल किया। जहां पर यह परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न की गई। इसमें जनपद शिक्षा केंद्र बीआरसी सत्येंद्र शरणागत सहित बीएसी जनशिक्षक संकुल प्राचार्य संकुल समन्वयक सभी शासकीय संस्थाओं के शाला प्रभारियों का सराहनीय योगदान रहा।

असाक्षर को साक्षर करने किया गया प्रयास

यह २१वीं सदी की डिजिटल क्रांति के बदलते दौर में असाक्षर लोगों को अक्षर ज्ञान कराते हुए शिक्षा से जोड़ने की कवायद को लेकर नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत असाक्षर लोगों को चिन्हित कर उन्हें साक्षरता की शिक्षा देने की दिशा में बुनियादी साक्षर किया जा रहा है। जिसमें अधिकांश बुजुर्ग महिला पुरुष ने उपस्थिति दर्ज कराकर अपना पेपर हल किया। असाक्षरों के जीवन स्तर में बदलाव लाने उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु यह कार्यक्रम भारत सरकार की ओर से पूरे देश में संचालित है । इससे प्रदेश एवं देश की साक्षरता दर में निश्चित ही वृद्धि होगी ।

१७३ परीक्षा केंद्रों में २००० असाक्षर हुए शामिल

वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत १७३ शासकीय माध्यमिक और प्राथमिक शालाओं में नवभारत साक्षरता परीक्षा का परीक्षा केंद्र बनाया गया। जहां पर वारासिवनी विकासखंड के २०२४ असाक्षर को परीक्षा में शामिल करने का लक्ष्य तैयार किया गया। जिसके तहत उक्त परीक्षा केंद्रो में करीब २००० असाक्षर ने अपनी उपस्थिति सुबह १० बजे से शाम ५ बजे के बीच में अपनी सुविधा अनुसार दर्ज करवारकर नवभारत साक्षरता परीक्षा में भाग लेकर अपना पेपर हल किया वही करीब २४ असाक्षर परीक्षा में अनुपस्थित रहे। जिसमे ६०० अक्षर साथियो के द्वारा सहयोग दिया गया।

उड़ान दस्ते ने की मॉनिटरिंग

यह परीक्षा सुबह १० से शाम ५ बजे तक संचालित की जाने वाली नवभारत साक्षरता परीक्षा के तहत वारासिवनी विकासखंड में १७३ परीक्षा केंद्रों का निर्माण किया गया था। जहां पर सुबह से असाक्षर लोगों के द्वारा अपने सुविधा अनुसार केंद्रों में उपस्थित होकर परीक्षा दी गई। इन परीक्षा केंद्रों का बीआरसी सतेंद्र शरणागत सहित डीपीसी कार्यालय के अधिकारियों के द्वारा उड़न दस्ते के रूप में निरीक्षण कर मॉनिटरिंग की गई। जहां पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया जिसमें अधिकारी संतुष्ट नजर आए और यह परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

परीक्षा का उद्देश्य अक्षर ज्ञान अंक ज्ञान करवाना है- सतेन्द्र शरणागत

बीआरसी सत्येंद्र शरणागत ने बताया कि प्रदेश में नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन हुआ है जिसके तहत बालाघाट जिले में असाक्षरो की परीक्षा ली जानी है। इसी के तहत वारासिवनी विकासखंड में भी २०२४ असाक्षर का लक्ष्य दिया गया है जिनकी परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें लगभग २००० असाक्षर उपस्थित हुए। उनके लिऐ वारासिवनी विकासखंड में १४३ परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। श्री शरणागत ने बताया कि १५ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति जिन्होंने किसी कारण पहले शिक्षा अपनी पूर्ण नहीं कि उन्हें अक्षर ज्ञान अंक ज्ञान जोड़ना घटाना पढ़ना लिखना आ सके इसी के लिए परीक्षा ली गई है। इसका उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति साक्षर हो जिसे दैनिक जीवन में जरूरी शिक्षा प्राप्त रहे । जिससे कि वह आवश्यक पढ़ना लिखना जोड़ना घटाना लेनदेन व अपना नाम लिखकर सही से दैनिक जीवन मे कार्य कर सके।

नाबालिक बालकों के मामूली विवाद में चली चाकू चित्रसेन घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम मेंढ़की में शुक्रवार की रात नाबालिक बालको के अज्ञात मामूली विवाद में चाकू बाजी की घटना होना प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। वहीं घायल चित्रसेन पारधी का शासकीय सिविल अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेंढ़की निवासी चिराग कटरे के घर विवाह कार्यक्रम था जहां रिसेप्शन का खाना खाने के लिए गांव के लोग पहुंचे थे। इसी दौरान दो नाबालिक युवक जो कक्षा आठवी एवं ११वीं में अध्यनरत है उनके द्वारा विवाह कार्यक्रम में आए कक्षा दसवीं के छात्र १७ वर्षीय चित्रसेन पिता हुकूमचंद पारधी को बाहर बुलाकर उसके साथ मारपीट की गई। इसी दौरान चाकू बाजी की घटना हो गई ग्रामीणों के द्वारा घायल चित्रसेन पारधी को तत्काल शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा जांच करने के उपरांत चाकूबाजी में मामूली चोट आने पर तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं घायल का उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। घटना की जानकारी पर थाना प्रभारी एसडीओपी एवं पुलिस अधिकारियों के साथ अस्पताल में घायल से मुलाकात कर घटना में तीन नाबालिक युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण पर दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी का राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर ११ से १३ मार्च २०२६ ग्राम पंचायत घुबड़गोदी में लगाया जा रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के चौथे दिन १४ मार्च २०२६ को महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर कार्यक्रम रखा गया। जिसमें एनएसएस के स्वयं सेवकों ने योग अभ्यास प्रभात फेरी ग्राम भ्रमण करके आज के विषय पर ग्राम वासियों में जागरूकता का संदेश देने का कार्य किया गया। तत्पश्चात ग्राम पंचायत भवन में दोपहर १ बजे से शिविर के बौद्धिक सत्र का आयोजन महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर किया गया । जिसके कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुश्री छवि पंत तहसीलदार खैरलांजी,श्रीमती अरुणा गजभिए,विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुनीता बाहेटवार जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती शीला बोरकर कैरियर काउंसलर, शा. ऊ.मा.वि. मेंढकी,श्रीमती ज्योति तिलासे ,श्रीमती संतोषी सुनील रावत एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य के एल हिवारे के द्वारा की गई। आज के कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण तथा पर्यावरण संरक्षण पर सभी अतिथियों ने ओजस्वी संवाद से राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया । कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पांडेय, वीरेंद्र पटले ,विक्रांत रंधावा ,शालिनी मेश्राम ,सीखा, आकाश तथा स्वयं सेवक विद्यार्थी एवं ग्राम के गणमान्य नागरीक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग खैरलांजी का भी सहयोग प्राप्त हुआ ।

कर्म ही पूजा श्रम ही धर्म

भारतीय संस्कृति में लोकदेवियों और लोकदेवताओं का विशेष महत्व रहा है। ये केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज के प्रेरणा-स्त्रोत होते हैं। ऐसी ही महान लोकदेवी हैं भक्त शिरोमणि माँ कर्मा। कर्मा बाई की जयंती चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को समूचे देश में मनाई जाती है। कर्मा जैसी भक्ति कर, खिचड़ी खायें मुरार, छप्पन भोग को त्याग कर, आये भक्त के द्वार। माँ कर्मा रोज सुबह उठकर सबसे पहले भगवान मुरार अर्थात् जगन्नाथ प्रभु के लिए खिचड़ी बनाती थी। वे इतनी भोली और भावुक भक्त थीं कि उन्हें विधि-विधान या मंत्रों का ज्ञान नहीं था। वे बस भगवान को पुकारतीं और कहतीं— प्रभु, आओ और भोग लगाओ। उनकी भक्ति इतनी भावप्रबल थी कि स्वयं भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) बालक का रूप धरकर उनके घर आते और बड़े चाव से वह खिचड़ी खाते थे। एक बार किसी विद्वान संत ने देखा कि कर्मा बाई बिना स्नान किए, बिना शुद्धता के नियमों का पालन किए ही खिचड़ी बनाकर भगवान को खिला रही हैं। उन्होंने कर्मा बाई को डांटा और कहा, अरी पगली! भगवान को ऐसे भोग नहीं लगता। पहले स्नान करो, पवित्र हो, मंत्र पढ़ो, तब भोग लगाओ। अगले दिन कर्मा बाई ने डर के मारे स्नान किया, विधि-विधान में समय लगाया और खिचड़ी बनाने में देर हो गई। उधर पुरी के मंदिर में जब भगवान के भोग का समय हुआ, तो पुजारियों ने देखा कि भगवान की मूर्ति के मुख पर खिचड़ी के कण लगे हुए हैं और भगवान के होंठों पर एक संतोष वाली मुस्कान है। इसके बाद भगवान ने मंदिर के पुजारी को सपने में दर्शन दिए और कहा, मुझे कर्मा के प्रेम की खिचड़ी भाती है, तुम्हारे सूखे नियमों की नहीं। वह देर से आई तो मैं खुद उसके पास भोजन करने चला गया। आज भी पूरी में होने वाली दिव्य जगन्नाथ रथ यात्रा में भगवान का रथ माँ कर्मा के मंदिर के सामने रुकता है व उनकी खिचड़ी खाकर ही आगे बढ़ता है। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया कि ईश्वर को आडंबर, वैभव नहीं, बल्कि सच्चा प्रेम और भक्ति प्रिय होते हैं। माँ कर्मा की यह कथा आज भी लोगों को यह सिखाती है कि श्रद्धा और निष्कपट भाव से किया गया छोटा-सा कार्य भी ईश्वर को प्रिय होता है। साहू / तैलिक समाज माँ कर्मा को अपनी कुलदेवी के रूप में पूजता है, परंतु उनके आदर्श समस्त हिंदू समाज के लिए समान रूप से प्रेरणादायी व पूजनीय हैं।

लोककथाओं और जनश्रुतियों के अनुसार उनका जीवन अत्यंत सरल और ईश्वर के प्रति समर्पित था। उन्होंने यह संदेश दिया कि सच्ची भक्ति केवल मंदिरों में पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह कर्म, सेवा और समाज के प्रति दायित्व निभाने में प्रकट होती है। उनके नाम में ही कर्म शब्द जुड़ा है, जो जीवन में सत्कर्म, श्रम व उद्यम की महत्ता का प्रतीक है। माँ कर्मा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि श्रम और स्वाभिमान मनुष्य के सबसे बड़े आभूषण हैं। साहू / तैलिक समाज परंपरागत रूप से परिश्रम, व्यापार और सेवा के लिए जाना जाता है। इस समाज में एक कहावत प्रचलित है-

तैलिक का तेल और साहू का सौदा, दोनों मेहनत से ही चमकते हैं। माँ कर्मा के जीवन में भी यही भाव दिखाई देता है। उन्होंने समाज को सिखाया कि कर्म ही पूजा है और श्रम ही सबसे बड़ा धर्म है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि व्यक्ति अपने कार्य को ईमानदारी और समर्पण से करता है, तो वही उसका सबसे बड़ा साधना-पथ बन जाता है। माँ कर्मा केवल साहू समाज की देवी नहीं हैं, वे समूचे सनातनी समाज की आराध्य हैं। वे सामाजिक समरसता की भी प्रतीक हैं। उनके जीवन में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं था।

विकल्पहीन मजबूरी है ईच्छा मृत्यु से जीवन के अंत का फैसला

यूं तो देश की अदालतें हर साल तकरीबन सौ से अधिक मुलजिमों को फांसी की सजा सुनाती हैं तब न्याय की कुर्सी पर बैठे किसी जज को कोई ग्लानि या अफसोस नहीं होता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐसा फैसला दिया जिसे लिखते हुए उनकी आंखें सजल हो गईं क्यों कि यह फैसला एक जीवन से जंग लड़ रहे इंसान को कष्ट मुक्ति के लिए मौत की ओर सहयोग करने का है।

आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

जब एक इंसान का जीवन इतना कष्ट मय और लाइलाज हो जाए कि मौजूदा तमाम मेडिकल उपचार अनुपयोगी हो जाए और क्षण क्षण तड़प रही जिंदगी को कष्ट से बचाने का कोई उपाय न रहे तब जीवन से मुक्ति के लिए मौत ही एक मात्र विकल्प रह जाता है मौजूदा घटनाक्रम के अनुसार 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यूब के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्टर्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट दुखद है।

प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति बेहद दयनीय स्थिति में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे।

आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं।

बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी राइट टू डाई विद डिग्निटी जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरु हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गई थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नर्सें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। हालांकि, कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया लाइफ सपोर्ट हटाना को अनुमति दी, जिसमें कहा गया कि जब तक मरीज की हालत सुधरने की उम्मीद न हो, तब तक यह लिया जा सकता है। इसके बाद 18 मई 2015 को निमोनिया के कारण अरुणा शानबाग का निधन हो गया। हालांकि 42 वर्ष तक कोमा में रहने का कष्ट उन्होंने सहा है।

इस मामले ने भारत में गरिमापूर्ण मृत्यु से संबद्ध कानून की एक नई पहल हुई है अरुणा शानबाग मामले के बाद इच्छामृत्यु पर स्पष्ट कानून की जरूरत महसूस की जाने लगी। इसी मुद्दे को लेकर कॉमन कॉज़ नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 9 मार्च 2018 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2018) सुप्रीम कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला था, जिसने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी। इसके अलावा अदालत ने लिविंग विल का अधिकार दिया। इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखकर यह तय कर सकता है कि अगर वह भविष्य में ऐसी स्थिति में पहुंच जाए जहां वह खुद निर्णय लेने की स्थिति में न हो, तो उसे कृत्रिम लाइफ सपोर्ट पर न रखा जाए। हालांकि, कॉमन कॉज़ मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु कब लागू की जा सकती है, इस पर दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से निर्धारित और स्पष्ट नहीं किया जा सका। मगर अब हरीश राणा के मामले में इस फैसले को आधार माना गया है।उस परिवार और माता-पिता की पीड़ा को समझना कितना दुखद है जो एक दुखद अनहोनी के बाद अपनी ही युवा संतान के लिए मौत की भीख मांगने के लिए मजबूर हुए हैं ईश्वर ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो।

- मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस (15 मार्च) पर विशेष)

जागरूक उपभोक्ता ही है सुरक्षित बाजार की नींव

जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम वसूलना, बगैर मानक वस्तुओं की बिक्री, ठगी, सामान की बिक्री के बाद गारंटी अथवा वारंटी के बावजूद सेवा प्रदान नहीं करना इत्यादि समस्याओं से ग्राहकों का सामना अक्सर होता रहता है। ऐसी ही समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह वैश्विक पहल उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता और मजबूत नियमों की आवश्यकता पर जोर देती है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्व अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। वैसे बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण होना कोई नई बात नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं के शोषण की जड़ें आज बहुत गहरी हो चुकी हैं। उपभोक्ताओं को इस शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून भी बनाए गए लेकिन जब से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित एवं कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियां व प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के प्रति सचेत हुए।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए देश में 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान हैं। यह कानून अब साढ़े तीन दशक पुराने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का स्थान ले चुका है। भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतें उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कितना बड़ा काम कर रही हैं। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना ही पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका एक प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है लेकिन जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो आश्चर्य होता है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

- योगेश कुमार गोयल

पीड़ित उपभोक्ताओं के आंसू पोछने का मंच है उपभोक्ता आयोग

उपभोक्ता के साथ कोई भी ठगी या सेवा में कमी न कर पाए,उपभोक्ता को कोई धोखा न दे सके ,कोई दुकानदार या सेवा प्रदाता झूठी सच्ची बाते करके किसी को खराब गुणवत्ता का सामान न बेच सके और किसी को खराब सेवा न दे सके । इसके लिए सभी को जागरूक रहना आवश्यक है। उपभोक्ता आयोग एक ऐसा न्याय का मंदिर है जहां आप सुगमता से न्याय मांग सकते है।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 यथा संशोधित 2019 की अधिसूचना भारत सरकार ने 15 जुलाई 2020 को जारी कर दी थी।जिसके तहत 20 जुलाई सन 2020 से उक्त संशोधित कानून प्रभावी हो गया था। इस बदले कानून से उपभोक्ताओं को शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल रही है। इस कानून में किये गए बदलाव से उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के क्षेत्र में नई पहल का सूत्रपात हुआ है। उपभोक्ता संरक्षण संशोधित कानून, 2019 के तहत उपभोक्ता कही से भी उपभोक्ता अदालत में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इस कानून में उपभोक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए साथ ही पुराने नियमों में सुधार की कोशिश भी की गई है।जैसे सेंट्रल रेगुलेटर का गठन, भ्रामक विज्ञापनों पर भारी दंड और ई-कॉमर्स फर्मों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बेचने वाली कंपनियों के लिए सख्त दिशानिर्देश इस नये कानून में शामिल किये गए हैं।उपभोक्ता अब कहीं से भी यानि जहां वह निवास करता है या जहां से उसने सामान या सेवा खरीदी है ,में से कही से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।प्राय: न्यायालयो में तारीख पर तारीख दी जाती है,जिसकारण वादकारियों की चप्पलें तक घिस जाती है।दीवानी न्यायालय के बारे में तो कहावत है कि दावा दादा करता है तो न्याय पोते को मिलता है।इस मिथक को तोड़ने की आज सबसे बड़ी आवश्यकता है।हालांकि यह काम यानि तारीख पर तारीख न देकर शीघ्र सहज न्याय देने का काम देश की उपभोक्ता अदालते,जो अब आयोग के रूप में परिवर्तित होकर उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करा रही है।हम कह सकते है, समय के साथ उपभोक्ताओ की सोच में भी अब बदलाव आया है।अब खरीदी गई वस्तु के खराब निकलने पर सिर्फ अफसोस व्यक्त करके उपभोक्ता घर नही बैठता, बल्कि दुकानदार से शिकायत करने के साथ ही खराब वस्तु को बदलवाने के लिए उपभोक्ता आयोग तक का दरवाजा खटखटाता है।इसी प्रकार खरीदी गई किसी सेवा में कमी मिलने पर उपभोक्ता अपने साथ हुए अन्याय के लिए प्रतिवाद करने लगा है और विभिन्न मंचो पर न्याय के लिए जाने लगा है।

उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता अदालतें गठित हैं जिन्हें आयोग के रूप मान्यता दी गई है।नए कानून के तहत उपभोक्ता अदालतों के क्षेत्राधिकार में बदलाव किया गया है। राज्य और राष्ट्रीय उपभोक्ता अदालतों के मुकाबले जिला अदालतों तक पहुंच ज्यादा होती है। इसलिए अब जिला उपभोक्ता अदालतें 50 लाख रुपये तक के मामलों की सुनवाई कर सकेंगी।पहले जिला आयोग को एक करोड़ रुपये मूल्य के वादों की सुनवाई का अधिकार था,जो अब घटाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है।

अब उपभोक्ता अपनी शिकायत कही से भी दर्ज कर सकता है। पहले उपभोक्ता वहीं शिकायत दर्ज करा सकता था, जहां विक्रेता अपनी सेवाएं देता है या फिर उसकी कोई शाखा या कार्यालय जहां मौजूद है। ई-कॉमर्स अर्थात ऑन लाइन से बढ़ती खरीदारी को देखते हुए यह उपभोक्ताओं के हित मे यह एक अच्छा कदम है। इसके अलावा कानून में उपभोक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी सुनवाई में शिरकत करने की इजाजत दी गई है। इससे उपभोक्ता का पैसा और समय दोनों बच सकेंगे और उसे न्याय भी जल्दी मिल सकेगा। उपभोक्ता कानून के इतिहास का अवलोकन करें तो पता चलता है कि सन 1966 में जेआरडी टाटा के नेतृत्व में कुछ उद्योगपतियों द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के तहत फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन की मुंबई में स्थापना की गई थी और इसकी शाखाएं कुछ प्रमुख शहरों में स्थापित की गईं। भारत मे उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित करने के लिए उपभोक्ता आंदोलन का यह प्रथम प्रयास कहा जा सकता है।वही स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना बीएम जोशी द्वारा 1974 में पुणे में की गई।समय के साथ अनेक राज्यों में उपभोक्ता कल्याण हेतु संस्थाओं का गठन हुआ। इस प्रकार उपभोक्ता आन्दोलन देश मे आगे बढ़ता रहा और सन 24 दिसम्बर 1986 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर उपभोक्ता संरक्षण विधेयक संसद ने पारित किया और जो राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित होने के बाद देशभर में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के रूप में लागू हुआ। इस अधिनियम में बाद में सन 1993 ,सन 2002 व अब 2019 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन व्यापक संशोधनों के बाद यह एक सरल व सुगम अधिनियम हो गया है। इस अधिनियम के अधीन पारित उपभोक्ता अदालतों के आदेशों का पालन न किए जाने पर धारा 72 के अधीन कारावास व दण्ड का प्रावधान किया गया है।

नए कानून में उत्पाद व विक्रेता कंपनी की जवाबदेही तय की गई है ।उत्पाद में निर्माण त्रुटि या खराब सेवाओं से अगर उपभोक्ता को नुकसान होता है तो उसे बनाने वाली कंपनी को हर्जाना देना होगा. यानि निर्माण त्रुटि में खराबी के कारण प्रेशर कुकर के फटने पर उपभोक्ता को चोट पहुंचती है तो उस हादसे के लिए कंपनी को हर्जाना देना होगा। पहले उपभोक्ता को केवल कुकर की लागत मिलती थी। उपभोक्ताओं को क्षति पूर्ति के लिए भी सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता था।जिससे मामले के निपटारे में सालों साल लग जाते थे।पहले कंपनियां अनैतिक तरीके से कोर्ट से तारीख पर तारीख ले लेती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उपभोक्ताओं को 90 दिन की समय सीमा में न्याय मिल जाना चाहिए।हालांकि इसमें प्राय: थोड़ा ज्यादा समय लग रहा है।पहले जहां से उपभोक्ता ने सामान खरीदा था, वहीं के उपभोक्ता फोरम में वाद दायर करना होता था। अब उपभोक्ता कहीं से भी सामान खरीदा हो, यदि उसमें खराबी है तो उसकी शिकायत घर या काम की जगह के आसपास के उपभोक्ता अदालत में कर सकता है। इस नये कानून का सबसे ज्यादा असर ई-कॉमर्स बिजनेस के क्षेत्र में होगा।अब इसके दायरे में सेवा प्रदाता भी आ जाएंगे. उत्पाद की जवाबदेही अब निर्माता के साथ सेवा प्रदाता और विक्रेताओं पर भी होगी. इसका अर्थ यह हुआ काफी ई-कॉमर्स साइट खुद को एग्रीगेटर बताकर पल्ला नहीं झाड़ सकती हैं.ई-कॉमर्स कंपनियों पर सीधे बिक्री पर लागू सभी कानून प्रभावी होंगे. अब अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसे व्यापारिक मंच को विक्रेताओं के ब्योरे का खुलासा करना होगा. इनमें उनका पता, वेबसाइट, ई-मेल इत्यादि शामिल करना जरूरी हैं.ई-कॉमर्स फर्मों की जिम्मेदारी होगी कि वे सुनिश्चित करें उनके स्तर पर किसी तरह के नकली उत्पादों की बिक्री न हो. अगर ऐसा होता है तो कंपनी पर दंड लग सकता है, क्योंकि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर नकली उत्पादों की बिक्री के मामलो की शिकायतें मिलती रही हैं।

कानून में सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) नाम का केंद्रीय रेगुलेटर बनाने का प्रस्ताव है।यह उपभोक्ता के अधिकारों, अनुचित व्यापार व्यवहार, भ्रामक विज्ञापन और नकली उत्पादों की बिक्री से जुड़े मामलो को देखेगा और जरूरत पड़ने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही कर सकता है। उपभोक्तता संरक्षण अधिनियम 2019के पारित हो जाने के बाद कंपनियों पर इस बात की जिम्मेदारी अब और ज़्यादा होगी कि उनके उत्पादों के विज्ञापन भ्रामक न हों और उनके उत्पाद दावों के अनुरुप ही हों।वही नई विधिक व्यवस्था में राज्य उपभोक्ता आयोग की आर्थिक शक्ति थोड़ा कम की गई है।पहले राज्य आयोग को 10 करोड़ रुपये मूल्य तक की उपभोक्ता शिकायत सुनने की शक्ति थी,जिसे घटाकर 2 करोड़ रुपये तक कर दिया गया है।उपभोक्ता आयोग के साथ ही आप एक उपभोक्ता के रूप में जिला स्थायी लोक अदालतों, बिजली विभाग की शिकायतों के लिए विद्युत शिकायत निवारण मंच,ओम्बड्समैन आदि मंचो व न्यायालय में जाकर न्याय प्राप्त कर सकते है।

- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

सालाना टोल पास की कीमत 1 अप्रैल से बढ़ी, अब देना होगा 3,075 रुपए

मुंबई। एजेंसी। नेशनल हाईवे पर नियमित यात्रा करने वाले निजी वाहनों के लिए सालाना टोल पास की कीमत में मामूली बढ़ोतरी की गई है। नेशनल हाइवे अथोरिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से यह पास 3,000 की बजाय 3,075 में उपलब्ध होगा। सालाना टोल पास एक साल या 200 बार टोल पार करने तक मान्य रहेगा, जो भी पहले हो। इसका मतलब है कि अगर कोई वाहन एक साल पूरा होने से पहले ही 200 बार टोल पार कर लेता है, तो पास की वैधता समाप्त हो जाएगी। इस पास का लाभ लेने के लिए वाहन में एक्टिव फास्टेग होना अनिवार्य है। बिना फास्टेग के यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। सालाना टोल पास के लिए वाहन मालिक एनएचएआई या अपने फास्टेग जारी करने वाले बैंक या ऐप पोर्टल पर लॉग-इन कर सकते हैं। आवेदन करने के बाद 3,075 फीसदी ऑनलाइन भुगतान करना होगा। सफल भुगतान के बाद यह पास सीधे आपके फास्टेग से लिंक हो जाएगा और टोल प्लाजा पर अतिरिक्त भुगतान किए बिना इस्तेमाल किया जा सकेगा। सरकार के अनुसार टोल दरों की सालाना समीक्षा होती है। इस प्रक्रिया के तहत इस बार मामूली बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, जो लोग अक्सर नेशनल हाईवे पर सफर करते हैं, उनके लिए सालाना टोल पास अब भी सुविधाजनक और फायदेमंद विकल्प माना जाता है। इससे बार-बार टोल भुगतान की झंझट कम होती है और यात्रा तेज़ और आसान बनती है।

नकदी की तंगी ने बदल दिया निवेश का खेल, सोना भी नहीं बचा

नई दिल्ली। एजेंसी। दुनियाभर में बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक संकट के बावजूद सोने की कीमतें लगातार गिर रही हैं। आमतौर पर संकट के समय निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए सोने की ओर भागते हैं, लेकिन इस बार कहानी उलटी है। शेयर बाजार में भारी गिरावट और निवेशकों के नुकसान ने उनके पास नकदी की कमी पैदा कर दी है। इस स्थिति में निवेशक अपने पास जमा सोना बेच रहे हैं, जिससे कीमतें नीचे आ रही हैं। मार्च की शुरुआत में सोना एमसीएक्स पर लगभग 1.70 लाख प्रति 10 ग्राम था। केवल 12 दिनों में यह गिरकर 1.57 लाख रुपए तक आ गया। चांदी की स्थिति और भी बुरी है। जो चांदी 2 मार्च को 2.97 लाख प्रति किलो थी, वह अब 2.54 लाख के करीब बिक रही है। निवेशकों के लिए यह 12 दिनों में प्रति किलो 43 हजार रुपए से ज्यादा का नुकसान है। भारतीय बाजार ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों ही 1ङ्क4 फीसदी तक टूटकर बंद हुए। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक शेयर बाजार में स्थिरता नहीं आती और निवेशकों का डर खत्म नहीं होता, सोने और चांदी में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। वर्तमान में बाजार पैनिक सेलिंग के दौर से गुजर रहा है, जहां सुरक्षित निवेश से ज्यादा नकदी बचाना प्राथमिकता बन गई है।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल से लागू होने की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल मध्य अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना है। यह समझौता पिछले साल 24 जुलाई 2025 को दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) पर आधारित है। इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर ब्रिटिश बाजार में कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं, ब्रिटेन के कुछ उत्पादों जैसे कार और व्हिस्की पर भारत में लागू शुल्क कम कर दिए जाएंगे जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार में वृद्धि की संभावना है। एफटीए को लागू करने के लिए ब्रिटिश संसद की मंजूरी अनिवार्य है। भारत में इसे लागू करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल मंजूरी ली जाती है। मंजूरी मिलने के बाद इसे आपसी सहमति वाली तारीख से लागू किया जाएगा। गोयल ने कहा कि यह समझौता ब्रिटेन की संसद में सबसे तेजी से मंजूरी पाने वाला एफटीए होगा। उन्होंने बताया कि सामान्यत: ऐसे समझौते लागू होने में लगभग डेढ़ साल का समय लगता है। लेकिन इस मामले में, समझौते पर ई 2025 हस्ताक्षर हुए थे और इसे ले एक महीने में किया जाने की संभावना है। शेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूती देगा। भारतीय निर्यातकों के लिए यह अवसर होगा कि वे ब्रिटिश बाजार में स्पर्धात्मक लाभ के साथ अपने उत्पाद पहुंचा सकें। वहीं, ब्रिटेन को भी भारतीय बाजार में उत्पादों पर शुल्क में छूट मिलने से व्यापारिक अवसर बढ़ेंगे।

यूपी और उत्तराखंड में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के चलते देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के रेट में बदलाव देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे घटकर 88.01 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 93.43 रुपए और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रति लीटर पर आया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे चढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। देश के चार प्रमुख महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए, डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए, डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए, डीजल 91.76 रुपए और चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए, डीजल 92.61 रुपए प्रति लिटर मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में ऐलान किया कि अब बायोगैस मिक्स सीएनजी पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क (सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी) का कैलकुलेशन करते समय बायोगैस के पूरे प्राइस को बाहर रखा जाएगा। इससे बायोगैस वाली सीएनजी सस्ती होगी और टैक्स का बोझ कम होगा। यह बदलाव पर्यावरण के लिए भी लाभकारी माना जा रहा है क्योंकि बायोगैस खेतों के कचरे, फसल वेस्ट और कूड़े से तैयार किया जाता है और इसे रेगुलर सीएनजी में मिलाकर कम कार्बन वाला फ्यूल बनाया जाता है।

पश्चिम एशिया तनाव और एफआईआई की बिकवाली ने भारतीय शेयर बाजार में डाला दबाव

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने चार साल में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही पांच फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। इस सप्ताह के दौरान निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता कमजोर रही, रुपये में कमजोरी जारी रही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली लगातार देखी गई और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बाजार पर दबाव डाला। केवल मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से थोड़ी राहत देखने को मिली, जब उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स 77,566.16 अंक पर बंद हुआ, जिसमें 1,352.74 अंक की गिरावट देखी गई। निफ्टी 24,028.05 अंक पर बंद हुआ, जो 422.40 अंक कम था। पश्चिम एशिया में तनाव और कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण निवेशक बेचने के मूड में थे। मंगलवार को बाजार में सुधार

देखा गया। सेंसेक्स 78,205.98 अंक और निफ्टी 24,261.60 अंक पर बंद हुए। अमेरिकी बयान और डॉलर के मुकाबले रुपया 92.14 तक मजबूत होने से बाजार को थोड़ी राहत मिली। बुधवार को बाजार फिर लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 76,863.71 अंक और निफ्टी 23,866.85 अंक पर आ गए। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में बिकवाली और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी मुख्य कारण रहे। गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और कमजोर वैश्विक रुझानों के चलते सेंसेक्स 76,034.42 अंक और निफ्टी 23,639.15 अंक पर गिर गया। सप्ताह का सबसे बड़ा नुकसान शुक्रवार को दर्ज हुआ। सेंसेक्स 74,563.92 अंक पर बंद हुआ, जिसमें 1,470.50 अंक की गिरावट रही, जबकि निफ्टी 23,151.10 अंक पर पहुंच गया। इस दिन बाजार में पश्चिम एशिया तनाव, लगातार बिकवाली और निवेशकों के डर ने प्रमुख भूमिका निभाई। बीते सप्ताह स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया का मार्केट कैपिटल सबसे अधिक प्रभावित हुआ। इसके अलावा लार्सन एंड टूब्रो, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस भी दबाव में रहे।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद एटीएफ कीमतों में तेज उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद भारत में विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विमानन उद्योग का कहना है कि जेट ईंधन की कीमतें कच्चे तेल की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी हैं, जिससे एयरलाइनों की लागत पर बड़ा दबाव पड़ा है। उद्योग अधिकारियों के अनुसार भारतीय रिफाइनरियों का जेट फ्यूल पर मार्जिन काफी बढ़ गया है, जबकि कच्चे तेल को एटीएफ में बदलने की वास्तविक लागत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। एयरलाइनों के परिचालन खर्च में एटीएफ का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है। ऐसे में ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि का सीधा असर हवाई किरायों पर पड़ा है। कई एयरलाइनों को यात्रियों से अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि भारत में एटीएफ की कीमतें 'मीन ऑफ प्लैट्स अरब गल्फ' (मोपैग) बेंचमार्क के आधार पर तय होती हैं, जिसे एसएंडपी ग्लोबल प्लेट प्रतिदिन जारी करती है। यह बेंचमार्क खाड़ी क्षेत्र की प्रमुख रिफाइनरियों जुबैल, रास तनुरा, रुवैस, मीना अल-अहमदी और सिट्रा में जेट फ्यूल की स्पॉट कीमतों के औसत पर आधारित होता है। 28 फरवरी को इरान पर यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद क्षेत्र की कई रिफाइनरियां या तो बंद हो गईं या उन्होंने उत्पादन कम कर दिया। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमतों में तेजी आई। भारत में एयरलाइनों को एटीएफ मुख्य रूप से इंडियल आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड जैसी घरेलू रिफाइनरियों से मिलता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष का भारत की अर्थव्यवस्था पर सीमित असरः अर्थशास्त्री

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि यह संघर्ष कम समय तक चलता है तो भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति पर इसका असर सीमित रहेगा। ऐसे हालात में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी मौद्रिक नीति में बदलाव किए बिना नीतिगत दरों को लंबे समय तक स्थिर रख सकता है। हालांकि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रहने पर अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम बढ़ सकता है। पिछले महीने जब इजरायल और यूनाईटेड स्टेट के साथ इरान का संघर्ष बढ़ा, तो कच्चे तेल की कीमतें अचानक 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। हालांकि बाद में इसमें गिरावट आई और कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। युद्ध से पहले यह स्तर 75 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे था। ईरान ने महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज को बंद करने की धमकी दी है। भारत के लिए यह मार्ग बेहद अहम है क्योंकि देश के कुल तेल आयात का लगभग 46 प्रतिशत और एलएनजी आयात का करीब 54 प्रतिशत इसी रास्ते से आता है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 से 110 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो भारत का चालू खाता घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तेल की कीमतों में वृद्धि अस्थायी रहती है और सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखती है, तो महंगाई पर सीमित असर पड़ेगा। ऐसे परिदृश्य में वित्त वर्ष 2027 में खुदरा महंगाई का औसत लगभग 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि सरकार को राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए कुछ खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है।

मेष- आज का दिन कई राशियों के लिए नए अवसर और सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। मेष राशि वालों के लिए आज का समय सामान्य दिनों की तुलना में बेहतर रहने के संकेत दे रहा है। किसी नए पद या जिम्मेदारी की प्राप्ति से मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए पढ़ाई में पूरा ध्यान लगाना होगा, तभी मनचाहे परिणाम मिलने की संभावना है।

वृषभ- वृषभ राशि वालों के मन में आज प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत रहेगी और अपनी मधुर वाणी से आप लोगों का दिल जीतने में सफल रहेंगे। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से आपकी पहचान और सम्मान बढ़ सकता है। किसी राजनीतिक या प्रशासनिक विषय को लेकर थोड़ी परेशानी सामने आ सकती है, लेकिन समझदारी से स्थिति संभल जाएगी।

मिथुन- मिथुन राशि के लिए आज का दिन धैर्य और संयम से आगे बढ़ने का संदेश दे रहा है। कारोबार में जल्दबाजी में कोई बड़ा जोखिम उठाने से बचना ही बेहतर रहेगा। अपने कामों में स्पष्टता बनाए रखना जरूरी होगा, तभी सफलता मिलेगी। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं का लाभ भी आपको मिल सकता है। यदि कामकाज में कोई परेशानी चल रही थी, तो वह धीरे-धीरे दूर होती दिखाई देगी।

कर्क- कर्क राशि के लिए आज का दिन उत्साह और उपलब्धियों से भरा हो सकता है। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और कार्यक्षेत्र में टीम के साथ मिलकर काम करने का अच्छा अवसर मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार भी ला सकते हैं। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह- सिंह राशि के लिए आज का दिन विशेष रूप से नौकरीपेशा लोगों के लिए अच्छा साबित हो सकता है। आपको अपनी पसंद का काम मिलने की संभावना है और मेहनत के बल पर आप एक अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं। कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जो भविष्य में आपके लिए शुभचिंतक साबित हो सकते हैं। अपने कार्यों में स्पष्टता बनाए रखना जरूरी होगा और विरोधियों की बातों में आने से बचना होगा।

कन्या- कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन सफलता और संतोष का अनुभव कराने वाला रहेगा। आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी, जिससे रिश्तों में भी मधुरता आएगी। कोई पुराना लेनदेन चुकता करना पड़ सकता है, इसलिए अपने खर्चों को योजनाबद्ध तरीके से चलाना जरूरी होगा। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है और आपकी कोई पुरानी मनोकामना पूरी होने से मन बेहद प्रसन्न रहेगा।

तुला- तुला राशि के लिए आज का दिन करियर के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने से राहत और खुशी दोनों मिलेगी। आपकी किसी मनोकामना की पूर्ति भी हो सकती है। कामकाज को अपनी जरूरत और प्राथमिकता के अनुसार व्यवस्थित करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वालों के आसपास आज का वातावरण काफी सकारात्मक और खुशनुमा बना रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में सफल रहेंगे और आपके किसी सहयोगी का सहयोग भी आपको समय पर मिल सकता है। हालांकि किसी की सलाह पर बिना सोचे-समझे चलना आपके लिए ठीक नहीं रहेगा। कोई पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा उभर सकती है, जिससे थोड़ी चिंता बढ़ सकती है।

धनु- धनु राशि के लिए आज का दिन प्रगति और जिम्मेदारियों के संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है और आपके पद या आय में वृद्धि के योग भी बन सकते हैं। हालांकि कोई मित्र आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। किसी बड़े काम की शुरुआत करने का विचार भी मन में आ सकता है, लेकिन भाई-बहनों से सलाह लेकर निर्णय लेना अधिक लाभदायक रहेगा।

मकर- मकर राशि वालों के लिए आज का दिन रचनात्मक कार्यों में आगे बढ़ने का अवसर लेकर आ सकता है। आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और आप किसी जरूरतमंद की मदद के लिए भी आगे आ सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने की संभावना है।

कुंभ- कुंभ राशि के लिए आज का दिन खर्चों पर नियंत्रण रखने की सलाह दे रहा है। आपको अपने आसपास मौजूद विरोधियों को पहचानने की आवश्यकता है और किसी अजनबी की बातों में आकर निवेश करने से बचना चाहिए। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मीन- मीन राशि वालों के लिए आज का दिन किसी बड़ी उपलब्धि का संकेत दे रहा है। आपके पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है और कामकाज के क्षेत्र में कोई अच्छा अवसर हाथ लग सकता है। सहयोगियों का साथ आपको मिलेगा, जिससे कार्यों को पूरा करना आसान रहेगा। हालांकि अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी होगा और किसी की कही-सुनी बातों पर तुरंत भरोसा करने से बचना चाहिए। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही रुकावट भी दूर हो सकती है और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

शब्दजाल - 8198

शब्द जाल में 'न' से शुरु होनेवाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

नगमा, नजराना, नयनतारा, नवीन, नमस्कार, नयनाभिराम, नवज्योति, नवजीवन, नवनीत, नवनिर्माण,

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	व	न	ज	वा	ज्यो	दा	ब	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	क	व	ना	श	म	
न	बं	दि	श	व	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

शब्दजाल - 8197 का हल

[illegible]									
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7142

1		2	■	3		4	■	5	6
	■	7	8		■	9		■	
■	10	■		■	11		■	12	■
13		14		■		■	15		
	■		■	16		17	■		■
18			■		■	19		■	20
	■	■	21		22		■	23	
■	24			■		■	■		■
25		■	26	27		28			■
■	29		■		■		■	30	

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7141

खा	मो	शी	■	आ	प	की	क	स	म
की	■	शा	दी	■	ड़ो	■	भी	■	स्त
■	आ	■	वा	प	स	■	ना	■	■
प	ह	चा	न	■	न	या	क	द	म
रा	■	■	गी	ता	■	■	भी	■	ड
या	रा	ना	■	ज	मा	ना	■	स	र
ध	■	य	ति	म	■	■	रा	नी	■
न	म	क	■	ह	म	रा	ज	■	फ
■	र्या	■	■	ल	■	जे	■	■	रा
अ	दा	ल	त	■	इं	द्र	कु	मा	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: १ — ; २ — ; मंगल बुध राहु ११; १० चंद्र; सूर्य शुक्र शनि १२; गुरु ३; ६; ९; ४; ५ केतु; ७; ८)

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	मकर में
मंगल	कुंभ में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ	समय
मीन	06.12 बजे से
मेष	07.43 बजे से
वृष	09.23 बजे से
मिथुन	11.21 बजे से
कर्क	13.34 बजे से
सिंह	15.50 बजे से
कन्या	18.02 बजे से
तुला	20.13 बजे से
वृश्चिक	22.28 ब.से
धनु	00.44 बजे से
मकर	02.49 बजे से
कुंभ	04.35 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 74 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 09.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 05.56 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** परिघ 10.26 बजे को समाप्त। **करण** बालव 09.17 बजे तदनन्तर कौलव 21.34 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 13' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872649 **जूलियन दिन** 2461114.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 25 **विशेष** पापमोचनी एकादशी, विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्ची सेवा

गाड़गे महाराज सच्चे निष्काम कर्मयोगी थे। उनके कपड़े फटे-चीथड़े होते थे तथा एक लकड़ी, फटी-पुरानी चादर तथा मिट्टी का एक छोटा बर्तन, यही उनकी संपत्ति थी। उनका बर्तन मिट्टी का होने के कारण ही लोगों ने उनका नाम 'गाड़गे' रख दिया था। पौष मास में अमरावती के समीपस्थ ऋषमोचन नामक ग्राम में बड़ा मेला लगा। तब हजारों दर्शनार्थी वहाँ एकत्रित हुए। मेले में लोग स्वच्छता का खयाल नहीं करते, फलस्वरूप दोने पत्तलों के कूड़े, रसोई के लिए प्रयोग किए गए मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े तथा हर प्रकार की गँदगी जहाँ-तहाँ पड़ी थी और लोगों का उस ओर बिलकुल ध्यान नहीं था। पर युवा गाड़गे महाराज नदी की ऊँची कगार को काटकर स्नानार्थियों के लिए राह बनाने में जुट गए। इतना ही नहीं, हाथ में झाड़ू ले वे अकेले गंदगी की सफाई करने लगे। दर्शनार्थियों के मन में कौतुहल के साथ-साथ उनके प्रति आदरभाव जागृत हुआ किंतु किसी की भी इच्छा न हुई कि उनका साथ दे। इतने में उनकी माता की दृष्टि उन पर पड़ी, तो उसने उन्हें घर चलने को कहा। गाड़गे महाराज बोले 'माँ! अपने आसपास का मानव संसार ही भगवान का प्रत्यक्ष रूप है। इन कोटि लोगों की यथाशक्ति सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची आराधना हो सकती है। सुगंधित फूल-पत्तों को पत्थर की मूर्ति पर चढ़ाने की अपेक्षा अपने आसपास विद्यमान चलती-फिरती दुनिया की सेवा तथा भूखों के लिए रोटी की व्यवस्था करने में ही जीवन की सार्थकता है। ऐसे फूल-पत्तों से तो हमारी झाड़ू श्रेष्ठ है, पर यह बात तुम्हारी समझ में नहीं आ सकती।' और यह सुन माता का हृदय गदगद हो उठा।

सूडोकु नवताल- 7451

★★★✯☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7450 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8666

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
	12		13		14		15	
16		17		18		19		20
21	22		23		24		25	
26		27		28		29		
	30		31		32		33	
34		35		36		37		38
39			40				41	

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरुर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8665 का हल

श	ब	■	ता	■	य	■	लॉ	क
रा	■	ला	ल	■	श	ह	■	हा
ब	से	रा	■	सा	■	क	स	र
■	ना	■	आ	स	रा	■	र	■
अ	ना	मि	का	■	श	रा	फ	त
■	य	■	र	ह	न	■	रो	■
म	क	र	■	र	■	प्रे	श	र
लि	■	ज	मा	■	आ	स	■	स
न	र	■	न	■	म	■	आ	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी -सालेटेकरी मार्ग पर शिकार की ताक में बैठा कैमरे में कैद हुआ तेंदुआ

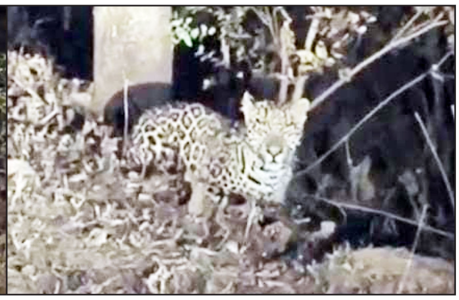

पद्मेश न्यूज। लांजी।

तहसील क्षेत्र लांजी के वन परिक्षेत्र (पूर्व) अंतर्गत आने वाले ग्राम केराटोला और धारमारा के बीच 13 मार्च शुक्रवार रात एक तेंदुआ दिखाई दिया, जिसे वहां से गुजर रहे लोगों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। जानकारी के अनुसार रात लगभग 10 से 11 बजे के बीच नंदोरा गांव से आगे केराटोला-धारमारा मार्ग पर सड़क किनारे तेंदुआ काफी देर तक बैठा रहा और शिकार की तलाश करता नजर आया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेंदुआ करीब आधे घंटे से अधिक समय तक सड़क किनारे घात लगाए बैठा रहा और इसी दौरान उसने एक नेवले को देखकर उसकी ओर दौड़ भी लगाई। गांव के पास तेंदुए के दिखाई देने की खबर फैलते ही केराटोला, धारमारा सहित आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया। शनिवार सुबह गांव में असामान्य सन्नाटा जैसा माहौल देखने को मिला और लोग आपस में रात की घटना को लेकर चर्चा करते नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी आसपास के जंगलों में वन्य प्राणियों की मौजूदगी देखी जाती रही है, लेकिन सड़क किनारे इस तरह तेंदुए का बैठा दिखाई देना लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। दरअसल, ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत के साथ ही जंगलों में तापमान बढने और कई स्थानों पर पेयजल स्रोत कम होने के कारण वन्य प्राणी अक्सर पानी और भोजन की तलाश में जंगल की सीमाओं से बाहर निकलकर सड़क किनारे या ग्रामीण इलाकों तक पहुंच जाते हैं। विशेषकर रात के समय जब वातावरण अपेक्षाकृत ठंडा होता है, तब उनकी गतिविधियां अधिक देखने को मिलती हैं। ऐसे में ग्रामीणों और राहगीरों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता रहती है।

बढ़ाई जाएगी गश्त, ग्रामीणों को दी सतर्कता की समझाइश-एसडीओ

इस संबंध में प्रभारी एसडीओ राकेश कुमार अड़कने से दूरभाष पर संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि वन विभाग इस सूचना को संज्ञान में लेकर सुरक्षा की दृष्टि से वन क्षेत्रों में गश्त बढ़ाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वन्य प्राणी जंगल की सीमा में ही रहें। उन्होंने ग्राम केराटोला, धारमारा सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों से अपील की कि रात के समय जंगल किनारे या सुनसान सड़कों पर अनावश्यक आवागमन से बचें। किसी भी वन्य प्राणी के पास जाने या उसे छेडने का प्रयास न करें, वाहन चलाते समय गति नियंत्रित रखें, बच्चों और पालतू पशुओं को रात में बाहर न छोड़ें तथा यदि कहीं वन्य प्राणी दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

सरपंच ने कहा ग्रामीण सावधानी बरते-लीलाराम मानकर

उक्त संबंध में ग्राम पंचायत कंसुली के सरपंच लीलाराम मानकर के द्वारा कहा गया कि हमेशा से देखा जाता है कि ग्रीष्म काल में वन्य प्राणी रिहायशी इलाको में नजर आते है। चाहे पानी की तलाश हो या भोजन की तलाश में जिसके चलते हिंसक वन्य प्राणी भी देखे गये है। वर्तमान में भी 13 मार्च को रात्रि में केराटोला एवं धारमारा के बीच लोगो ने तेंदुऐं को देखा तथा मोबाईल में तस्वीरें कैद की तथा आस पास के ग्रामीण जनो को सूचित भी किया गया। आपने इस संबध में वन विभाग से भी मांग की है वे हिंसक वन्य प्राणी नजर आने पर ग्रामीणो को अवगत कराकर सावधानी और सतर्कता बरतने की बात कही गई।

सिविल न्यायालय लांजी में नेशनल लोक अदालतः 80 प्रकरण निस्तारित, 10.90 लाख के अवार्ड पारित

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार आज व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खंड, लांजी में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वर्चुअल मोड में प्रात: 10 बजे माननीय मुख्य न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण एवं सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत में कुल 80 प्रकरणों का सफल निराकरण किया गया। इनमें न्यायालय के लंबित 74 राजीनामा योग्य प्रकरणों में से 8 का निस्तारण कर 1.20 लाख रुपये के अवॉर्ड पारित किए गए। वहीं, बैंक, नगरपालिका एवं अन्य विभागों के 1449 प्री-लिटिगेशन मामलों में से 72 का समाधान कर 9.69 लाख रुपये के अवॉर्ड जारी किए गए। कुल अवॉर्ड राशि 10,89,761 रुपये रही।कार्यक्रम में अधिवक्ता, बैंक कर्मचारी, न्यायालयीन स्टाफ, पक्षकार एवं तहसील विधिक सेवा समिति लांजी के पैरालीगल वॉलंटियर उपस्थित रहे। श्री प्रीतम शाह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (खण्डपीठ क्र. 14) ने तहसील न्यायालय के प्रकरणों का संचालन किया।

अवैध रेत खनन रोकने प्रशासन सख्त
किरनापुर के बटरमारा में बिना रॉयल्टी रेत परिवहन करते ट्रैक्टर पकड़ाया

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट जिले में अवैध रेत खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं तहसील किरनापुर अंतर्गत ग्राम बटरमारा में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान एक सोनालिका ट्रैक्टर क्रमांक MP50-ZB- 6444 को ट्रॉली सहित रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक धनलाल पिता सावनलाल सिंघनधूपे निवासी कारियादंड से रेत परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज और रॉयल्टी मांगी गई, लेकिन वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि वैध दस्तावेज और रॉयल्टी न होने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली को विधि अनुसार जब्त कर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है। मामले में मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर परिषद लांजी में नेशनल लोक अदालत - 3.40 लाख की राजस्व वसूली

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च दिन शनिवार को सुबह 10.30 से दोपहर 3 बजे तक किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने की अध्यक्षता में बकायादारों को 69 संपत्ति कर एवं 29 जल कर के बिल वितरित किए गए। इनमें से संपत्ति कर के 54 प्रकरण एवं जल कर के 16 प्रकरणों का निस्तारण पुराने वर्ष सहित कर दिया गया। वसूली में संपत्ति कर से 3,18,126 रुपये एवं जल कर से 22,600 रुपये प्राप्त हुए। साथ ही, संपत्ति कर के 11 एवं जल कर के 5 करदाताओं को छूट प्रदान की गई। कुल वसूली 3,40,726 रुपये (तीन लाख चालीस हजार सात सौ छब्बीस रुपये) रही।कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर एवं सभापति किशोर रामटेक्कर की उपस्थिति रही। ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल के माध्यम से संपत्ति कर एवं जल कर की ऑनलाइन जमा की गई, जिसमें करदाताओं को उत्साहवर्धन करते हुए ई-रसीदें प्रदान की गईं। राजस्व शाखा प्रभारी संतोष भार्गव, सहायक विनोद रहमतकर, कंप्यूटर ऑपरेटर गोविंद कुमार राऊत, ई-नगरपालिका तकनीकी सहायक रोहित पिछोड़े एवं राजस्व वार्ड प्रभारियों संजय भंडाकर, शैलेंद्र पांडेय, बिहारी महोबिया, शमीम खान, पूजा श्रीवास्तव, सुरेखा चोरवाड़े सहित अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग किया।बड़े बकायादारों ने अपनी उपस्थिति देकर पुरानी बकाया जमा कर छूट का लाभ उठाया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने ने सभी सम्माननीय करदाताओं का आभार व्यक्त किया।

नीमटोला मार्ग पर निर्माणधीन नाली निर्माण के गुणवत्ता पर वार्ड वासियों ने लगाया प्रश्न चिन्ह

पद्मेश न्यूज। लांजी। वर्तमान में नगर परिषद लांजी के द्वारा निविदा पद्धति से लांजी नीमटोला मार्ग पर चमार बोडी से श्मशान घाट नीमटोला तक आरसीसी नाली का निर्माण कार्य करोड़ो रूपये की लागत प्रारंभ है। किन्तु निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर वार्ड वासियों के द्वारा शिकायत की जा रही है। जिसमें सर्वप्रथम ठेकेदारा के द्वारा नाली निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य नही किये जाने के चलते निर्माण होने के साथ ही नालियों से गंदे पानी का रिसाव प्रारंभ हो चुका है जो कि घरो के सामने एवं खाली प्लाटो में गंदा पानी जमा हो रहा है जिससे और अधिक गंदगी फैल रही है। दुसरी ओर वार्ड वासियों का कहना है कि जहां मकान बने हुये है वहां भी पानी का रिसाव अन्दर ही अन्दर होगा जिसके चलते मकानों को भी हानि पंहुचेगी। वार्ड वासियो ने यह भी कहा कि नाली की उंचाई अधिक होने के चलते बहार का पानी नालियों में नही जा पायेगा यह भी एक कारण बनेगा गंदगी का जो मकानो के सामने पानी जमा होते नजर आयेगा। ठेकेदार के द्वारा नाली निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है क्योंकि नाली निर्माण ढलान या लेवल का ध्यान नही रखा जा रहा है, नाली निर्माण कार्य में पानी की तराई ना के बराबर देखी जा रही है जबकि सीमेंट आदि कार्यो में अत्यधिक पानी की तराई होनी चाहिये जिससे नाली के गुणवत्ता पर खासा असर पड़ता है। इसी नाली निर्माण को लेकर नगर परिषद लांजी के निर्माण सभापति दिनेश कचवाहे एवं वार्ड पार्षद कस्तुरा वाकड़े के द्वारा भी उपयंत्री एवं सीएमओ से नाली के गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य करवाये जाने की बात कही है। उक्त निर्माण को लेकर वार्ड वासियो ने यह भी कहा कि निर्माण कार्य को लेकर हमारे द्वारा ठेकेदार एवं उपयंत्री को बारबार अवगत कराया गया है लेकिन दोनो के द्वारा ही ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही यह भी कहा कि नाली निर्माण में कुछ स्थानो पर ही नाली को कवर्ड किया जा रहा है जब कि पूरी नाली कवर्ड होनी चाहिये नाली अधिक गहरी होने एवं खुली रहने से दुर्घटनाओं की आशंका हमेशा बनी रहेगी। घरो के सामने खुली नाली होने के चलते मच्छरों का प्रकोप बना रहेगा जो कि बिमारियों को आमंत्रित करेगा। उक्त संपूर्ण निर्माण की जांच कराई जाने की मांग वार्ड वासियों के द्वारा की गई है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत सरकार के निर्देशानुसार साक्षरता दर बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत लांजी विकासखण्ड में 14 मार्च 2026 दिन शनिवार को मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। विकासखण्ड लांजी में निर्धारित लक्ष्य 3993 के मुकाबले 186 सामाजिक चेतना केन्द्रों में परीक्षा सुचारु रूप से संपन्न हुई। शाम 4 बजे तक लगभग 2693 शिक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा का संचालन शिवेन्द्र उके, बी.आर.सी. के मार्गदर्शन में किया गया। परीक्षा के प्रभारी खिलेश डोहरे, विकासखण्ड सह-समन्वयक (नवभारत साक्षरता कार्यक्रम) रहे, जिन्होंने पूरे आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। विकासखण्ड स्तर पर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था, जिसके प्रभारी युवराज टेम्भरे (बीएसी) एवं अनिष कुमार वैध (ऑपरेटर) रहे। कार्यालय सहायक तोमेश्वर घासले भी कंट्रोल रूम में उपस्थित रहे और समन्वय बनाए रखा। सामाजिक चेतना केन्द्रों के प्रभावी निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग के लिए अरूण कुमार भीमटे (बीएसी), लक्ष्मीकांत मडामे (बीएसी), चंद्रकेश माने (उपयंत्री), श्रीमती कल्पना खोटेले (एमआरसी), समस्त संकुल सह-समन्वयक, समस्त जनशिक्षक आदि कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

दुलापुर में तेज रफ्तार मोटर सायकल अनियंत्रित होकर फिसली - 3 लोग घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस थाना अन्तर्गत ग्राम दुलापुर में 13 मार्च की रात्रि करीबन 11ः30 बजे एक सड़क दुर्घटना में मोटर सायकल में सवार 3 व्यक्ति घायल हो गये जिन्हे एंबुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल लांजी लाकर उपचार करवाया गया। घटना में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोस्ते थाना किरनापुर निवासी क्रमशः रणवीर पांचे, विशाल पांचे एवं राकेश पांचे शादी विवाह आदि कार्यक्रम में ग्राम पौनी खोलमारा आये हुये थे जो कि अपनी मोटर सायकल से 13 मार्च को रात्रि में घर वापस कोस्ते जा रहे थे जैसे ही 11ः30 बजे ग्राम दुलापुर पहुंचे तो अज्ञात कारणो के चलते इनकी मोटर सायकल अनियंत्रित होकर फिसल गई जिसमें सवार तीनों लोगो को गंभीर चोटे आई, घटना के समय उपस्थित राहगीरों के द्वारा 108 एंबुलेंस को सूचित किया गया जहां एंबुलेंस के पायलट राकेश उर्फ पप्पू पाण्डे के द्वारा तीनों ही घायलो रणवीर पांचे, विशाल पांचे, राकेश पांचे को एंबुलेंस मे लेकर सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां उपस्थित डॉ रूपेन्द्र गिरीया के द्वारा घायलो का प्राथमिक उपचार किया गया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल विशाल पांचे को जिला अस्पताल रिफर किया गया अन्य घायलो का भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। घटना के संबध में लांजी पुलिस जानकारी अस्पताल प्रबंधन के द्वारा दी गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

नए कामों की अनुशंसा कर सकेंगे विधायक

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की गाइडलाइन में किया जा रहा संशोधन

भोपाल। पुल, पुलिया, आंगनवाड़ी, पंचायत, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल भवन या फिर अन्य अधोसंरचना से जुड़े छोटे-मोटे कामों के अलाव अब विधायक वर्तमान दौर की जरूरतों के अनुसार नए कामों की अनुशंसा कर सकेंगे। दरअसल, इसके लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की गाइडलाइन में 13 साल बाद संशोधन किया जा रहा है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने विधायकों से सुझाव मांगे हैं। उनके आधार पर गाइडलाइन में बदलाव कर 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है।

गौरतलब है कि विधायक पिछले कुछ सालों से विधायक निधि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। राज्य के बजट में विधायकों की निधि भले न बढ़ी हो, लेकिन अब वे वर्तमान दौर की जरूरतों के अनुसार कुछ नए कामों की अनुशंसा जरूर कर सकेंगे। जैसे वर्तमान दौर के अनुसार वे क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने विधायक निधि से अनुशंसा कर सकेंगे। श्मशान की बाउंड्रीवॉल बनवाने सहित अन्य काम भी करा सकेंगे। आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी विकास मिश्रा का कहना है कि विधायकों के सुझावों अनुसार कुछ नए काम जोड़े जाएंगे। नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। गौरतलब है कि कई बार विधायक निधि लैप्स हो जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विधायक निधि के 577.50 करोड़ में से 548.7 करोड़ खर्च हुए। शेष राशि लैप्स हो गई। कई विधायक वित्तीय वर्ष के आखिर में बड़ी संख्या में अनुशंसाएं करते हैं। इससे भी काम अटक जाते हैं। 2025-26 में दिसंबर तक 238 करोड़ ही खर्च हो सके।

1 अप्रैल से लागू होगी गाइडलाइन

जानकारी के अनुसार, विधायकों की लगातार मांग के बाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की गाइडलाइन में 13 साल बाद संशोधन किया जा रहा है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने विधायकों से सुझाव मांगे हैं। उनके आधार पर गाइडलाइन में बदलाव कर 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। उक्त योजना की शुरुआत वर्ष 1994 में हुई थी। तब 20 लाख रुपए प्रति वर्ष दिए जाते थे। गाइडलाइव में आखिरी बार 2013 में बदलाव हुआ था। अभी प्रति विधानसभा क्षेत्र हर वित्तीय वर्ष में विधायकों को 2.5 करोड़ के पूंजीगत स्वरूप के निर्माण कार्यों की अनुशंसा करने के अधिकार हैं। इसके अलावा प्रतिवर्ष 75 लाख की स्वेच्छानुदान निधि मिलती है, लेकिन पुरानी गाइडलाइन के अनुसार वे कई कार्यों के लिए अनुशंसा नहीं कर पाते। इसकी शिकायतें विधायकों में सीएम को की थीं। इसके बाद गाइडलाइन में बदलाव करने का फैसला लिया गया। अभी विधायक शैक्षणिक भवनों की बाउंड्रीवॉल तो बनवा सकते हैं, लेकिन श्मशान घाट की बाउंड्री नहीं। इसकी मांग की गई है। सार्वजनिक वाचनालय बनवा सकते हैं। अब ई-लाइब्रेरी भी बनवा सकें। प्याऊ बनवा सकते हैं, पर आरओ-वाटर कूलर नहीं लगवा सकते। सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगवा सकते। अस्पतालों के लिए एंबुलेंस की सुविधा दे सकते हैं। योजना विभाग के अधिकारियों के अनुसार विधायक निधि से अभी अपने क्षेत्र से बाहर भी 10 लाख तक के कामों की अनुशंसा की जा सकती है। नई गाइडलाइन में सीमा बढ़ सकती है। ज्ञात रहे कि गोविंदपुरा (भोपाल) से विधायक रहे बाबूलाल गौर ने यूपी में अपनी जन्मस्थली में कुछ काम कराए थे। वर्तमान में मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह द्वारा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और राजस्थान से विधायक हरीश चौधरी के विधानसभा क्षेत्र में स्कूल कक्षों के निर्माण के लिए अनुशंसा की गई है।

बांधवगढ़ में बाघों की मौत पर वन विभाग मौन

एसआईटी गठन के 52 दिन बाद भी नहीं दे पाई रिपोर्ट

भोपाल । बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच आठ बाघों की मौत का मामला अभी तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। इन मौतों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) 52 दिन बीतने के बाद भी अपनी रिपोर्ट वन मुख्यालय को नहीं सौंप सका है। इससे पूरे वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह मुद्दा अब न्यायिक जांच के दायरे में भी पहुंच गया है और मप्र हाईकोर्ट में इस पर सुनवाई चल रही है। तत्कालीन वन बल प्रमुख वीएन एम्बाडे ने 19 जनवरी को एसआईटी का गठन करते हुए 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। हालांकि निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी। सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 23 फरवरी को उन्होंने दोबारा पत्र लिखकर जांच रिपोर्ट जल्द भेजने के निर्देश दिए, लेकिन इसके बावजूद वन मुख्यालय को रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई।

हाई कोर्ट में भी चल रही सुनवाई

बाघों की मौत के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान वन विभाग ने प्रारंभिक जानकारी दी है। विभाग के अनुसार टाइगर रिजर्व के भीतर दो बाघों की मौत आपसी संघर्ष के कारण हुई। एक बाघ कुएं में गिरकर डूब गया, जबकि एक अन्य बाघ की मौत बीमारी से बताई गई है। इसके अलावा चार बाघों की मौत बिजली के करंट लगने से हुई।

बाघ प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

लगातार हो रही बाघों की मौतों ने राज्य में वन्यजीव प्रबंधन को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2025 में ही मध्य प्रदेश में 55 बाघों की मौत दर्ज की गई थी, जिससे बाघ संरक्षण की रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

राज्य सरकार ने जंगलों के आसपास मानव गतिविधियों को नियंत्रित करने और मानव-बाघ संघर्ष रोकने के लिए तीन वर्ष की कार्ययोजना बनाई थी।

हमदर्द बनेंगे पुलिसकर्मी

मप्र में पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में गीतापाठ के बाद दक्षिणामूर्ति स्तोत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में अब तक रामचरित मानस और गीता पाठ सुनाई देता था। लेकिन अब दक्षिणामूर्ति स्तोत्र भी गूंजेगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भक्तिमय माहौल का असर आरक्षों के मन पर पड़ेगा। जिसके कारण उनमें दूसरों के लिए दया और हमदर्दी की भावना आएगी।

दक्षिणामूर्ति स्त्रोत आदि शंकराचार्य द्वारा रचित है। दक्षिणामूर्ति स्तोत्र में भगवान शिव की स्तुति की जाती है। दक्षिणामूर्ति स्तोत्र को सुनकर पुलिसकर्मियों के मन में शांति आएगी। जिससे वे समाज में आम लोगों के मानवीय पहलुओं को समझ पाएंगे। इसके साथ ही उनके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। मध्य प्रदेश में पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में पहले से ही

कई धार्मिक ग्रंथों के पाठ करने के निर्देश हैं। एडीजी प्रशिक्षण ने पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में भगवत गीता और रामचरित मानस का पाठ करने के निर्देश दिए थे। जिसका पालन भी निरंतर किया जा रहा है।

नैतिक रूप से जिम्मेदार बनाना है लक्ष्य

अक्सर देखा गया है कि पुलिसकर्मियों का रवैया आम जनता के लिए काफी सख्त होता है। कई मौकों पर पुलिसवालों को जनता के साथ गलत व्यवहार करते हुए भी देखा गया है। पुलिसवालों में एक नैतिक जिम्मेदारी का एहसास हो, इसलिए उन्हें इन ग्रंथों के जरिए गुणों को विकसित किया जाएगा। वहीं पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में दक्षिणामूर्ति स्तोत्र के पाठ कराने के साथ ही मध्य प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने इस निर्देश को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि कानून व्यवस्था संभालने वाली संस्था का तटस्थ रहना आवश्यक है। इस तरह किसी पर भी आस्था को थोंपा नहीं जाना चाहिए। वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। भाजपा का कहना है कि भगवत गीता और दक्षिणामूर्ति स्तोत्र किसी धर्म के नहीं हैं। बल्कि ये जीवन जीने की एक पद्धति है।

मप्र में अक्टूबर-नवंबर से लागू हो सकता है जी-रामजी

अधिसूचना के बाद राज्य सरकार बनाएगी अपने नियम

भोपाल। मनरेगा की जगह शुरू होने जा रही विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी वीबी जी रामजी योजना प्रदेश में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर से प्रारंभ हो सकती है। इसके लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तैयारियों में जुटा है। तैयारियों के संबंध में मंगलवार-बुधवार को दिल्ली में बैठक होने जा रही है, जिसमें सभी राज्यों से तैयारियों के संबंध में पूछा जाएगा। पंचायतों के बारे में जानकारी भी साझा की जाएगी, जिससे केंद्र सरकार राज्य को अनुदान के संबंध में नीति बना सके।

बता दें कि वीबी जी रामजी विधेयक संसद से पारित हो गया है। इसकी अधिसूचना अप्रैल या मई में जारी हो सकती है। इसके बाद राज्य सरकार अपने नियम बनाएगी, जो विधानसभा से पारित होंगे। इसमें लगभग छह माह का समय लगेगा। यह भी बता दें कि योजना में राज्य सरकारों को विकल्प दिया गया है कि वह केंद्र के नियम उसी रूप में स्वीकार कर लें या अपने अनुसार बदलाव कर लें। हर राज्य की परिस्थितियां अलग-अलग हैं।

स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर होगा नियमों में बदलाव

उदाहरण के तौर पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र, श्रमिकों की संख्या, मनरेगा के अंतर्गत हुए काम, विकास कार्यों को लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकता आदि। इन आधारों पर राज्य सरकार नियमों में कुछ परिवर्तन कर सकती है। विधानसभा से पारित होने के बाद इसे अमल में लाया जाएगा। अधिसूचना जारी होने के बाद सबसे पहले संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि मनरेगा से नई योजना किस तरह अलग है, कौन से नए काम शामिल किए गए हैं और सामाजिक अंकेक्षण किस तरह से किया जाना है।

काम के आधार पर तीन श्रेणियों में बंटेंगी पंचायतें

अगले चरण में पंचायतों को तीन श्रेणियों में बांटा जाएगा। पहली वह पंचायतें जिनमें मनरेगा में कम काम हुआ है, उन्हें प्राथमिकता में रखकर वहां अधिक काम कराया जाएगा। इसके बाद मध्यम स्तर की ग्राम पंचायतें और तीसरी ऐसी पंचायतें होंगी जिन पर बहुत अधिक काम हो चुका है, वहां अब ज्यादा काम की आवश्यकता नहीं है। इस तरह सभी जगह समान रूप से विकास होगा। मनरेगा में कुछ ग्राम पंचायतों में बहुत अधिक तो कुछ में बहुत कम काम हुआ है।

अब ई-मेल और वॉट्सऐप से होगी विभागीय जांच की कार्रवाई

सरकार ने बदले नियम, निर्देश जारी; वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भी पेश हो सकेंगे कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में बदलते डिजिटल दौर के साथ अब सरकारी विभागों में कदाचार या भ्रष्टाचार के मामलों में विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भी की जा सकेगी। मध्य प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने नियमों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को वैधानिक मंजूरी दे दी है। विभाग के अपर सचिव अजय कटेसरिया द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभागीय जांच से जुड़े नियम-30 में संशोधन किया गया है। अब ई-मेल, वॉट्सऐप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भेजे गए नोटिस या निर्देश शासन की आधिकारिक प्रक्रिया के रूप में मान्य होंगे।

संशोधित व्यवस्था के तहत किसी विभाग या वर्ग के शासकीय कर्मचारियों से जुड़ी विभागीय जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित निर्देश विभागीय पोर्टल के माध्यम से ई-मेल या अन्य डिजिटल तरीकों से भेजे जा सकेंगे। इसका अर्थ यह है कि अब आरोप पत्र जारी करने, जवाब मांगने या अन्य विभागीय कार्रवाई भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जा सकेगी और इसे शासन की वैध प्रक्रिया माना जाएगा।

मप्र की 12 नदियों पर गहराया प्रदूषण का संकट

भोपाल। प्रदेश की कई प्रमुख नदियों के कुछ हिस्सों में पानी की गुणवत्ता खराब पाई गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 18 प्रदूषित नदी खंड चिह्नित किए गए हैं। नदी खंड से आशय नदी के उस हिस्से से है, जहां पानी में जैविक प्रदूषण का स्तर निर्धारित मानक से अधिक हो जाता है और उसकी गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता होती है।

प्रदेश में कुल 18 प्रदूषित नदी खंड और स्थान चिह्नित किए गए हैं। इनमें प्रदूषण की गंभीरता के आधार पर दो खंड प्रायोरिटी-1, एक प्रायोरिटी-2, दो प्रायोरिटी-3, तीन प्रायोरिटी-4 और दस प्रायोरिटी-5 श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट में जिन नदियों के हिस्सों में प्रदूषण पाया गया है, उनमें प्रमुख रूप से शिप्रा, कान्ह, चंबल, बेतवा, नर्मदा, ताप्ती, कालीसिंध, पार्वती, गंभीर, तवा, सोन और केन शामिल हैं। इन नदियों के अलग-अलग शहरों और कस्बों के आसपास के हिस्सों में पानी की गुणवत्ता मानक से नीचे पाई है।

शहरों के पास ज्यादा प्रदूषण

रिपोर्ट का विश्लेषण बताता है कि प्रदूषण सबसे ज्यादा उन स्थानों पर है जहां शहरी दबाव अधिक है। प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, देवास, भोपाल, ग्वालियर-मुरैना, नर्मदापुरम और खंडवा-बुरहानपुर जैसे क्षेत्रों के आसपास नदी के हिस्सों में प्रदूषण दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार शहरों के नालों का पानी और बिना उपचारित सीवेज सीधे नदियों में जाने से यह स्थिति बन रही है। सीपीसीबी के राष्ट्रीय जल गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत देश में 4736 स्थानों पर जल गुणवत्ता की निगरानी की जाती है, जिनमें 2155 स्थान नदियों पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश की 271 नदियों में 296 प्रदूषित नदी खंड चिन्हित किए गए हैं। हालांकि 2018 की तुलना में स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ है। उस समय 351 प्रदूषित नदी खंड थे, जो घटकर 296 रह गए हैं।

अप्रैल से शुरू होने वाले स्कूल सत्र पर लगे रोक

भीषण गर्मी में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि, कांग्रेस की मांग

भोपाल । मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने प्रदेश में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए अप्रैल माह से प्रारंभ होने वाले स्कूल सत्र पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन तथा सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र प्रेषित किया है। अपने पत्र में विवेक त्रिपाठी ने उल्लेख किया है कि मार्च माह के प्रारंभ से ही प्रदेश में तापमान में असामान्य वृद्धि दर्ज की जा रही है और आगामी अप्रैल-मई में लू एवं भीषण गर्म हवाओं का प्रकोप बढने् की संभावना है। ऐसी परिस्थिति में छोटे बच्चों को विद्यालय भेजना उनके स्वास्थ्य के साथ गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। विवेक त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश के अनेक शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में शीतल पेयजल, पर्याप्त पंखे, कूलर एवं समुचित वेंटिलेशन जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीण अंचलों में स्थिति और अधिक चिंताजनक है। भीषण गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन, लू लगना, चक्कर आना एवं बेहोशी जैसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे विद्यार्थियों के जीवन पर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

त्रिपाठी ने सरकार से मांग की है कि अप्रैल माह से प्रारंभ होने वाले शैक्षणिक सत्र को भीषण गर्मी की स्थिति सामान्य होने तक स्थगित किया जाए। यदि सत्र प्रारंभ करना अनिवार्य हो तो विद्यालयों का समय प्रातःकालीन किया जाए। सभी विद्यालयों में शीतल पेयजल, प्राथमिक उपचार एवं गर्मी से बचाव के दिशा-निर्देश अनिवार्य रूप से लागू किए जाएं। जिला प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कई निजी विद्यालय फीस के लालच में जल्दी नया सत्र प्रारंभ कर मार्च, अप्रैल और जून माह से ही छोटी कक्षाओ के बच्चो को स्कूल बुलाते है, जिससे मासूम बच्चे और उनके अभिभावकों को अप्रिय और अमानवीय परिस्तिथियों का सामना करना पड़ता है इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेकर इस मनमानी पर अंकुश लगाने का प्रबंध करे। त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षा किसी भी प्रशासनिक औपचारिकता से अधिक महत्वपूर्ण है। सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल निर्णय लेना चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

वन नेशन, वन हेल्पलाइन' पहल को मध्यप्रदेश में मिली मजबूती

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मजबूत हुआ प्रदेश का महिला-बाल सुरक्षा तंत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर राज्य सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए तकनीक आधारित सहायता तंत्र को मजबूत किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति तब संभव होती है जब महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर मिलें। राज्य सरकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, उनकी सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं, नवाचारों और तकनीक आधारित सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है, जिससे उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर मिल सकें। महिला हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर, जागरूकता कार्यक्रम और त्वरित सहायता तंत्र इसी दिशा में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयास हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासनिक तंत्र को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और तकनीकी से सशक्त बनाने में कई पहल की गई हैं। भारत सरकार की 卐वन नेशन, वन हेल्पलाइन卐 पहल के अनुरूप महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को आपातकालीन सेवा ईआरएसएस -112 (इमरजेंसी रिस्पॉस सपोर्ट सिस्टम)से एकीकृत करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना 31 अगस्त 2023 को की गई। इस एकीकृत प्रणाली के माध्यम से अब प्रदेश की कोई भी महिला, 18 वर्ष से कम आयु का बच्चा या उनकी ओर से कोई भी व्यक्ति सप्ताह के सातों दिन, 24 घंटे (24म7) 181, 1098 या 112 पर टोल-फ्री कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकता है। तकनीक आधारित यह व्यवस्था संकट की घड़ी में त्वरित मदद उपलब्ध कराने के साथ महिला और बाल सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला हेल्पलाइन 181 का संचालन किया जा रहा है। यह सेवा प्रदेश के सभी वन स्टॉप सेंटर से एकीकृत है, जिससे पीड़ित महिलाओं को एक ही मंच से पुलिस, अस्पताल, एम्बुलेंस, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संरक्षण अधिकारी और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही हेल्पलाइन के माध्यम से महिलाओं को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाती है तथा प्रशिक्षित परामर्शदाताओं द्वारा भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। इस सेवा की प्रभावशीलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 29 जनवरी 2026 तक लगभग 1.28 लाख महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से सहायता प्रदान की जा चुकी है।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098-बच्चों के संरक्षण की मजबूत कड़ी

बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को भी श्क्रस्-112 से जोड़ा गया है। हेल्पलाइन पर प्राप्त कॉल्स को कॉल रेस्पॉन्डर द्वारा उनकी प्रकृति के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। आपातकालीन स्थिति में कॉल्स को तुरंत ईआरएसएस -112 तथा संबंधित जिले की जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) को भेजा जाता है, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए सीधे जिला बाल संरक्षण इकाई को प्रेषित किया जाता है।

न अधिकारी-कर्मचारी, बढ़ा योजनाओं का भार

मप्र में सरकारी विभागों के हाल-बेहाल...

भोपाल। मप्र में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। बढ़ती जनसंख्या के मान से सरकार नई-नई योजनाएं और परियोजनाएं शुरू कर रही है। लेकिन प्रदेश में ब्यूरोक्रेट्स से लेकर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भारी कमी है। इस कारण प्रदेश के सरकारी विभागों का हाल बेहाल है। विभागों में न पर्याप्त अधिकारी हैं, न कर्मचारी। इसका परिणाम यह हो रहा है कि न तो योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन हो पा रहा है और न ही जनता का काम समय पर हो रहा है।

पिछले एक दशक से अधिक समय से सभी सरकारी 54 विभागों में आईएएस, आईपीएस, आईएफएस के साथ ही अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। प्रदेश में करीब डेढ़ लाख से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। इस कारण आम लोगों को समय पर सेवाएं नहीं मिल पा रही है ... प्रशासनिक कामों की रफ्तार भी प्रभावित हो रही है। अस्पतालों में डाक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ नहीं है।

कुछ विभागों में 40 प्रतिशत तक पद रिक्त

प्रदेश में एक तरफ सरकार बड़े-बड़े सरकारी भवन बन रही है। बड़ी-बड़ी मशीनें, उपकरण खरीदे जा रहे हैं परंतु आमजन की सहायता के लिए जरूरी मानव संसाधन की कमी बड़ा संकट है। कुछ विभागों में 40 प्रतिशत तक पद रिक्त हैं। कई जगह तो ऐसे अधिकारी-कर्मचारी ही नहीं हैं जिनका आमजन से सीधा सरोकार है। उदाहरण के रूप में वन विभाग को लें तो वनों में पेड़ों की अवैध कटाई रोकने और वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए बड़े दावे किए जाते हैं, पर सच्चाई यह है कि विभाग के पास पर्याप्त अमला ही नहीं है। आईएफएस कैडर के 296 पदों में से 185 ही कार्यरत हैं। राज्य वन सेवा के स्वीकृत पद 359 ही हैं। इनमें भी 142 ही कार्यरत हैं। वनरक्षक, वनपाल, डिप्टी रेंजर और रेंजर के मिलाकर 20,676 पदों में से 5,452 रिक्त हैं। यह हाल तब है जब टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त मध्य प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में 147 बाघों की मौत हुई है। इसमें 16 की मौत शिकार या करंट लगने से हुई है। कुछ ऐसी ही स्थिति दूसरे विभागों की भी है। राज्य सरकार ने पिछले साल 70 हजार पदों पर भर्ती की, इसके बाद भी डेढ़ लाख से अधिक पद रिक्त हैं। उनमें भी ओबीसी आरक्षण के चलते 10 हजार पदों पर नियुक्ति रुकी है तो पदोन्नति में आरक्षण के चलते कई विभागों में उच्च पदों पर प्रभारियों से काम चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कई विभागों में तो वर्षों से नए पद ही सृजित नहीं किए गए हैं, जबकि आवश्यकता बढ़ती जा रही है। जैसे पुलिस को लें तो नए थाने खुलने पर ही नए पद सृजित होते हैं। इसी तरह से स्वास्थ्य विभाग में मेडिकल आफिसर और विशेषज्ञों के नए पद वर्ष 2011 के बाद सृजित नहीं हुए, जबकि तब से अब तक प्रदेश की आबादी में डेढ़ करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

प्रदेश के कुछ विभागों की स्थिति तो चिंताजनक है। जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञों को पदस्थ किया जाता है। विशेषज्ञों के 5,443 पद स्वीकृत हैं पर पदस्थ मात्र 1,495 हैं। 3,948 रिक्त हैं। इस कारण सीजर डिलिवरी की सुविधा प्रदेश के 140 शासकीय अस्पतालों में ही मिल पा रही है। शिशु मृत्यु दर के मामले में मध्य प्रदेश की देश में सबसे बुरी स्थिति है। प्रति हजार में 37 शिशुओं की एक वर्ष के भीतर मौत हो जाती है। चिकित्सा अधिकारियों के 6,513 पदों में से 2,689 खाली पड़े हैं।

मनरेगा इंजीनियरों को जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक केवल एक माह का वेतन मिला

भोपाल। मध्य प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत अभी तक संचालित होती रही मनरेगा योजना में कार्यरत संविदा उप यंत्री (इंजीनियर) इन दिनों आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहे हैं। जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक इंजीनियरों को केवल एक माह का वेतन ही मिला है। 19 मार्च से प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ होने जा रहा है। इंजीनियरों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है।

मनरेगा अभियंता संघ के प्रदेश समन्वयक गजेंद्र कठारे ने कहा कि अगस्त 2025 से अब तक 10 इंजीनियरों की मृत्यु हो चुकी है। इसी माह राजगढ़ जिले में पदस्थ 42 वर्षीय इंजीनियर सूरज मालवीय और भिंड जिले में पदस्थ 48 वर्षीय इंजीनियर सत्येंद्र शर्मा मृत्यु हो गई। इन्हें पिछले सात माह से वेतन नहीं मिला था। करीब बीस वर्षों से योजना में काम कर रहे इंजीनियरों में लगातार अस्थायी व्यवस्था में काम करने के कारण भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान करने की मांग

संगठन ने आरोप लगाया कि मनरेगा परिषद के आयुक्त अवि प्रसाद द्वारा समय रहते केंद्र सरकार को आवश्यक वित्तीय मांग नहीं भेजी गई। इसके अलावा प्रशासनिक तथा वेतन से जुड़े खर्च अन्य मदों में किए जाने के कारण भी यह स्थिति बनी है। परिणामस्वरूप कई जिलों में काम की गति धीमी पड़ गई है। संगठन ने सरकार से लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान करने, सेवा व्यवस्था में स्थिरता लाने तथा समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने की मांग की है।

नमन अवॉर्ड्स 2026 की घोषणा

राहुल द्रविड़ और मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्रतिष्ठित नमन अवार्ड 2026 के लिए सालाना पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस बार के समारोह में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों को सम्मानित किया जाएगा। यह भव्य कार्यक्रम 15 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और आयु-वर्ग क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मान मिलेगा।

इस वर्ष के अवॉर्ड समारोह में पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड और बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान के लिए 'कर्नल सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह बीसीसीआई का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है, जो उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने भारतीय क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान मिताली राज को 'बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर विमेन' से सम्मानित किया जाएगा।

2024ङ्क25 सीजन के प्रदर्शन के आधार पर कई खिलाड़ियों को भी प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाएंगे। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)' के लिए पॉली उमरीगर अवॉर्ड दिया जाएगा। गिल को यह सम्मान दूसरी बार मिलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम की उपकप्तान समृति मांदना को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पांचवीं बार 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला)' के पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

घरेलू क्रिकेट में भी कई खिलाड़ियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। मुंबई की युवा खिलाड़ी ईरा जादव को बल्ले से शानदार प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (घरेलू)' की जगमोहन डालमिया ट्रॉफी दी जाएगी। वहीं हरियाणा की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा को सीनियर महिला घरेलू एकदिवसीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जगमोहन डालमिया ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

पुरुष घरेलू क्रिकेट में मुंबई के आयुष मात्रे को लिमिटेड ओवर प्रतियोगिताओं में 'सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर' के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड दिया जाएगा, जबकि विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के लिए इसी श्रेणी का सम्मान मिलेगा। इसके अलावा मुंबई क्रिकेट एशोसिएशन को घरेलू टूर्नामेंट्स में शानदार प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन' का पुरस्कार दिया जाएगा, क्योंकि इस सीजन में उसने चार ट्रॉफियां जीतने के साथ दो प्रतियोगिताओं में उपविजेता स्थान भी हासिल किया।

नमन अवॉर्ड्स 2026 का एक विशेष आकर्षण उन भारतीय टीमों का सम्मान होगा जिन्होंने सभी पांच प्रमुख आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं। इसमें आईसीसी चैम्पियन्य ट्राफी 2025 और आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीतने वाली सीनियर पुरुष टीम, आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्डकप 2025 जीतने वाली महिला टीम, आईसीसी अंडर -19 क्रिकेट वर्ल्डकप 2026 जीतने वाली पुरुष अंडर-19 टीम और आईससी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्डकप 2025 जीतने वाली महिला अंडर-19 टीम शामिल हैं। यह सम्मान वैश्विक मंच पर भारतीय क्रिकेट की ऐतिहासिक सफलता का जश्न माना जा रहा है।

जगमोहन डालमिया ट्रॉफी

सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (जूनियर) घरेलू 2024-25= इरा जाधव (मुंबई)
सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (सीनियर)घरेलू 2024-25 (सीनियर महिला वन डे)- शैफाली वर्मा (हरियाणा)
2024-25 में (अंडर16) विजय मर्चेंट ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज - एलीट ग्रुप= यशबर्धन सिंह चौहान (मध्य प्रदेश)
(अंडर16) में सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी 2024-25 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी - प्लेट ग्रुप= किशन सरकार (त्रिपुरा)
2024-25 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर16) में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= शांतनु सिंह (उत्तर प्रदेश)
सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी (अंडर16) 2024-25 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी - प्लेट ग्रुप= प्रीतम राज (बिहार)

एम.ए चिदंबरम ट्रॉफी

2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= हेमचुदेशन जे (तमिलनाडु)
2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप= अर्काजित रॉय (त्रिपुरा)
2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= नित्या जे पांड्या (बड़ौदा)
2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप= राघवन राममूर्ति (पुडुचेरी)
2024-25 में (अंडर23) कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= विक्की ओस्तवाल (महाराष्ट्र)
2024-25 में (अंडर23) कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप= दीपज्योति सैकिया (असम)
2024-25 में (अंडर23) कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= मैकनील एच.एन. (कर्नाटक)
(अंडर23) में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी 2024-25 - प्लेट ग्रुप= आर जशवंत श्रीराम (पुडुचेरी)

घरेलू लिमिटेड-ओवर्स प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए

लाला अमरनाथ पुरस्कार, 2024-25= आयुष म्हात्रे (मुंबई)
रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार, 2024-25= हर्ष दुबे (विदर्भ)
2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन= मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन
2023-24 में घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ अंपायर= उल्हास गांधे (विदर्भ सीए) -
वन डे इंटरनेशनल में सर्वाधिक विकेट - 2024-25 - महिला= दीप्ति शर्मा
वन डे इंटरनेशनल में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी - 2024-25 - महिला= स्मृति मंधाना
2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पदार्पण - महिला= एन श्री चरणी
2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू - पुरुष= हर्षित राणा
2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर - महिला= स्मृति मंधाना
पॉली उमरीगर पुरस्कार - 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर - पुरुष= शुभमन गिल
कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार= रोजर बिन्नी
कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार= राहुल द्रविड़
बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार - महिला= मिताली राज

माधवराव सिंधिया पुरस्कार-

रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= हर्ष दुबे (विदर्भ)
रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप= सुचित जे (नागालैंड)
रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप= वाय.व्ही. राठौड़ (विदर्भ)
रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप= स्नेहल कौथंकर (गोवा)

आईपीएल 2026 में मजबूत दिख रही दिल्ली कैपिटल्स, आकाश चोपड़ा बोले- अब भी ट्रॉफी नहीं जीती तो करना होगा आत्ममंथन

नई दिल्ली। आगामी इंडियन प्रीमीयर लीग (आईपीएल) सीजन से पहले क्रिकेट विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने दिल्ली कैपिटल की टीम का विस्तृत विश्लेषण करते हुए कहा है कि इस बार फ्रेंचाइजी के पास बेहद संतुलित और मजबूत स्क्वॉड मौजूद है। पिछले 18 वर्षों से आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार कर रही दिल्ली की टीम को लेकर चोपड़ा का मानना है कि प्रबंधन ने इस बार टीम चयन में लगभग कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर इतनी मजबूत टीम के बावजूद भी दिल्ली खिताब नहीं जीत पाती है, तो फ्रेंचाइजी को अपने फैसलों और रणनीतियों पर गंभीरता से आत्ममंथन करना पड़ेगा। चोपड़ा ने याद दिलाया कि दिल्ली 2020 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन अब तक खिताब से दूर रही है।

दिल्ली की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्पिन गेंदबाजी को माना जा रहा है। चोपड़ा के अनुसार टीम का असली 'इंजन रूम' उसका स्पिन आक्रमण है, जिसमें अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्रज निगम जैसे विकल्प शामिल हैं। कुलदीप यादव को लेकर उन्होंने कहा कि अगर लीग के शीर्ष स्पिनरों की सूची बनाई जाए तो उसमें कुलदीप का नाम जरूर होगा। चोपड़ा ने उन्हें बेहद चतुर और प्रभावी गेंदबाज बताया, जो बल्लेबाजों को पढ़ने में माहिर हैं। वहीं अक्षर पटेल की ऑलराउंड क्षमता और लेग स्पिन विकल्प टीम को विविधता प्रदान करते हैं, जिससे दिल्ली का स्पिन विभाग किसी भी बल्लेबाजी क्रम को मुश्किल में डाल सकता है।

बल्लेबाजी की बात करें तो टीम के पास केएल राहुल के रूप में एक भरोसेमंद ओपनर मौजूद है। चोपड़ा का मानना है कि राहुल को उनके स्वाभाविक अंदाज में खेलने की पूरी छूट दी जानी चाहिए, क्योंकि वह टीम के लिए 500 से 600 रन का मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। उनके अनुसार अन्य बल्लेबाजों को राहुल के इर्द-गिर्द आक्रामक भूमिका निभानी चाहिए। टीम ने मध्यक्रम को मजबूत करने के लिए नीतिश राणा को भी शामिल किया है, जबकि डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और पृथ्वी शॉ जैसे विस्फोटक बल्लेबाज टीम को मजबूत बल्लेबाजी क्रम प्रदान करते हैं।

हालांकि चोपड़ा ने टीम की तेज गेंदबाजी को थोड़ा कमजोर पक्ष भी बताया है। उनके अनुसार भारतीय तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ हद तक अनिश्चित नजर आता है। टी नटराजन की फिटनेस और मुकेश कुमार की कभी-कभी महंगी गेंदबाजी चिंता का कारण बन सकती है। इसके अलावा कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबीदार पर टीम ने बड़ा दांव खेला है, लेकिन वह इस स्तर पर अभी पूरी तरह परखे नहीं गए हैं। चोपड़ा का मानना है कि टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही प्लेइंग इलेवन तय करने और पूरे सीजन उसी संतुलन को बनाए रखने की होगी।

चोपड़ा के मुताबिक दिल्ली कैपिटल्स के पास इस बार शीर्ष चार में जगह बनाने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा कि हेमंत बदानी, वेणुगोपाल राव और मुनाफ पटेल जैसे अनुभवी भारतीय कोचिंग स्टाफ की मौजूदगी टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान की रणनीति, खिलाड़ियों की फिटनेस और थोड़े से भाग्य के सहारे दिल्ली कैपिटल्स आखिरकार अपना पहला आईपीएल खिताब जीत पाती है या नहीं।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम - अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, टी. नटराजन, नितीश राणा, पृथ्वी शॉ, मुकेश कुमार, आकिब नबी, बेन डकेट, आशुतोष शर्मा, पथुम निसांका, अभिषेक पोरेल, लुंगी एंगिडी, काइल जैमीसन, समीर रिजवी, दुष्मंथा चमीरा, करुण नायर, विपराज निगम, माधव तिवारी, अजय मंडल, साहिल पारख, त्रिपुराना विजय।

द हंड्रेड नीलामी के बाद तुलना में दिखा बड़ा अंतर, आईपीएल खिलाड़ियों पर कहीं ज्यादा पैसा

नई दिल्ली। इंग्लैंड की फ्रेंचाइजी टी20 लीग द हंड्रेड के लिए हाल ही में खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित की गई, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को टीमों ने अपने साथ जोड़ा। इस नीलामी के दौरान पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को सनराइजर्स लीड्स ने खरीदा, जिसके बाद भारत में सोशल मीडिया पर कई लोगों ने नाराजगी भी जताई। वहीं नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स रहे, जिन्हें लंदन स्पिरिट ने करीब 4.8 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। इस नीलामी में टॉप खिलाड़ियों की सूची में कई बड़े नाम भी शामिल रहे। इनमें इंग्लैंड के दिग्गज स्पिनर आदील रशीद, स्टार बल्लेबाज जो रुट और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हालांकि इस नीलामी के बाद एक बार फिर इंग्लैंड की इस लीग और भारत की प्रमुख टी20 लीग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीच आर्थिक अंतर साफ दिखाई दिया।

विदेशी खिलाड़ियों से मजबूत दिख रही आरसीबी - कुंबले

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इससे पहले क्रिकेट विशेषज्ञ अलग-अलग टीमों का विश्लेषण करने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर बैंगलुरु की टीम का आकलन किया है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की ताकत उसके विदेशी खिलाड़ी हैं, जो टीम को काफी मजबूत बनाते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि प्लेइंग इलेवन तय करना टीम मैनेजमेंट और कप्तान के लिए आसान नहीं होगा। रजत पाटीदार की अगुवाई वाली आरसीबी 28 मार्च को सनराईज हैदराबाद के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

कुंबले के मुताबिक आरसीबी के लिए यह बेहद जरूरी होगा कि वह अपने विदेशी खिलाड़ियों का सही संयोजन बनाए। उन्होंने खास तौर पर रोमारिया शैपर्ड और टिम डेविड को एक साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की सलाह दी। कुंबले का मानना है कि ये दोनों खिलाड़ी निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह जोड़ी एक साथ मैदान पर उतरती है तो आरसीबी की बल्लेबाजी और भी खतरनाक हो सकती है।

पूर्व कप्तान ने टीम संयोजन पर बात करते हुए इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जेकब बेथेल को लेकर भी चर्चा की। उनका कहना था कि टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि बेथेल को अंतिम एकादश में किस तरह फिट किया जाए। हालांकि उन्होंने साफ किया कि विकेटकीपर बल्लेबाज फिंन साल्ट का शुरुआती टीम में खेलना लगभग तय माना जा रहा है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हैजलबुड फिट रहते हैं तो वह भी प्लेइंग इलेवन में शामिल होंगे। ऐसे में बाकी दो विदेशी खिलाड़ियों के रूप में टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड को मौका दिया जा सकता है, जिससे टीम का संतुलन काफी मजबूत दिखाई देता है। कुंबले ने यह भी कहा कि टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि चार विदेशी खिलाड़ियों में किसे अंतिम एकादश में जगह दी जाए। इस फैसले के लिए कप्तान रजत पार्टीदार और टीम मैनेजमेंट को काफी सोच-विचार करना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वेंकटेश अर्यर को शुरुआती मैचों में प्लेइंग इलेवन में जगह मिलेगी। कुंबले के अनुसार टीम को वही खिलाड़ी प्राथमिकता देनी चाहिए जिन्होंने पिछले सीजन में आरसीबी को 18 साल बाद खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल को टीम में शामिल करने की भी वकालत की और कहा कि चोट के कारण वह पिछले कुछ अहम मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन उनका फॉर्म शानदार रहा है। कुंबले ने इम्पैक्ट प्लेयर रणनीति पर भी अपनी राय दी। उनके अनुसार अगर आरसीबी पहले गेंदबाजी करती है तो पडिक्कल इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर बल्लेबाजी में अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि पहले बल्लेबाजी की स्थिति में स्पिनर सूयश शर्मा को गेंदबाजी के लिए इम्पैक्ट प्लेयर बनाया जा सकता है। उनका मानना है कि पिछले सीजन में इसी तरह की रणनीति ने टीम को संतुलित बनाया था और इस बार भी आरसीबी इसी फॉर्मूले पर आगे बढ़ सकती है।

सौरव गांगुली की चेतावनी, बोले- 2027 वनडे वर्ल्ड कप में होगी असली परीक्षा

नई दिल्ली । हाल ही में टीम इंडिया ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुवाई में आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस जीत के साथ गौतम गंभीर ऐसे पहले भारतीय कोच बन गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल में टीम को आईसीसी चैम्पियन ट्राफी और टी20 विश्व कप दोनों का खिताब दिलाया है। हालांकि इस ऐतिहासिक सफलता के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सौरभ गांगुली ने टीम को सतर्क रहने की सलाह दी है और कहा है कि असली चुनौती अभी बाकी है। एक इंटरव्यू में गांगुली ने कहा कि सफेद गेंद के क्रिकेट में भारतीय टीम की असली परीक्षा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में होगी। यह टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों की क्षमता की कड़ी परीक्षा लेंगी। गांगुली का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम मजबूत है और उसके पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की भरमार है, इसलिए अगर टीम सही दिशा में आगे बढ़ती है तो वह इस चुनौती में भी सफल हो सकती है।

गांगुली ने यह भी कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफलता मिलने के बावजूद भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की जरूरत है। उनके मुताबिक रेड बॉल क्रिकेट में टीम को विकेटों के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचने के बजाय अपनी प्रणाली पर भरोसा करना चाहिए और बेहतर पिचों पर खेलने की मानसिकता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि घरेलू सीरीज, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में केवल टर्निंग ट्रैक तैयार करने की रणनीति से बचना चाहिए। गांगुली के अनुसार अच्छे और संतुलित विकेट बेहतर क्रिकेट को जन्म देते हैं और इससे टीम का प्रदर्शन भी मजबूत होता है। उनका मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में निरंतर सफलता के लिए यही रास्ता सबसे सही है।

पूर्व कप्तान ने गौतम गंभीर के कामकाज की भी सराहना की और कहा कि वह एक सक्षम कोच हैं। गांगुली ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले भी कहा था कि गंभीर को टीम के साथ काम करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक सीमित ओवरों के क्रिकेट में गंभीर ने खुद को साबित किया है और उनके पास एक मजबूत टीम भी मौजूद है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पिछले ढाई वर्षों में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की है। हालांकि आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप 2023 में टीम को हार का सामना करना पड़ा था, जहां खिताब आस्ट्रेलिया के पास गया था। अब 2027 के विश्व कप में भारत के पास ऑस्ट्रेलिया से ट्रॉफी छीनकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा और मजबूत करने का मौका होगा।

बुमराह की यॉर्कर का दुनिया में नहीं कोई मुकाबला

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी ने एक बार फिर विश्व क्रिकेट में उनकी खास पहचान को मजबूत कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें मौजूदा समय का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज बताया है। क्लार्क का मानना है कि 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता और बेहद सटीक यॉर्कर बुमराह को बाकी तेज गेंदबाजों से अलग बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह जैसी यॉर्कर पूरी दुनिया में शायद ही कोई गेंदबाज डाल पाता हो।

हाल ही में भारत की आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीत के बाद क्लार्क ने बुमराह के प्रदर्शन को खास तौर पर सराहा। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबलों में दबाव झेलकर मैच जिताने की क्षमता ही बुमराह को खास बनाती है। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए क्लार्क ने कहा कि 15 रन देकर चार विकेट लेना किसी भी बड़े मैच में असाधारण उपलब्धि है। उनके अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जो मुश्किल परिस्थितियों में भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

क्लार्क ने बुमराह की गेंदबाजी के तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से बात की। उनका कहना है कि बुमराह की सबसे कम आंकी जाने वाली खासियत उनकी विविधता और सटीक एग्जीक्यूशन है। उन्होंने कहा कि बुमराह के पास गेंदबाजी के इतने विकल्प हैं, जो बहुत कम तेज गेंदबाजों के पास होते हैं। क्लार्क के मुताबिक बुमराह 100 में से 99 बार अपनी योजना को बिल्कुल सटीक तरीके से लागू करते हैं। वह पिच और परिस्थितियों को तेजी से समझ लेते हैं और उसी हिसाब से अपनी गेंदबाजी रणनीति बदल देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड से तुलना करते हुए क्लार्क ने कहा कि ये तीनों गेंदबाज अपने आप में महान हैं, लेकिन बुमराह जैसी विविधता शायद ही किसी के पास हो। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इन गेंदबाजों ने कभी केवल धीमी गेंदों के दम पर किसी भी प्रारूप में तीन या चार विकेट हासिल किए हैं। क्लार्क ने बुमराह की धीमी गेंद को बेसबॉल की कर्वबॉल जैसा बताया, जो हवा में ही अपना रास्ता बदलती नजर आती है।

क्लार्क ने बुमराह की तुलना श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा से भी की। उनके अनुसार बुमराह का अनोखा गेंदबाजी एक्शन, गति और सटीक नियंत्रण उन्हें मलिंगा के सबसे करीब बनाता है। क्लार्क का मानना है कि चाहे नई गेंद हो या डेथ ओवर, बुमराह हर परिस्थिति में उतने ही खतरनाक साबित होते हैं। यही कारण है कि वह इस समय विश्व क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी को झटका, जोश हेजलवुड का पहला मैच खेलना मुश्किल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन के पहले चरण का शेड्यूल जारी हो चुका है और टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। उद्घाटन मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। हालांकि सीजन शुरू होने से पहले आरसीबी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि टीम के स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अभी भी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में उनका पहले मुकाबले में खेलना लगभग नामुमकिन माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि हेजलवुड को अभी तक टीम के फिजियो की ओर से मैदान पर उतरने की अनुमति नहीं मिली है। पिछले कुछ महीनों से वह लगातार चोटों से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया में हैं। इसी वजह से उनके शुरुआती कुछ मुकाबलों से भी बाहर रहने की संभावना जताई जा रही है।

गौरतलब है कि हेजलवुड ने नवंबर में न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच खेले गए शेफील्ड शील्ड मैच के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। इसके बाद उन्हें 2025-26 की द एशेज सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था। बाद में उन्हें आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले उन्हें पिंडली में चोट लग गई, जिसके कारण वह आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच से भी बाहर हो गए। हेजलवुड की अनुपस्थिति में टीम में बदलाव भी देखने को मिला। ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनकी जगह स्टीव स्मिथ को शामिल किया गया था, हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल सके। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई।

कुल मिलाकर पिछले कुछ महीनों में हेजलवुड हैमस्ट्रिंग, अकिलीज और पिंडली की समस्याओं से परेशान रहे हैं। यही वजह है कि उनकी फिटनेस को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। फिलहाल वह फिजियो की निगरानी में हैं और आईपीएल में उनकी वापसी इस बात पर निर्भर करेगी कि उन्हें मेडिकल टीम से कब हरी झंडी मिलती है। रिपोर्ट के मुताबिक आरसीबी के लिए हेजलवुड की मौजूदगी बेहद अहम मानी जा रही है। फ्रेंचाइजी के एक सूत्र ने बताया कि पिछले सीजन में टीम की ऐतिहासिक पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत में हेजलवुड की गेंदबाजी का बड़ा योगदान था। हालांकि टीम के पास विदेशी तेज गेंदबाजों के रूप में जैकब डफी और जैकब डफी जैसे विकल्प मौजूद हैं, लेकिन अनुभव और प्रभाव के मामले में हेजलवुड की भूमिका अलग ही मानी जाती है। ऐसे में आरसीबी को उम्मीद है कि वह जल्द फिट होकर टीम से जुड़ पाएंगे।

घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते मिले 4 प्रतिष्ठान, 4 सिलेंडर जब्त

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग किए जाने पर नगरीय क्षेत्र बालाघाट में राजस्व तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा शनिवार को कार्रवाई करते हुए शहर के चार प्रतिष्ठानों से कुल 4 गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जांच के दौरान पाया गया कि कुछ खाद्य प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए किया जा रहा था। इस पर कार्रवाई करते हुए बालाजी चाइनीज एंड डोसा सेंटर (चौपाटी बालाघाट) के संचालक नंदराम अहिरवार, संजू चाइनीज चौपाटी बालाघाट के संचालक पंकज रोकड़े, इंदौर स्वीट्स कारखाना की संचालक सुश्री कासिस (पिता आशीष साहू) तथा बजरंग भोजनालय बालाघाट के संचालक परमानंद शर्मा के यहां से एक-एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया।

जब्त किए गए सभी चार गैस सिलेंडरों को एचपी गैस एजेंसी बालाघाट की सुरक्षित अभिरक्षा में जमा करा दिया गया है। विभाग के अनुसार यह कार्रवाई पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के उल्लंघन के चलते की गई है। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग नियमों के विरुद्ध है और इस प्रकार के मामलों में आगे भी नियमित जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम एशिया संकट पर ईरान की ब्रिक्स वाली शर्त! बढ़ाई भारत की टेंशन

नई दिल्ली। वर्तमान में ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है, जंग लड़ रहे ईरान की इच्छा हैं कि ब्रिक्स में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ प्रस्ताव पास किया जाए। लेकिन ईरान का यह आग्रह वर्तमान में भारत के लिए संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा करता है। ब्रिक्स के कुछ सदस्य ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब सीधे तौर पर इस क्षेत्रीय तनाव से जुड़े हुए हैं, इससे साझा बयान जारी करना कठिन हो गया है। वहीं, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की ओर से ईरान पर सैन्य हमलों की निंदा करना अपेक्षाकृत सरल था, जबकि ब्रिक्स में संतुलित रुख तैयार करना अधिक जटिल है। भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से भी फोन पर इस मुद्दे पर चर्चा की। यह माना जा रहा है कि ब्रिक्स के सदस्यों के हितों को ध्यान में रखकर सभी के लिए स्वीकार्य बयान तैयार करने को लेकर प्रारंभिक स्तर पर बातचीत चल रही है।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जयशंकर को अमेरिका और इजरायल के कथित हमलों के बाद की स्थिति और उसके क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्थिरता पर प्रभाव से अवगत कराया। उन्होंने ईरान के आत्मरक्षा के वैध अधिकार पर बल दिया और अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय संगठनों से देश के खिलाफ सैन्य आक्रामकता की निंदा करने का आग्रह किया। इसके साथ ही, उन्होंने ब्रिक्स देशों की वैश्विक स्थिरता में भूमिका पर जोर दिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार रात ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया की गंभीर स्थिति पर चर्चा की। मोदी ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव, आम लोगों की जान जाने और असैन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सामान तथा ईंधन के निर्बाध परिवहन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। मोदी ने शांति और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और संकट को समाप्त करने के लिए संवाद एवं कूटनीति का महत्व रेखांकित किया। पेजेश्कियन ने भी भारत को ईरान की मौजूदा स्थिति और हाल के घटनाक्रम पर अपने दृष्टिकोण से अवगत कराया। इस कूटनीतिक सक्रियता के माध्यम से भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि क्षेत्रीय तनाव के बावजूद व्यापार, ऊर्जा और नागरिक सुरक्षा प्रभावित न हों। इस प्रकार, भारत ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में संतुलित कूटनीति अपनाते हुए ईरान सहित सभी संबंधित पक्षों से संवाद जारी रखे हुए है, ताकि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता बनी रहे। भारत की भूमिका संकट में मध्यस्थता और सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य रुख तैयार करने की रही है, जो आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में और अधिक प्रासंगिक साबित होगी।

नसबंदी के बाद भी महिलाएं हो रहीं गर्भवती, देना पड़ रहा है 7.79 करोड़ का मुआवजा

चंडीगढ़। हरियाणा में परिवार नियोजन कार्यक्रम को लेकर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 से 2025 के बीच नसबंदी ऑपरेशन कराने के बावजूद 1299 महिलाएं गर्भवती हो गईं। इससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। परिवार नियोजन कार्यक्रम संबंधी मामले की जांच में सामने आया कि कई ऑपरेशन प्रभावी नहीं रहे, जिसके कारण महिलाओं को अनचाही गर्भावस्था का सामना करना पड़ा। इन मामलों में सरकार को प्रभावित महिलाओं को मुआवजे के रूप में कुल 7.79 करोड़ रुपये देने पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से परिवार नियोजन कार्यक्रम की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ सकता है।

एसडीएम श्री गुप्ता ने बैहर-सालेटेकरी सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

लापरवाही पर इंजीनियर व ठेकेदार को लगाई फटकार

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। दिनांक 14 मार्च 2026 को क्षेत्र भ्रमण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर अर्पित गुप्ता ने बैहर अनुभाग अंतर्गत राजमार्ग एसएच-48 (बैहर से सालेटेकरी) पर चल रहे सड़क मरम्मत एवं निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री गुप्ता ने ग्राम दमोह में लगभग 750 मीटर सीसी रोड निर्माण कार्य का अवलोकन किया, जो लंबे समय से प्रारंभ नहीं हो पाया था। पूर्व में कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्य शुरू नहीं किए जाने पर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। मौके पर उपस्थित मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के जिला प्रबंधक श्री मुकेश बेले एवं संबंधित ठेकेदार को एसडीएम ने कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि उक्त निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा करने में लगभग 25 दिन का समय लगने की बात कही गई। इस पर एसडीएम श्री गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य को बताई गई 25 दिवस की समय-सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर (परिवीक्षाधीन) एवं प्रभारी तहसीलदार बिरसा आदित्य नारायण तिवारी भी उपस्थित रहे। एसडीएम ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

भगवान राधा कृष्ण की शोभायात्रा निकालकर कराया ग्राम भ्रमण

पद्मेश न्यूज़। किरनापुर। तहसील मुख्यालय अंतर्गत ग्राम पंचायत जराही के नव निर्मित सार्वजनिक राधा कृष्ण मंदिर मे दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा एवं अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। दो दिवसीय इस कार्यक्रम के अवसर पर आज प्रथम दिन 14 मार्च दिन शनिवार को प्रातः 9 बजे भगवान राधा कृष्ण की शोभा यात्रा ग्राम मे भ्रमण कर जगह जगह पूजन किया गया। इस दौरान शोभायात्रा मे शामिल लोगो ने डीजे के धुनों पर खूब नृत्य किया। ग्राम भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा भगवान राधा कृष्ण का पूजन कर रैली मे शामिल लोगो को जलपान कराया। वही 15 मार्च दिन रविवार को प्रातः 10 बजे हवन पूजन कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। तथा शाम 6 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। एवं रात्रि मे 8 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम गोंदिया एवं बालाघाट ग्रुप द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों से आयोजित कार्यक्रमों मे उपस्थित होकर पुण्यलाभ लेने की अपील सार्वजनिक राधा कृष्ण मंदिर समिति एवं ग्राम जराही के समस्त ग्रामवासियों ने की है।

लालबर्रा में भारत गैस एजेंसी की संयुक्त जांच, सिलेंडरों की गड़बड़ी पर प्रकरण दर्ज

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के लालबर्रा में गैस सिलेंडरों के वितरण में अनियमितता की शिकायत पर प्रशासन द्वारा संयुक्त जांच की गई, जिसमें कई गड़बड़ियां सामने आई हैं।

13 मार्च को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील किरार एवं नायब तहसीलदार लालबर्रा द्वारा लालबर्रा स्थित फिजा भारत गैस एजेंसी की संयुक्त जांच की गई। जांच के दौरान एजेंसी में खाली घरेलू 14 किलोग्राम के 41 सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में 9 खाली सिलेंडर कम पाए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के विक्रय पर रोक लगने के बावजूद एजेंसी संचालक द्वारा 11 और 12 मार्च 2026 को कुल 132 व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का विक्रय किया गया। इसके अलावा एक ही प्रतिष्ठान को एक से अधिक व्यावसायिक सिलेंडर बेचे जाने की भी पुष्टि हुई।

मौके पर गैस एजेंसी के संचालक और प्रबंधक के विरुद्ध पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के 9 मार्च 2026 के आदेश तथा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 के तहत प्रकरण तैयार किया गया है।

इसी दौरान तहसील लालबर्रा अंतर्गत ग्राम बकोड़ा में स्थित मेश्राम सीएससी सेंटर की जांच के दौरान 6 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जांच के समय संचालक द्वारा सीएससी सेंटर से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। प्रशासन ने मामले में आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

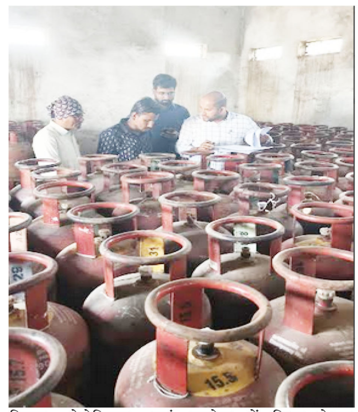

ईरान के तेल ठिकानों पर हुए हमले से निकलने वाला एसिड रेन बन सकता खतरा!

नई दिल्ली। ईरान के तेल ठिकानों पर अमेरिका-इजराइल के एयर स्ट्राइक से राजधानी तेहरान और आसपास के इलाकों में आसमान में काले बादल छा गए। धुएं ने लोगों का सांस तक लेना मुश्किल कर दिया। ईरान की एक सोसायटी ने लोगों को एसिड रेन से बचने की चेतावनी दी है। इन जहरीले बादलों और एसिड रेन का ईरान के साथ-साथ बाकी दुनिया पर क्या असर पड़ेगा।

इस समय ईरान से पाकिस्तान के पश्चिमी क्षेत्र (बलूचिस्तान) तक हवाएं उत्तर-पश्चिमी दिशा में बह रही है। पाकिस्तान का मौसम विभाग इन बादलों और जहरीले धुएं को लेकर पहले ही चेतावनी जारी कर चुका है। हालांकि भारत के मामले में अभी सीधा खतरा कम है। हिमालय और ईरान से दूरी इसकी मुख्य वजह है। फिर भी यदि ऊपरी सतह पर चलने वाली तेज हवाएं मजबूत हो, तो इस काले गुबार के महीन कण गुजरात, राजस्थान और पंजाब तक पहुंच सकते हैं। अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान पहले प्रभावित होंगे। तेल जलने से निकलने वाले कण पांच से 10 दिनों में 2000 से 3000 किमी दूर तक फैल सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस एसिड रेन का तत्काल प्रभाव एक से दो हफ्ते तक बना रह सकता है, लेकिन इसका दीर्घकालीन असर कई सालों तक महसूस होगा। मिट्टी में जमा एसिडिटी 10 से 20 साल तक बनी रह सकती है। यह मिट्टी की बफर क्षमता को खत्म कर देगी। इंसानों में इसकी वजह से श्वास संबंधित रोग 20 से 30फीसदी तक बढ़ सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा खतरा है। खेतों में उपज 10-15फीसदी कम हो सकती है। इससे आने वाले समय में खाद्य संकट भी पैदा हो सकता है।

एसिड रेन से पेड़-पौधों की जड़ें कमजोर हो जाती है, पत्तियां झुलस जाती है और वनों की जैव विविधता नष्ट हो जाती है। इंसानों में न्यूरोलॉजिकल विकार संभव है। तेहरान जैसे घनी आबादी वाले शहर में जहां पहले से वायु प्रदूषण ज्यादा है, यह स्थिति महामारी जैसी बन सकती है। अतीत में वियतनाम का एजेंट ऑरेंज, यूक्रेन युद्ध का प्रदूषण जोखिम पैदा कर चुका है। ये केमिकल युक्त बादल भारी धातुओं जैसे लेड, मरकरी को मिट्टी व पानी में जमा करेंगे। इससे ये फूड चेन में शामिल हो जाएंगे और फिर खाने के जरिये शरीर में पहुंच कर डीएनए को नुकसान पहुंचा सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण में देशों की इच्छाशक्ति से सकारात्मक परिणाम दिखे है। बात दें बीते एक साल में दुनिया ने 1.5 डिग्री स्तर की सीमा को पार कर लिया है। इन युद्धों की वजह से गर्मी और कितनी बढ़ सकती है? यह युद्ध उत्सर्जन को बढ़ाकर वॉर्मिंग को 2.3 से 2.5 डिग्री सेल्सियस तक ले जा सकता है। ईरान जैसे तेल उत्पादक देश में युद्ध से वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा होगा, कोयले पर निर्भरता बढ़ेगी। इसकी वजह से भी गर्मी भयानक स्तर पर जा सकती है। ईरान को तुरंत वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित करने, प्रभावित मिट्टी को चूने से न्यूट्रलाइज करने और स्वास्थ्य शिविर लगाने होंगे। भारत को पाकिस्तान सीमा पर निगरानी मजबूत और मॉनसून पूर्व चेतावनी जारी करनी चाहिए।

उद्योग शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर 17 मार्च को नौ न्यायाधीशों की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 17 मार्च से औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत उद्योग शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर सुनवाई करेगी। न्यायालय की 17 मार्च की कार्यसूची के अनुसार, मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ करेगी। इस पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल हैं। इसके पहले 16 फरवरी को न्यायालय ने उन व्यापक मुद्दों को तैयार किया था, जिन पर इस पीठ को निर्णय लेना है। देश की शीर्ष अदालत को विचार करना है कि क्या 1978 के बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड मामले में न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर द्वारा उद्योग को परिभाषित करने के लिए तय किए गए मानक सही हैं? साथ ही, पीठ यह देखेगी कि औद्योगिक विवाद (संशोधन) अधिनियम, 1982 और औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 (जो 21 नवंबर, 2025 से प्रभावी है) का मूल अधिनियम में उद्योग शब्द की व्याख्या पर क्या कानूनी प्रभाव पड़ता है।

पीठ द्वारा तय किए मुख्य मुद्दों में से एक यह है कि क्या सरकारी विभागों द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कल्याण कार्यों, योजनाओं या अन्य उद्यमों को औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 2(जे) के तहत औद्योगिक गतिविधियां माना जाए। अदालत ने संबंधित पक्षों को 28 फरवरी तक अपनी लिखित दलीलें देने का मौका दिया था। नौ न्यायाधीशों की यह पीठ 17 को सुनवाई शुरू कर 18 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बता दें कि 2017 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी एस ठाकुर की अध्यक्षता वाली सात न्यायाधीशों की पीठ ने मुद्दे के गंभीर और व्यापक प्रभावों को देखकर इस मामले को नौ न्यायाधीशों की पीठ को भेजने का निर्णय लिया था। इसके पहले मई 2005 में भी एक पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मामले को बड़ी पीठ के पास भेज दिया था। यह कानूनी विवाद दशकों पुराना है। साल 1996 में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सामाजिक वानिकी विभाग को उद्योग माना था, लेकिन 2001 में दो न्यायाधीशों की पीठ ने अलग राय व्यक्त की, जिसके बाद मामला बड़ी पीठों के पास पहुंचता गया।

एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर अकासा...15 मार्च से अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलेगी

नई दिल्ली। अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों में बाहर घूमने का प्लान कर रहे हैं, तब आपकों अपनी जेब थोड़ी ज्यादा ढीली करनी होगी। एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर चलते हुए अब अकासा एयर ने भी ईंधन की बढ़ती कीमतों का बोझ यात्रियों पर डालने का फैसला किया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण एयरलाइन 15 मार्च से टिकट बुकिंग पर 1300 रुपये तक का अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलेगी। अकासा एयर के प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार, ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना अनिवार्य हुआ है। नए चार्ज 15 मार्च 2026 की रात 00ः01 बजे से होने वाली सभी बुकिंग पर लागू होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी (फेज-2) के लिए आवेदन शुरू, 24 मार्च तक कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने पीएचडी कार्यक्रम (फेज-2) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से 24 मार्च 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। यह मौका उन छात्रों के लिए है जो विभिन्न विषयों में शोध कर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय ने पीएचडी कार्यक्रम के दूसरे चरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल खोल दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, जिसमें उम्मीदवारों को अपनी शैक्षणिक जानकारी, आवश्यक दस्तावेज और अन्य विवरण भरना होगा।

कोलकाता में पीएम मोदी की रैली से पहले आपस में भिड़ गए बीजेपी और टीएमसी के कार्यकर्ता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली से पहले राजनीतिक तनाव हिंसा में बदल गया। मध्य कोलकाता के गिरिश पार्क इलाके में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह घटना ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित रैली से करीब आधे घंटे पहले हुई। पश्चिम बंगाल सरकार की मंत्री और टीएमसी की वरिष्ठ नेता डॉ.शशि पांजा ने आरोप लगाया कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनके आवास के बाहर तृणमूल समर्थकों पर हमला किया और पथराव किया। उनके अनुसार घटना में 50 से अधिक टीएमसी कार्यकर्ता घायल हुए। उन्होंने बताया कि पथराव के दौरान उनकी ओर भी एक बड़ा पत्थर फेंका गया, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें तुरंत अंदर सुरक्षित स्थान पर ले जाया। टीएमसी नेता पांजा ने कहा कि हालात बेहद तनावपूर्ण थे और हमला अचानक हुआ।

मंत्री ने बीजेपी पर 'बॉयकॉट बीजेपी' लिखे बैनर को फाड़ने का आरोप भी लगाया। उनका कहना है कि बैनर फाड़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच बहस और मारपीट शुरू हुई, जो जल्द ही पथराव में बदल गई। उन्होंने दावा किया कि इस झड़प में केवल पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी भी घायल हुए। पांजा ने कहा कि कोलकाता में इस तरह की गुंडागर्दी पहले कभी नहीं देखी गई और यह घटना बेहद गंभीर है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह हिंसा रैली स्थल से करीब 5 किलोमीटर दूर हुई।

संभल मामले में नाराज जज ने कहा...अधिकारियों को पद छोड़ देना चाहिए या अपना तबादला करवा लें

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संभल में रमजान के दौरान नमाजियों की संख्या सीमित करने के मामले में स्थानीय प्रशासन पर सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि किसी मस्जिद या निजी परिसर में नमाज अदा करने वालों की संख्या सीमित नहीं हो सकती। यदि प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थ है, तब अधिकारियों को पद छोड़ देना चाहिए या अपना तबादला करवा लेना चाहिए।

यह मामला संभल में रमजान के दौरान नमाज रोकने से जुड़ा है। इस पर सुनवाई जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की डिवीजन बेंच कर रही है। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य का कर्तव्य है कि हर समुदाय को अपने निर्धारित पूजा स्थल पर शांतिपूर्वक धार्मिक अनुष्ठान करने की पूरी स्वतंत्रता मिले। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई पूजा या धार्मिक कार्यक्रम निजी संपत्ति पर हो रहा है, तो इसके लिए राज्य से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। राज्य का हस्तक्षेप केवल तब जरूरी होता है जब धार्मिक आयोजन सार्वजनिक भूमि पर हो या सार्वजनिक संपत्ति तक फैल रहा हो। इस मामले में याचिकाकर्ता मुनाजिर खान ने अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि गाटा संख्या 291 पर स्थित परिसर में रमजान के दौरान उन्हें नमाज अदा करने से रोका जा रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि वहां मस्जिद मौजूद है, हालांकि अदालत में मस्जिद या पूजा स्थल की कोई तस्वीर पेश नहीं की गई। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार गाटा संख्या 291 का मालिकाना हक मोहन सिंह और भूरज सिंह के नाम दर्ज है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए वहां केवल 20 लोगों को नमाज पढ़ने की अनुमति दी थी। हालांकि अदालत ने राज्य की इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि धार्मिक स्वतंत्रता को सीमित करना। मामले में आगे की सुनवाई 16 मार्च को होगी, जिसमें याचिकाकर्ता अतिरिक्त हलफनामा और साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

न्यूज गैलरी

शांति व्यवस्था बिगाड़ने पर दो युवक गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में शहर के अलग-अलग स्थानों पर हंगामा और विवाद करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। उनके निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित

उपाध्याय और नगर पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने पुलिस स्टाफ को शहर में सतर्कता बरतने और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में 12 मार्च की रात करीब 9:10 बजे गड्डा मोहल्ला बैहर रोड क्षेत्र में अमान उर्फ राहिल पिता आशिफ कुरैशी उम्र 22 वर्ष निवासी शांतिनगर बालाघाट सड़क पर गाली-गलौज करते हुए यह कहते हुए विवाद कर रहा था कि उसके मोहल्ले से कौन व्यक्ति बार-बार उसकी पुलिस में शिकायत करता है। मौके पर पहुंचे प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे और बीट ड्यूटी में लगे पुलिस स्टाफ ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह और अधिक उत्तेजित हो गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने संज्ञेय अपराध की आशंका के आधार पर उसे धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह उसी रात करीब 9:30 बजे भटेरा चौकी मेन रोड क्षेत्र में रितिक उर्फ अक्कू ब्रम्हे पिता राजकुमार उम्र 22 वर्ष निवासी इंग्लिश स्कूल कोसमी बालाघाट किसी लड़की से बात करने से मना करने की बात को लेकर सड़क पर गाली-गलौज करते हुए विवाद कर रहा था। मौके पर पहुंचे प्रधान आरक्षक हितेश रहांगडाले और डायल-112 में तैनात पुलिस स्टाफ ने उसे भी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह पुलिस को देखकर और अधिक आक्रोशित हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे भी धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए इस्तगासा तैयार कर उन्हें माननीय अनुविभागीय दंडाधिकारी न्यायालय बालाघाट में पेश किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आगे भी बालाघाट कोतवाली पुलिस द्वारा शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों और नशाखोरों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नेता प्रतिपक्ष के इस्तीफे पर नपा. में दिनभर चर्चा, नए चेहरे की दौड़ शुरू

कुछ पार्षदों ने ठोकी दावेदारी, तो कुछ अब भी योगराज लिल्हारे को ही देखना चाहते हैं नेता प्रतिपक्ष

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष पद से पार्षद योगराज लिल्हारे के इस्तीफे के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। उनके इस्तीफे की चर्चा के बीच अब कांग्रेस के कुछ पार्षदों ने नेता प्रतिपक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी भी पेश करना शुरू कर दिया है, जबकि कुछ पार्षद अब भी योगराज लिल्हारे को ही इस पद पर बनाए रखने के पक्ष में नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के पार्षदों के बीच इस मुद्दे को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। जहां एक ओर कुछ पार्षद नए नेता प्रतिपक्ष के चयन की बात कर रहे हैं, दूसरी ओर कुछ पार्षदों का मानना है कि योगराज लिल्हारे को ही इस पद पर बने रहना चाहिए। इधर सत्ता पक्ष के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का भी कहना है कि योगराज लिल्हारे परिषद के एक महत्वपूर्ण अंग हैं और उन्हें इस प्रकार अचानक निर्णय नहीं लेना चाहिए था। कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके ने इस मामले में कहा कि अभी तक उनके पास योगराज लिल्हारे का इस्तीफा नहीं पहुंचा है। उनके अनुसार आधिकारिक रूप से इस्तीफा प्राप्त होने के बाद ही इस पर आगे की प्रक्रिया और निर्णय लिया जाएगा।

नगर पालिका बालाघाट में वार्ड क्रमांक 02 के पार्षद योगराज लिल्हारे द्वारा नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद शनिवार 14 मार्च को पूरे दिन यह मामला चर्चा का विषय बना रहा। नगर पालिका परिसर में पार्षदों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच इसी मुद्दे को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं होती रहीं। कई कांग्रेस और भाजपा समर्थित पार्षदों का मानना है कि योगराज लिल्हारे एक वरिष्ठ और बेबाक पार्षद हैं, जो नेता प्रतिपक्ष की भूमिका को मजबूती से निभा रहे थे। ऐसे में उन्हें इस तरह अचानक इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। उनका कहना है कि नगर पालिका परिषद में विपक्ष की आवाज को मजबूती से उठाने में उनकी भूमिका अहम रही है। हालांकि अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्षदों के बीच चल रही खींचतान की जानकारी सभी को नहीं है। बताया जा रहा है कि पार्टी के भीतर चल रही कुछ शिकायतों और मतभेदों से योगराज लिल्हारे नाराज चल रहे थे। उनका कहना है कि वे अब इस तरह की परिस्थितियों में काम नहीं करना चाहते, इसलिए उन्होंने स्वेच्छा से नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। योगराज लिल्हारे का कहना है कि वे अब यह जिम्मेदारी अपने अन्य कांग्रेसी पार्षद साथियों को देना चाहते हैं ताकि वे इस पद की भूमिका और जिम्मेदारी को आगे निभा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि इस्तीफा देने के फैसले से वे संतुष्ट हैं। कांग्रेस के कुछ पार्षदों का मानना है कि योगराज लिल्हारे को ही नेता प्रतिपक्ष के पद पर बने रहना चाहिए था। दूसरी ओर उनके इस्तीफे के बाद कांग्रेस के कुछ पार्षदों ने नेता प्रतिपक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी भी खुलकर सामने रखनी शुरू कर दी है और मीडिया के सामने अपनी इच्छा जाहिर की है। अब देखना होगा कि कांग्रेस संगठन इस मामले में क्या निर्णय लेता है और नगर पालिका में विपक्ष का नया नेता प्रतिपक्ष किसे बनाया जाता है।

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने कहा

पुनः विचार करें

जहां एक ओर कांग्रेस पार्षद दल के कुछ पार्षदों का मानना है कि योगराज लिल्हारे को नेता प्रतिपक्ष के पद पर बने रहना चाहिए, वहीं नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और उपाध्यक्ष योगेश बिसेन ने भी इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि योगराज लिल्हारे परिषद के एक महत्वपूर्ण अंग हैं और उन्हें इस प्रकार अचानक नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने उनसे अपने फैसले पर पुनः विचार करने की अपील की है।

इन पार्षदों ने जताई नेता प्रतिपक्ष की दावेदारी

एक ओर जहां योगराज लिल्हारे ने नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के कुछ पार्षद अब इस पद के लिए अपनी दावेदारी भी जताने लगे हैं। हालांकि कई पार्षदों का मानना है कि योगराज लिल्हारे को ही यथावत इस पद पर बने रहना चाहिए। इसके बावजूद वार्ड क्रमांक 5 की पार्षद लोहिना पवन पंचेश्वर और वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल ने कहा है कि यदि पार्टी उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपती है तो वे संगठन के निर्णय और पार्टी के आदेश का पालन करेंगे।

अभी तक इस्तीफा नहीं पहुंचा- संजय उइके

इस पूरे मामले को लेकर जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके से दूरभाष पर चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि वे फिलहाल भोपाल में हैं और उनके पास अभी तक नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे का इस्तीफा नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इस संबंध में जानकारी प्राप्त होगी, वे पूरे मामले को लेकर मीडिया को अपडेट देंगे।

10 वर्ष पुराने अपहरण व चाइल्ड ट्रैफिकिंग मामले की फरार आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस इन दिनों फरार वारंटियों और वांछित आरोपियों की धरपकड़ में लगातार कार्रवाई कर रही है। हाल ही में 12 वर्षों से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। इस बार पुलिस ने वर्ष 2016 के अपहरण एवं चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े मामले की फरार महिला आरोपी को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी कविता उर्फ सुशीला पति मंगलसिंह कुरवेती निवासी सिवनी कैंप भरवेली अपहरण और चाइल्ड ट्रैफिकिंग से संबंधित प्रकरण में न्यायालय से जमानत पर रिहा थी। लेकिन वह लंबे समय से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर खंडपीठ में चल रहे अपील प्रकरण में पेश नहीं हो रही थी। इस पर न्यायालय द्वारा उसे प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए थे। इसके बाद बालाघाट पुलिस द्वारा महिला की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा था। पुलिस टीम ने बैहर, भरवेली, महाराष्ट्र के तुमसर सहित अन्य संभावित स्थानों पर उसकी पतासाजी की लेकिन आरोपी महिला पुलिस के हाथ नहीं लग सकी। इसी दौरान 12 और

13 मार्च की दरम्यानी रात थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार अपने पुलिस स्टाफ के साथ गश्त पर थे। उनके साथ उपनिरीक्षक नरेश पांडेय, आरक्षक रवि गडेवाल और महिला आरक्षक रितु बसेने भी मौजूद थीं। गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन पर चेकिंग की जा रही थी, तभी एक महिला पुलिस को देखकर घबरा गई और छिपने का प्रयास करने लगी। पुलिस को संदेह होने पर महिला से पूछताछ की गई, जिसमें उसकी पहचान सुशीला कुरवेती के रूप में हुई। उस समय वह अपने पुत्र नरेश कुरवेती के साथ रेलवे स्टेशन पर बैठी हुई थी। इसके बाद महिला पुलिस अधिकारी द्वारा उसे विधिवत हिरासत में लिया गया और न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस ने महिला की पहचान की पुष्टि उसके परिजनों और मामले के सह-आरोपियों के कथनों के साथ-साथ उपलब्ध अभिलेखों और पूछताछ के आधार पर की। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि उसके पुत्र नरेश कुरवेती के खिलाफ भी थाना भरवेली में गिरफ्तारी वारंट लंबित है। इसके बाद पुलिस ने नरेश कुरवेती को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल वारंट जारी होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने वाले असामाजिक तत्व पर पुलिस की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज और विवाद कर शांति भंग करने वाले एक युवक के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। जानकारी के अनुसार 14 मार्च को दोपहर लगभग 1:30 बजे बूढ़ी रोड बालाघाट में आरोपी आदर्श डोंगरे उम्र 19 वर्ष निवासी बूढ़ी बालाघाट एक युवती से मोबाइल पर बातचीत और चैट करने से मना करने की बात को लेकर विवाद करने लगा। इस दौरान वह सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज करते हुए उत्पात मचा रहा था, जिससे वहां मौजूद लोगों में असहजता का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने पर प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे अपने हमराह स्टाफ के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और युवक को समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन वह शांत नहीं हुआ और विवाद करता रहा। स्थिति को देखते हुए थाना कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को माननीय अनुविभागीय दण्डाधिकारी न्यायालय बालाघाट के समक्ष पेश किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है
लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से 31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु ई छुक व्यक्ति संपर्क करें।
सुविधाएं - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।
-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट